3 राजधानी
कोर्ट ने एलडीए से जिम्मेदार अफसरों के मांगे नाम

6 अभिमत
चुनाव में अनुमानों का दौर

11 विदेश
धार्मिक अनुभव बदल सकता है मेटावर्स

12 स्पोर्ट्स
पंजाब किंग्स पांच विकेट से जीता

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 203
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 16 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

चाबहार बंदरगाह से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा

राष्ट्रीय-10

इंडिया जीता तो बाहर से समर्थन: ममता

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि यदि इंडिया गुट सत्ता में आया तो वे उसे वे बाहर से समर्थन देंगी। हुगली जिले के चिनसुराह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, मोदी सरकार के जाने के बाद हम इंडिया ब्लॉक को नेतृत्व प्रदान करेंगे और इसे बाहर से समर्थन देंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बंगाल के लोग जिन्हें सौ दिन काम की मजदूरी का भुगतान नहीं किया है, उन्हें उनका अधिकार वापस दिलाया जाए। बनर्जी का दावा एक दिन बाद आया जब उन्होंने एक अन्य रैली में कहा कि पहले चार चरणों के मतदान ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि भाजपा के लिए मौसम बदल रहा है और इंडिया ब्लॉक 195 के मुकाबले 315 सीटें जीतेगा।

बनर्जी ने कहा, मोदी बाबू जा रहे हैं, दिल्ली में कोई मोदी नहीं होगा... और दीदी यह सुनिश्चित करेंगी कि इंडिया ब्लॉक केंद्र में सत्ता में आए। इंडिया ब्लॉक के लिए अपनी बाहरी समर्थन प्रतिज्ञा के बावजूद बनर्जी ने कहा कि इंडिया से उनका मतलब वामपंथियों और बंगाल की कांग्रेस से नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब बंगाल के वामपंथियों और कांग्रेस से नहीं है जो भाजपा के एजेंट हैं और अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं... मैं उस कांग्रेस के बारे में बात कर रही हूं जो दिल्ली में है। माकपा के विकास रंजन भट्टाचार्य ने दावा करते हुए कहा कि दीदी चिंतित हैं, अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है तो उनके लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी इसलिए वह राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व को अलग करने की कोशिश कर रही हैं ।

हावड़ा में बुधवार को रोड शो के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

बनर्जी ने दो महीने की अवधि में चुनाव निर्धारित करने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की और आरोप लगाया कि अत्यधिक गर्मी के कारण आम लोगों को होने वाली कठिनाइयों की अनदेखी करते हुए भाजपा के पक्ष में यह फैसला लिया। बनर्जी ने कहा, निर्वाचन आयोग एक कठपुतली है और मोदी के निर्देशों के अनुसार काम करता है। ढाई महीने से मतदान हो रहा है, क्या आपको (निर्वाचन अधिकारियों को) कभी आम लोगों की परेशानियों का एहसास हुआ है। हुगली से पार्टी की उम्मीदवार अभिनेत्री रचना बनर्जी के साथ मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी पर चुनाव के दौरान 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को दायरे में लाने के लिए आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करने की योजना की कथित रूप से घोषणा करके आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अब जब चुनाव चल रहा है तो आप ऐसा क्यों कह रहे हैं? आपको इसकी घोषणा पहले करनी चाहिए थी... मोदी बाबू, आप आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। बनर्जी ने लोकसभा चुनाव में 400 सीट हासिल करने के भाजपा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भाजपा 400 सीट जीतने का दावा कर रही है, लेकिन लोग कह रहे हैं कि इस बार ऐसा नहीं होगा। हम (तृणमूल कांग्रेस) केंद्र में सरकार बनाने के लिए इंडिया को बाहर से समर्थन देंगे। बनर्जी ने बंगाल में संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए), राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन के खिलाफ अपनी पार्टी के अडिग रुख की घोषणा की।

एच-1बी वीजा धारक बर्खास्त भारतीयों कर्मियों को मिलेगा अतिरिक्त समय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कई भारतीयों को संभावित राहत देते हुए, नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारी अमेरिका में 60 दिनों से अधिक रह सकते हैं। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) का यह निर्देश अमेरिका में तकनीकी कंपनियों द्वारा की जा रही छँटनी के बीच आया है, जिसका असर भारतीयों सहित हजारों कर्मचारियों पर पड़ा है। यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि बर्खास्त किए गए एच-1बी वीजा धारक 60 दिनों से अधिक समय तक अमेरिका में रह सकते हैं। एच-1बी वीजा धारकों को छूट अवधि के बाद अमेरिका में रहने के लिए यही करना होगा। नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारी कानूनी तौर पर 60 दिनों से अधिक समय तक अमेरिका में रह सकते हैं। वे नए नियोक्ता के लिए आवेदन कर सकते हैं, वीज़ा स्थिति बदल सकते हैं या अपनी वीज़ा स्थिति समायोजित कर सकते हैं। Google, Meta, Apple, Dell, Twitter, Amazon, Microsoft जैसी कई अन्य तकनीकी कंपनियों ने कई भारतीयों सहित अमेरिका में रहने वाले कई गैर-आप्रवासी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। आम धारणा है कि नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों को 60 दिनों के भीतर अमेरिका छोड़ना होगा। लेकिन यूएससीआईएस ने अपने ताजा बयान में इस पर सफाई दी है। यूएससीआईएस ने अपनी नवीनतम विज्ञप्ति में कहा, जब गैर-आप्रवासी श्रमिकों को नौकरी से निकाला जाता है, तो वे अपने विकल्पों के बारे में नहीं जानते होंगे और कुछ मामलों में, गलत तरीके से मान सकते हैं कि उनके पास 60 दिनों के भीतर देश छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। टेक उद्योग लगातार छँटनी से जूझ रहा है, हर महीने नई नौकरियों में कटौती की खबरें सामने आ रही हैं। अब तक कुल 237 टेक कंपनियों ने 2024 में 58,499 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

मालीवाल के पूर्व पति जयहिंद ने कहा- केजरीवाल पर केस हो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर कथित मारपीट के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। बीजेपी इसके विरोध में प्रदर्शन कर रही है। वहीं मालीवाल के पूर्व पति डॉ. नवीन जयहिंद ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर भी एफआई आर दर्ज होनी चाहिए क्योंकि यह घटना उनके घर पर हुई है। उन्होंने इस घटना को एक साजिश करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आवास से बड़ी दुर्गंध आ रही है। जिसने इस घटना को अंजाम दिया है उसकी इतनी हिम्मत नहीं है कि वह एक राज्यसभा सांसद के साथ इस तरह की वारदात को अंजाम दे। जयहिंद ने स्वाति की जान को खतरा बताते हुए कहा कि उसे डराया जा रहा है और धमकाया जा रहा है। नहीं तो कोई पीसीआर को फोन कर बुलाता और न ही वो थाने में जाती। अब भी उन्हें चुप कराया और डराया जा रहा है।

इस बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अगुवाई में भाजपा महिला मोर्चा की महिलाएं स्वाति मालीवल को इंसाफ दिलाने के मकसद से सड़क पर उतार आई हैं। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास के पास जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की बहनें एक बहन के स्वाभिमान की लड़ाई लड़ने आई है। अगर वे ही सुरक्षित नहीं हैं और वह भी मुख्यमंत्री आवास के अंदर तो लोग दिल्ली के हालत समझ सकते हैं। नवीन जयहिंद ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यह मामला सिर्फ पूर्व पत्नी का नहीं है बल्कि लाखों महिलाओं के मान सम्मान और स्वाभिमान जुड़ा हुआ है। यह उनका खुद का व्यक्तिगत मामला नहीं है। जयहिंद ने गृहमंत्री, दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग से अनुरोध किया है कि वे चुप क्यों है। स्वाति की जान को खतरा है। (शेष पेज 9)

आग पर काबू पाने में उत्तराखंड का रवैया निराशाजनक: कोर्ट

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने उत्तराखंड सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी जताते हुए बुधवार को कहा कि जंगल में आग लगने की घटनाओं को नियंत्रित करने में राज्य का रवैया उदासीन रहा है। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को 17 मई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और कोषों के इस्तेमाल व वन विभाग में खाली पदों के बारे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत इसे बहुत खेदजनक स्थिति करार देते हुए कहा कि राज्य बस कोई न कोई बहाना ढूंढने की कोशिश कर रहा है। पीठ ने निर्देश दिया कि राज्यों के वन विभाग के कर्मचारियों और वाहनों का इस्तेमाल चुनावों या चार धाम यात्रा जैसे

किसी अन्य कार्यों में न किया जाए।

न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भाटी और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की सदस्यता वाली पीठ ने कहा, हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आग पर काबू पाने में उत्तराखंड का रवैया निराशाजनक है। हालांकि कार्य योजनाएं तैयार कर उन्हें अंतिम रूप दिया गया, लेकिन कार्यान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा। शीर्ष अदालत उत्तराखंड में जंगलों

में आग लगने की घटनाओं को लेकर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि जब प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए) से धन मिल चुका है और केंद्रीय प्राधिकरण से मंजूरी मिल चुकी है तो 2023-24 में उत्तराखंड में वन संबंधी गतिविधि के लिए 9.12 करोड़ रुपए में से केवल 3.41 करोड़ रुपए का उपयोग क्यों किया। पीठ ने कहा कि उसे इस बात का भी कोई कारण नहीं दिखता कि शेष राशि का उपयोग वानिकी के लिए क्यों नहीं किया गया। पीठ ने कहा, एक और मुद्दा जिस पर ध्यान देने की जरूरत है वह उत्तराखंड राज्य के वन विभाग में भारी रिक्तियों से जुड़ा है। पीठ ने कहा कि राज्य ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कोष या राज्य आपदा प्रबंधन कोष के समय पर वितरण में विफलता को लेकर एक शिकायत की है। पीठ ने कहा, हम यह नहीं समझ पा रहे कि राज्य को राज्य आपदा प्रबंधन निधि के वितरण के संबंध में शिकायत कैसे हो सकती है, जबकि उक्त धनराशि वितरित करना राज्य के अधिकार क्षेत्र में है। पीठ ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कोष और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत धन के समय पर वितरण के संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट करने का भी निर्देश दिया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां का निधन

पायनियर समाचार सेवा। ग्वालियर/नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का बुधवार सुबह दिल्ली के एम्स में निधन हो गया, जहां वह पिछले कुछ दिनों से वेंटिलेटर पर थीं। सूत्रों ने बताया कि पिछले तीन महीने से उनका इलाज चल रहा था और वह निमोनिया के साथ-साथ सेप्सिस से भी पीड़ित थीं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने राजमाता माधवी

राजे सिंधिया के निधन पर दुख व्यक्त किया। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के लोगों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और कई लोगों ने सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त किया। (शेष पेज 9)

मुख्यमंत्री रहते मैं जो नहीं कर सका, उसे योगी ने कर के दिखाया: राजनाथ

- कहा, आपके दिल में दहशत नहीं विश्वास और मोहब्बत भर के समर्थन प्राप्त करना चाहते हैं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपने संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार अभियान में जुटे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सीएम रहते जो कार्य वो न कर सके वह भी योगी के करिश्माई नेतृत्व ने कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों की चर्चा न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में हो रही है। अमीनाबाद में आयोजित रैली में पहुंचे राजनाथ सिंह आंध्र प्रदेश की एक रैली में आई पैरों में चोट के कारण संक्षिप्त भाषण ही दे सके। उन्होंने बताया कि ज्यादा देर तक खड़े रहने में वो असमर्थ हैं। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि सीएम योगी ने प्रदेश में करिश्माई काम किया है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते जो काम वो नहीं कर पाए उसे भी योगी ने कर के दिखाया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी राज्य के विकास की पहली शर्त होती है

कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करना। इस कार्य के लिए योगी की चर्चा पूरे भारत में और दुनियाभर में हो रही है। यूपी हमारे लिए गौरव का विषय बन गया है। सीएम योगी के नेतृत्व में लक्ष्य तय किया गया है कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाना है। ऐसा होने पर भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई रोक नहीं सकेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में चुनाव लड़ते वक्त कभी कोई वादा नहीं किया। बस निवेदन करता हूं कि आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं मिलें। यहां पर क्या विकास कार्य हुए हैं मुझे बताने की आवश्यकता नहीं है। लखनऊ में जो भी विकास हुआ है उसमें बहुत बड़ा सहयोग योगी आदित्यनाथ ने किया है। इसका पूरा श्रेय उन्हीं को जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अबतक हुई चार चरण की वोटिंग से जो रिपोर्ट हमें मिली है, उसके आधार पर हम 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य को प्राप्त करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे विश्वसनीय पार्टी है, जो कहती है वो करती है। 1951 से हम कहते रहे हैं कि संसद में जब हमें स्पष्ट बहुमत प्राप्त होगा तो हम क्या क्या करेंगे। 2014 में हमारी स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनी। हमने बहुमत मिलते ही कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करने का काम किया। जम्मू कश्मीर का तेजी से विकास हुआ है। कांग्रेस की हुकूमत में हिन्दुस्तान का शायद ही कोई राज्य रहा हो जहां आतंकी घटना नहीं हुई। आज कश्मीर में एक दो बड़ी वारदात को छोड़कर देश में कहीं आतकी घटना नहीं हुई है। आज अयोध्या में राममंदिर बन गया है। राम अपनी कुटिया से भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। अब भारत में रामराज्य हो कर रहेगा। उन्होंने कहा कि आज भारत की प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में बढ़ी है। भारत के प्रति धारणा बदल चुकी है। दुनिया मान चुकी है कि भारत विश्व का ताकतवर देश बन चुका है। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब हमारा देश अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में 11वें स्थान पर था, आज मोदी के नेतृत्व में हम पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं कह रही हैं कि भारत सबसे तेजी से विकास कर रहा है। 2027 तक भारत दुनिया की तीसरा सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। उन्होंने अल्पसंख्यकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हम आपके दिल में दहशत नहीं विश्वास और मोहब्बत भर के समर्थन प्राप्त करना चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष को सलाह देते हुए कहा कि सार्थक राजनीति करें और सच बोलें। जनता की आंख में धूल झोंकने वाली राजनीति करने की कोशिश न करें। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं करते। हम देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं। राजनाथ सिंह ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि अगर भविष्य देखना हो तो भारत आओ, अगर भविष्य को महसूस करना चाहते हो तो भारत में आओ और अगर भविष्य में काम करना चाहते हो तो भारत आओ। उन्होंने अपील की कि भारत को विश्व की महाशक्ति बनाना है तो भाजपा और एनडीए के पक्ष में मतदान करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएलसी डॉ महेन्द्र सिंह, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी, एमएलसी और लोकसभा के संयोजक मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, डॉ गुरमीत सिंह, बीजेपी के पदाधिकारी और पार्षदगण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। (शेष पेज 9)

भाजपा बुलेट ट्रेन की गति से चार सौ का आंकड़ा पार करेगी: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार शाम अमीनाबाद में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और सपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कांग्रेस और सपा का घोषणा पत्र पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों ने भाषा, जाति और क्षेत्र के आधार पर जनता को बांटने का काम किया है। इनकी सरकारों के दौरान राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा दिया गया। सीएम योगी ने यह भी आश्वस्त किया कि भारतीय जनता पार्टी बुलेट ट्रेन की रफ्तार से चार सौ सीटों के आंकड़े को पार करेगी। सीएम योगी यहां लखनऊ लोकसभा सीट पर पार्टी प्रत्याशी और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लिए जनता से वोट की अपील कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार चरण में हुई अबतक की वोटिंग की आंच कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर पड़ चुकी है। अब उन्हें झूठ का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सपा के राष्ट्रीय

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 16 मई, 2024

सपा ने बुंदेलखंड में माफिया व डकैत पैदा किए: मुख्यमंत्री

नोएडा के तर्ज पर होगा बुंदेलखंड का विकास, पूरी दुनिया नौकरी मांगने आएगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ महोबा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केंद्र और प्रदेश की सरकार ने सबसे अधिक बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास पर फोकस किया है। इस क्षेत्र को नोएडा की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिसके बाद यहां के नौजवान पलायन नहीं करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया से लोग यहां नौकरी और रोजगार के लिए आएंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि पिछली सरकारों में बुंदेलखंड के क्षेत्र में माफिया और डकैत पैदा किये गये थे। बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया गया। ऐसे लोगों की जमानत जब्त होनी चाहिए। सीएम योगी बुधवार को यहां डाक बंगला मैदान में हमीरपुर लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के लिए जनता से वोट की अपील की।

सीएम योगी ने आल्हा-उदल और वीर चंदेलों की भूमि को नमन करते हुए कहा कि उनके लिए महोबा उनकी अपनी भूमि लगती है। बाबा गोरखनाथ ने यहीं गोरखगिरी में तपस्या की थी और आल्हा उदल को यहीं अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था। सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार गोरखगिरी में पर्यटन को नई ऊंचाई प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के साथ पिछली सरकारों ने बहुत अन्याय किया था। यह क्षेत्र प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, यहां नदी, नाले, खनन और पर्यटन की संभावना है। सपा सरकार ने यहां माफिया और डकैत पैदाकर के जनता का शोषण किया। मुख्यमंत्री ने महोबा के बारे में कही जाने वाली प्रसिद्ध कहावत का जिक्र करते हुए कि %महोबा वाले बड़े लड़इया, इनकी मार सही ना जाए।% सीएम योगी ने जनता से अपील की कि अपने वोट की मार से सपा, बसपा और कांग्रेस की जमानत जब्त करें। उन्होंने कहा कि चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो रहा है। भाजपा का विरोध केवल दो लोग कर रहे हैं एक वो जो रामद्रोही हैं और दूसरे जो पाकिस्तान का राग अलापते हैं। पाकिस्तान प्रेमियों को वहां जाकर कटोरा लेकर भीख मांगना चाहिए। सीएम ने कहा कि रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों को वोट देकर पाप का भागीदार नहीं बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले जबसे देश में मोदी जी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार बनी तबसे बड़े बड़े विकास के कार्य और परिवर्तन हुए। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनी। पहली बार जब मैं बुंदेलखंड आया तो यहां के नेताओं ने मुझसे कहा था कि बुंदेलखंड के लिए कुछ होना चाहिए। तब मैंने कहा था कि बुंदेलखंड के लिए ऐसा करूंगा कि आने वाली पीढ़ियां याद करेंगी। आज बुंदेलखंड एक्सप्रेस को देखकर अच्छा लगता है। हमारा बुंदेलखंड अब विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है। हर घर नल योजना से घर घर आरओ का पानी पहुंचाने का काम हो रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री के हाथों अर्जुन सहायक परियोजना, रतौली बांध परियोजना, भावनी बांध परियोजना और मजगांव चिल्ली स्प्रिंकलर सिंचाई परियोजना का लोकार्पण हुआ तो बुंदेलखंड के खेत भी अब प्यासे नहीं रहे। सीएम योगी ने कहा कि हमने बिना चेहरा, गांव या क्षेत्र देखे सबका साथ सबका विकास किया है।आज बुंदेलखंड में बनी तोप जब सीमा पर गरजती है तो पाकिस्तान वालों की पैंट भीग जाती है। 2017 के पहले यहां डकैतों का आतंक था, बड़े बड़े माफिया थे। सपा, बसपा कांग्रेस ने यहां माफिया दिया जो लूट खसोट मचा रहे थे। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा खतरे में थी। आज बुंदेलखंड को नोएडा के तर्ज पर विकसित करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अब हमारा नौजवान बुंदेलखंड से पलायन नहीं करेगा। पूरी दुनिया आपके पास नौकरी की भीख मांगने आएगी। सीएम योगी ने कहा कि आपके एक वोट के कारण ही मोदी और योगी को ताकत मिलती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिन बाद यहां हमीरपुर के राठ में स्वामी ब्रह्मानंद की समाधि पर जाकर पुष्पांजलि करेंगे और जनता से संवाद करेंगे। ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और विकासित भारत बनाने का चुनाव है। जिन लोगों ने बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया है, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया था, अपने वोट से ऐसी मार दीजिए कि इनकी जमानत जब्त हो जाए। ये चुनाव देश के भविष्य के लिए है।

यूपी में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा : योगी

सीएम ने कहा, कांग्रेस ने देश को मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में यूपी में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सलाह दी कि उन्हें सच बोलने की आदत डाल लेना चाहिए। सीएम योगी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह देश को मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटती रही रही है। खड़गे ने हाल ही में भगवान शिव और प्रभु श्रीराम के बीच लड़ाई लगाने का कुत्सित प्रयास किया है। ये इनकी क्षुद्र मानसिकता है। सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बाबा साहब और सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का लगातार अपमान किया है। कहा कि इंडी गठबंधन के लोगों को पीएम मोदी के विकसित भारत की संकल्पना से चिढ़ हो रही है। सीएम योगी ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा का चार चरण समाप्त हो चुका है। मोदी की लहर सुनामी बनकर सामने आ गई है और इंडी गठबंधन की हवा निकल चुकी है। जनता ने इन्हें खारिज कर दिया है। इंडी गठबंधन फिर से देश की अपूरणीय क्षति करना चाहता है। मगर, जनता ने इनसे पिंड छुडा लिया है। अब ये देश की सत्ता में कभी नहीं आ सकते। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब का सबसे ज्यादा अपमान कांग्रेस ने किया, तो वहीं सपा ने भी बाबा साहब और सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का अपमान किया।

झांसी में योगी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को झांसी पहुंचे। यहां उन्होंने लक्ष्मी गेट स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद रोड शो की शुरुआत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ी। सड़क के दोनों ओर स्थानीय लोगों की भीड़ सीएम योगी पर फूलों की बारिश करती नजर आई। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी सीएम योगी को देखने के लिए मौजूद रहीं। महिलाओं ने सीएम योगी पर फूलों की बारिश कर उनका स्वागत किया। जय श्री राम के नारों के बीच लोग हाथों में भाजपा का झंडा थामे इस रोड शो में हिस्सा लेते दिखाई दिए। विभिन्न स्थानों पर महिलाओं और पुरुषों ने सीएम योगी की आरती भी उतारी गई।

रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भी स्थानीय लोगों के उत्साह को देखते हुए उन पर फूल बरसाते दिखे। मुख्यमंत्री ने हाथों में चुनाव चिह्न कमल और विक्ट्री सीन दिखाते हुए लोगों से भाजपा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के लिए वोट की अपील की। घास मंडी, बड़ा बाजार, मानिक चौक, सिंधी तिराहा से होते हुए सीएम का रोड शो आगे बढ़ा और कोतवाली के निकट समाप्त हुआ। रोड शो के कुछ दूर आगे बढ़ने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इस रोड शो में हिस्सा लेने के लिए वाहन पर सवार हुए। रास्ते में मुस्लिम समाज के लोग मुख्यमंत्री के रोड शो पर फूलों की बारिश करते दिखे। कोतवाली के निकट रोड शो के समापन स्थान पर सीएम ने रोड शो में मौजूद लोगों को वाहन पर ही खड़े होकर धन्यवाद दिया और संक्षिप्त सम्बोधन दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा के लोकप्रिय प्रत्याशी अनुराग शर्मा के समर्थन में आज झांसी वासियों ने जो अनुराग उनके ऊपर लुटाया है, उसके लिए क्रांति की इस धरा को कोटि कोटि नमन। सीएम योगी ने इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी रोड शो में शामिल होने के लिए हृदय से धन्यवाद दिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया मतदाता जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करने तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सूचना प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, लखनऊ द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अब तक प्रदेश में हुए कुल 4 चरणों के 15 जिलों में मतदाताओं को प्रचार वाहनों के साथ-साथ विविध कार्यक्रमों के जरिये जागरूक किया जा चुका है। शेष बचे तीन चरणों के 14 जिलों में भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। केन्द्रीय संचार ब्यूरो का मुख्य फोकस ऐसे जनपदों में रहा, जहां विगत चुनावों में मतदान प्रतिशत कम रहा है। इसी क्रम में पांचवे चरण के अंतर्गत लखनऊ और मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करने हेतु मतदाता जागरूकता रथों को रवाना किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को केन्द्रीय संचार ब्यूरो के अलीगंज, लखनऊ स्थित केन्द्रीय भवन से मतदाता जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रथ लखनऊ और मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र में पहुंचकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। जिससे कि 20 मई को होने वाले मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदान हो सके। इस अवसर पर उन्हांने प्रकाशन विभाग की तीन पुस्तकों, 'अनफोल्डिंग इंडियन इलेक्शन्स,' मतदान में विश्वास' और 'बिलीफ इन द बैलट' का लोकार्पण किया।

Declaration about criminal antecedents of candidates set up by the party- Form C-2
(As per the judgment dated 25 September, 2018, of Hon' ble Suprme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation &Ors. Vs. Union of India & Anr.)
Name of political party: **Mera Adhikaar Rashtriya Dal**
*Name of Election : **LOKSABHA General Election 2024**, Name of State/UT: **Uttar Pradesh**

Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	(A) Pending criminal cases		(B) Details about cases of conviction for criminal cases
			Name of Court, Case No.& status of the case(s).	Sections of Act concerned and brief description of offence(s)	
1.	Lucknow	Kapil Mohan Chowdhary	Civil Judge (JD/ FTC-CAW), 410 /2013 (FIR No. 25/99); Pending	Sections 498a, 323, 504, 506 of IPC and 3/4 D.P. Act (Case based on False allegations)	NOT APPLICABLE
2.	Lucknow	Kapil Mohan Chowdhary	18-CJM Barabanki 110/ 2023 (FIR No. 1350 /2022); Pending	Sections 323, 504, 506, 307 of IPC (Final Report/ case expunged and 182/ 211 IPC initiated against applicant)	NOT APPLICABLE

कई नेता भाजपा में शामिल

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के समक्ष बुधवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सपा के वरिष्ठ नेताओं ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक दिलीप कमार वर्मा, सपा नेता पूर्व विधायक माधुरी वर्मा तथा सपा नेता व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राम कुमार उर्फ चिंकू यादव को बड़ी संख्या में उनके समर्थकों के साथ भाजपा परिवार में शामिल किया।

पायनियर वर्गीकृत

NOTICE

I, Digari Devi, mother of Army No. 4199014-N, Hav Niranjan Singh Karki, presently posted at Unit 7, Kumaon C/O 56 APO & Village Khetal Sanda Kham, Tehsil Khatima, District Udham Singh Nagar, (UK) 262308 . It is stated that my name has mentioned as Degri Devi in the service record of my son in palce of Digari Devi moreover my date of birth is 09.01.1957, which is required to be correct or recorded in Service records of my son.

सूचना

मैं 14692174एल सीतेश साहू, कार्यालय, एस.एच.ओ. लखनऊ, एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी पत्नी श्रीमती रिचा साहू की जन्म तिथि मेरे सेवा दस्तावेजों में गलती से 16 फरवरी 1980 दर्ज हो गई है। शपथ पत्र संख्या 51 एई 128206 दिनांक 13 मई 2024 के अनुसार मेरी पत्नी की सही जन्मतिथि 16 जुलाई 1982 है।

सूचना

मैं अशोक कुमार, कार्यालय, पी.आर.ओ. डिफेंस लखनऊ, एतद्वारा घोषणा करता हूं कि मेरे सेवा दस्तावेजों में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश नीलमा कुमारी और जन्म तिथि 19.05.1992 अंकित हो गया है। शपथ पत्र संख्या 92 एई 113268 दिनांक 14 मई 2024 के अनुसार मेरी पुत्री का नाम कोमल और जन्मतिथि 19.05.1993 है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है
श्री बच्चू राम राम स्वरूप सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अढ़ौली-धाता, फतेहपुर (उ.प्र.) कालेज कोड- 2006 में स्नातक कला संकाय हेतु हिन्दी साहित्य, प्रा० भा० इतिहास तथा स्नातकोत्तर-संस्कृत विषयों में एक-एक सहा० आचार्यों की आवश्यकता है। शैक्षिक योग्यता एवं वेतनमान यू०जी० सी० के मानकानुसार। आवेदन की अन्तिम तिथि- 10 जून 2024
मुख्य ट्रस्टी/प्रबन्धक
मो०- 6306376276, 9935306738

भ्रम, झूठ व भ्रष्टाचार इंडी गठबंधन की पहचान: भूपेन्द्र सिंह चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बुधवार को कहा कि भ्रम, झूठ और भ्रष्टाचार ही कांग्रेस-सपा और इंडी गठबंधन की पहचान है। आज इनको 10 किलो राशन देने की याद आ रही है, इसका श्रेय भी मोदी जी की नीतियों और भाजपा सरकार को जाता है। इन्हें बताना चाहिए 70 साल शासन में रहे तब गरीबों को मुफ्त राशन देने की बात याद क्यों नही आई?

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि लोग भूले नहीं हैं कि कांग्रेस सरकार और इनको समर्थन देने वाली सपा सरकार के समय ही बुन्देलखंड में भूखमरी के कारण कई लोगों ने आत्महत्या की थी। कांग्रेस अध्यक्ष माल्लिकार्जुन खड़गे को बताना चाहिए कि कांग्रेस सरकार ने जो बुन्देलखंड पैकेज घोषित किया था उसका क्या हुआ? बुन्देलखंड और पूर्वांचल की तस्वीर मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार में बदली है। चौधरी ने कहा कि खड़गे शायद भूल गए हैं कि जब केन्द्र में कांग्रेस सरकार थी और राज्य खाद्यान्न घोटाला हुआ था तब उनको समर्थन देने वाले दल की ही सरकार थी। इंडी गठबंधन गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता के विकास के लिए नहीं बल्कि परिवार के विकास की ही बात करते हैं। मोदी ने बिना भेदभाव शौचालय, आवास, बिजली कनेक्शन, हर घर जल और किसान सम्मान निधि देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ये संविधान की दुहाई देते हैं जबकि ओबीसी और एससी के हिस्से का आरक्षण इन्होंने धार्मिक आधार पर बांटा है। जिसकी खिलाफत स्वयं बाबा साहेब अंबेडकर ने की थी। इन्होंने देश पर इमर्जेंसी थोपी, संविधान की धज्जियाँ उड़ाते हुए कई बार चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया। उन्होंने कहा संविधान में बदलाव कर ग़रीबों, पिछड़ों और वांछितों का हक मारने का काम कांग्रेस ने ही किया है। कांग्रेस और सपा को आरक्षण और संविधान पर बोलने का हक नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को इन्होंने चुनाव हराने का काम किया, इन्होंने उन्हें क्षण प्रतिक्षण अपमानित करने का काम किया। भाजपा के समर्थन से बनी सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न दिलाया। मोदी जी ने उनके जीवन से जुड़े पाँच स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया।

भाजपा द्वारा बहुमत का आंकड़ा पार करने पर विपक्ष में बौखलाहट: प्रेम शुक्ल

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि चार चरणों के चुनाव के पश्चात सुनिश्चित हो गया है कि भाजपा चार चरणों के चुनाव में ही बहुमत का आंकड़ा पार करने की स्थिति में है। यही कारण है कि विपक्ष बौखलाया हुआ है और बौखलाहट में पाखंडिया गठबंधन भाजपा पर संविधान बदलने का मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। प्रेम शुक्ल ने कहा कि राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने संविधान पर शरीयत लादने का कुकर्म किया था। संविधान पर शरीयत लादने का कांग्रेस का इरादा है वह बार-बार प्रकट होता रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के संविधान की आत्मा को कुचलने के इरादे से 2004 में आन्ध्रप्रदेश में मुस्लिम आरक्षण का प्रावधान किया गया। जिसे बाद में उच्चतम न्यायालय ने असंवैधानिक घोषित किया था। 2006 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र आयोग का गठन कर कांग्रेस के द्वारा सिफारिश करवाई गई कि मुस्लिमों के लिए 15 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही आयोग ने 6 फीसदी आरक्षण पिछड़ों से छीनकर मुस्लिमों को देने की सिफारिश भी की गई। कांग्रेस का 2009 का घोषणा पत्र मुसलमानों को आरक्षण देने प्रतिबद्धता व्यक्त करता है और मनमोहन सिंह सरकार ने 2011 में मुस्लिम आरक्षण पर कैबिनेट नोट भी दिया था। शुक्ल ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे विद्वत जनों ने संविधान सभा मे निर्धारित किया कि देश में धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नही होगा। फिर भी कांग्रेस बार-बार संविधान की मूल आत्मा को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस के घोषणा पत्र में पर्सनल लॉ संरक्षित रखने बात की गई है। विश्व में किसी भी सेक्युलर देश में किसी भी धर्म के लिए पर्सनल लॉ की व्यवस्था नहीं है।

सरकार बनी तो पांच नहीं दस किलो राशन देंगे: खरगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिलेश ने कहा, 140 सीटों में ही सिमट जाएगी भाजपा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के बीच बुधवार को बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर गरीबों को पांच किलो की जगह दस किलो अनाज मुफ्त में दिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बुधवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस-यूपीए सरकार खाद्य सुरक्षा कानून लाई थी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के उसी राशन पर अपनी तस्वीर चिपकाकर ये जता रहे हैं कि उन्होंने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त पांच किलो अनाज दिया। केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत, गरीबों को हर महीने दस किलो अनाज देगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हिंदुस्तान की जनता ने नरेंद्र मोदी की विदाई तय कर दी है। लोकसभा चुनाव के चार चरण के मतदान की रिपोर्ट कहती है कि इंडिया गठबंधन आगे है और भाजपा पीछे है। इंडिया गठबंधन बेहद मजबूत स्थिति में है। चार जून को इंडिया गठबंधन नई सरकार बनाने जा रहा है। खरगे ने कहा कि यह लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ गरीबों के पक्ष में लड़ने वाली पार्टियां हैं। दूसरी तरफ अमीरों के पक्ष में खड़े होने वाले लोग हैं। इंडिया गठबंधन गरीबों की ओर से लड़ रहा है, जिन्हें खाना नहीं मिलता और नौकरी नहीं मिलती। इंडिया गठबंधन देश में फैली बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ यह लड़ाई लड़ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के नेता संविधान को बदलने की बात कर रहे हैं। कर्नाटक में भाजपा सांसद ने कहा कि हमें दो तिहाई बहुमत दीजिए, हम संविधान बदल देंगे। मोदी ऐसे लोगों को पार्टी से क्यों नहीं निकालते। संविधान को बदलने की बात पर नरेंद्र मोदी चुप क्यों हो जाते हैं। खरगे ने कहा कि ये बेहद महत्वपूर्ण चुनाव है। जिससे देश का भविष्य बनेगा और आने वाले पीढ़ी को सुरक्षित रखा जाएगा। देश के भविष्य को बनाने व संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सबको मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और कमजोर वर्ग के लोगों के आरक्षण की रक्षा करना इंडिया गठबंधन का फर्ज है, क्योंकि संविधान बचेगा तो आरक्षण बचेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के नेताओं को भाजपा के लोग नामांकन करने से रोक रहे हैं। विपक्ष के पोलिंग एजेंटों को भी डरा-धमका रहे हैं। चुनाव में सभी के लिए समान अवसर होना चाहिए।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Indian Bank (A Govt. of India Undertaking)
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊ: न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोन: 0522-2286272, 2287283, फैक्स: 0522-2288033, ई-मेल: zolucknow@indianbank.co.in

श्री कृष्ण कुमार यादव (ऋणी)	ईएस 1बी/64 सीतापुर रोड योजना सेक्टर-ए अलीगंज लखनऊ-226024

मण्डलीय कार्यालय लखनऊ के तहत विकास भवन शाखा, बाराबंकी के श्री कृष्ण कुमार यादव को विलफुल डिफॉल्टर के अनुसार कारण बताओ नोटिस

उधारकर्ता के अनुरोध पर, बैंक ने लखनऊ क्षेत्र के अंतर्गत अपनी विकास भवन शाखा बाराबंकी के माध्यम से आवास ऋण के लिए रू. 0.25 करोड़, जहां पहला उधारकर्ता है और दस्तावेज/समझौते निष्पादित किए गए हैं।
उधारकर्ता ने मंजूरी की शर्तो के अनुसार बैंक को अपने भुगतान/पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है। हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, उधारकर्ता जानबूझकर खाते को नियमित करने में विफल रहा है और अंततः आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार उपरोक्त खातों को 29.08.2018 को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
बैंक ने खाते के संचालन और मंजूरी के नियमों और शर्तों का अनुपालन न करने में कई कदाचार देखे हैं और अधिक विशेष रूप से रेखांकित किए गए जो विलफुल डिफॉल्टर करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहियों में से हैं।

विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषणा करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहीयों में से इकाई/कम्पनी, जो है/हो की कार्यवाही	कारण और सबूत जो इकाई/कम्पनी की कार्यवाही को साबित करते हैं और विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषित किए जाने के औचित्य का भी समर्थन करते हैं।
खंड 2.1.3(सी) – निधियों की निकासी: इकाई ने ऋणदाता को अपने भुगतान/ पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है और धन की हेराफेरी की है, जिससे धन का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए नहीं किया गया है जिसके लिए वित्त का लाभ उठाया गया था, और न ही इकाई का अन्य परिसंपत्तियों का फॉर्म में धन उपलब्ध है।	उधारकर्ता को विकास भवन शाखा, बाराबंकी द्वारा स्वीकृति संदर्भ संख्या वीबी बीबीके/24/14 दिनांक 26.02.2014 के तहत श्री संजय सिंह सिंगला द्वारा बाराबंकी में विकसित एक परियोजना में आवास उद्देश्य के लिए रु. 24.90 लाख का आवास ऋण स्वीकृत किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि ऋण लेने वाले द्वारा मकान का निर्माण पूरा नहीं कराया गया है। बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्ति का सीमांकन और पहचान नहीं की जा सकती। इन कमियों के कारण गिरवी रखी गई संपत्ति की प्रवर्तनीयता ख़राब हो जाती है। इसी तरह, विकास भवन शाखा ने 21 और आवास ऋण स्वीकृत किए हैं जहां प्लॉट श्री संजय सिंह सिंगला द्वारा बेचे गए थे और इन सभी खातों में, उधारकर्ता द्वारा निर्माण नहीं किया गया था और संपत्ति का सीमांकन और पहचान नहीं की गई थी।

उधारकर्ता की ओर से जानबूझकर चूक के उपरोक्त साक्ष्य की जांच कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता वाली बैंक की जानबूझकर चूककर्ता स्क्रीनिंग समिति द्वारा की गई है। समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि विलफुल डिफॉल्ट की एक घटना घटी है।
ध्यान दें कि आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उपरोक्त कारणों से बैंक द्वारा उधारकर्ता श्री कृष्ण कुमार यादव का नाम जानबूझकर डिफॉल्टर घोषित करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
यदि आप चाहें, तो आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर बैंक को इस संबंध में एक अभ्यावेदन/प्रस्तुति दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप चाहें तो व्यक्तिगत सुनवाई भी दी जा सकती है। कृपया ध्यान दें कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर उक्त व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई प्रतिनिधित्व और/या कोई अनुरोध प्राप्त नहीं होता है या बैंक आपके द्वारा किए गए प्रतिनिधित्व/प्रस्तुति से संतुष्ट नहीं है, तो बैंक घोषित करने के अपने निर्णय के साथ आगे बढ़ेगा। उधारकर्ता का नाम जानबूझकर विलफुल डिफॉल्टर के रूप में बताएंगी और आरबीआई, सीआईबीआईएल और अन्य क्रेडिट सूचना कंपनियां को भी सूचित करेगा और उचित कानूनी कार्रवाई भी करेगा।

दिनांक: 16.05.2024 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इण्डियन बैंक

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Indian Bank (A Govt. of India Undertaking)
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊ: न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोन: 0522-2286272, 2287283, फैक्स: 0522-2288033, ई-मेल: zolucknow@indianbank.co.in

श्री दीपक श्रीवास्तव (ऋणी)	मकान नंबर-256/187 खजुहा राजेंद्र नगर लखनऊ-226004

मण्डलीय कार्यालय लखनऊ के तहत विकास भवन शाखा, बाराबंकी के श्री दीपक श्रीवास्तव (ऋणी) को विलफुल डिफॉल्टर के अनुसार कारण बताओ नोटिस

उधारकर्ता के अनुरोध पर, बैंक ने लखनऊ क्षेत्र के अंतर्गत अपनी विकास भवन शाखा बाराबंकी के माध्यम से श्री दीपक श्रीवास्तव को आवास ऋण के लिए रु. 0.25 करोड़, जहां पहला उधारकर्ता है और दस्तावेज/समझौते निष्पादित किए गए हैं।
उधारकर्ता ने मंजूरी की शर्तो के अनुसार बैंक को अपने भुगतान/पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है। हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, उधारकर्ता जानबूझकर खाते को नियमित करने में विफल रहा है और अंततः आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार उपरोक्त खातों को 29.08.2018 को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
बैंक ने खाते के संचालन और मंजूरी के नियमों और शर्तों का अनुपालन न करने में कई कदाचार देखे हैं और अधिक विशेष रूप से रेखांकित किए गए जो विलफुल डिफॉल्टर करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहियों में से हैं।

विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषणा करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहीयों में से इकाई/कम्पनी, जो है/हो की कार्यवाही	कारण और सबूत जो इकाई/कम्पनी की कार्यवाही को साबित करते हैं और विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषित किए जाने के औचित्य का भी समर्थन करते हैं।
खंड 2.1.3(सी) – निधियों की निकासी: इकाई ने ऋणदाता को अपने भुगतान/ पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है और धन की हेराफेरी की है, जिससे धन का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए नहीं किया गया है जिसके लिए वित्त का लाभ उठाया गया था, और न ही इकाई का अन्य परिसंपत्तियों का फॉर्म में धन उपलब्ध है।	उधारकर्ता को विकास भवन शाखा द्वारा स्वीकृति संदर्भ संख्या वीबी बीबीके/19/14 दिनांक 06.02.2014 के तहत श्री संजय सिंह सिंगला द्वारा बाराबंकी में विकसित एक परियोजना में आवास उद्देश्य के लिए रु. 24.90 लाख का आवास ऋण स्वीकृत किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि ऋण लेने वाले द्वारा मकान का निर्माण पूरा नहीं कराया गया है। बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्ति का सीमांकन और पहचान नहीं की जा सकती। इन कमियों के कारण गिरवी रखी गई संपत्ति की प्रवर्तनीयता ख़राब हो जाती है। इसी तरह, विकास भवन शाखा ने 21 और आवास ऋण स्वीकृत किए हैं जहां प्लॉट श्री संजय सिंह सिंगला द्वारा बेचे गए थे और इन सभी खातों में, उधारकर्ता द्वारा निर्माण नहीं किया गया था और संपत्ति का सीमांकन और पहचान नहीं की गई थी।

उधारकर्ता की ओर से जानबूझकर चूक के उपरोक्त साक्ष्य की जांच कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता वाली बैंक की जानबूझकर चूककर्ता स्क्रीनिंग समिति द्वारा की गई है। समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि विलफुल डिफॉल्ट की एक घटना घटी है।
ध्यान दें कि आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उपरोक्त कारणों से बैंक द्वारा उधारकर्ता श्री दीपक श्रीवास्तव का नाम जानबूझकर डिफॉल्टर घोषित करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
यदि आप चाहें, तो आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर बैंक को इस संबंध में एक अभ्यावेदन/प्रस्तुति दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप चाहें तो व्यक्तिगत सुनवाई भी दी जा सकती है। कृपया ध्यान दें कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर उक्त व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई प्रतिनिधित्व और/या कोई अनुरोध प्राप्त नहीं होता है या बैंक आपके द्वारा किए गए प्रतिनिधित्व/प्रस्तुति से संतुष्ट नहीं है, तो बैंक घोषित करने के अपने निर्णय के साथ आगे बढ़ेगा। उधारकर्ता का नाम जानबूझकर विलफुल डिफॉल्टर के रूप में बताएंगी और आरबीआई, सीआईबीआईएल और अन्य क्रेडिट सूचना कंपनियां को भी सूचित करेगा और उचित कानूनी कार्रवाई भी करेगा।

दिनांक: 16.05.2024 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इण्डियन बैंक

डेंगू से निपटने को लेकर 252 डॉक्टरों को किया गया प्रशिक्षित

राष्ट्रीय डेंगू दिवस आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डेंगू मच्छरों से होने वाली एक वेक्टर जनित बीमारी है और हर साल हजारों लोग इससे पीड़ित होते हैं। इसी क्रम में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से साल 2016 से हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है, जिससे कि मानसून की शुरुआत से पहले ही डेंगू निवारक उपाय किए जा सकें।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में डेंगू सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के उपाय मार्च महीने से शुरू किए जाते हैं। इसी क्रम में साल में तीन बार अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर माह में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाता है। प्रदेश में डेंगू सहित 12 प्राथमिकता वाली बीमारियों की रिपोर्टिंग के लिए यूपी तकनीकी सहायता इकाई (यूपीटीएसयू) के सहयोग से एकीकृत रोग निगरानी पोर्टल (यूडीएसपी) विकसित किया गया है। इसके अलावा निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों में अस्पतालों और प्रयोगशालाओं की कुल 32,835 सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की इकाइयां अब यूडीएसपी पर पंजीकृत हैं। वहीं सभी 75 जिलों में 86 एसएसएच प्रयोगशालाओं के साथ दो अपेक्स प्रयोगशालाओं के माध्यम से डेंगू और चिकनगुनिया के लिए एलाइजा जांच की जाती है। इसके अलावा रक्त से प्लेटलेट्स अलग करने वाली 34 इकाइयाँ क्रियाशील हैं तथा अन्य 40 इकाइयां प्रचलन के विभिन्न चरणों में हैं। राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों, संभागीय, जिला और ब्लॉक स्तर के अस्पतालों में सभी उपचार सुविधाओं और मच्छरदानी युक्त डेंगू वार्ड स्थापित किए गए हैं। डेंगू और चिकनगुनिया रोग की एलाइजा जांच के लिए एनएस1 और आईजीएम एलाइजा किट उपलब्ध हैं। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा जारी नए डेंगू नैदानिक प्रबंधन दिशानिर्देशों पर कुल 134 चिकित्सा अधिकारियों तथा कानपुर नगर और लखनऊ में निजी सुविधाओं के कुल 118 डॉक्टरों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया रोग प्रबंधन और उपचार प्रोटोकॉल पर प्रशिक्षित किया गया है।

0.10 फीसद है मृत्युदर: पिछले कुछ साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह पता चलता है कि डेंगू से होने वाली मौतों में कमी आयी है। जहां साल 2017 में डेंगू से होने वाली मृत्यु दर .91 फीसद थी, वहीं 2019 में घटकर 0.25 फीसद हो गई है। साल 2021 में .10 फीसद थी जो कि साल 2022 में .17 फीसद और 2023 में 0.10 फीसद हो गई है।

तेलगू मूवी में बिहारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

हाईकोर्ट ने सेंसर बोर्ड को जारी किया नोटिस

विधि संवाददाता। लखनऊ

तेलगू मूवी 'ताकतवर पुलिसवाला' में बिहारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। यह मूवी तेलगू भाषा की 'धी आंते धी' का हिन्दी रूपांतरण है।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश दीपांकर कुमार की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्ष 2015 में बनी मूलतः तेलगू भाषा की इस फिल्म में बिहारियों को गंदगी फैलाने वाला बताया गया है। याचिका में फिल्म का सेंसर सर्टिफिकेट रद् करने की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई अगस्त माह में होगी।

अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की फ़ाइल एलडीए से गायब होने का मामला

हाईकोर्ट ने एलडीए से जिम्मेदार अधिकारियों के मांगे नाम

विधि संवाददाता। लखनऊ

एक अपार्टमेंट व एक अवैध होटल का ध्वस्तीकरण सम्बंधी फ़ाइल गायब होने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाया है। पीठ ने एलडीए से इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों का नाम मांगा है। पीठ के समक्ष इससे पूर्व एलडीए की ओर से स्वीकार किया गया कि ध्वस्तीकरण सम्बंधी फ़ाइल गायब हो गई है। उक्त फ़ाइल अवर अभियंता (एनफोर्समेंट) को दिए जाने के बाद उसने इसे लौटाया नहीं है। पीठ ने इस पर उक्त अवर अभियंता समेत सभी जिम्मेदार अफसरों के नाम मांगे हैं, जिन्हें ध्वस्तीकरण आदेश पर अमल कराना था। पीठ ने इसके साथ ही इस मामले को 27 मई को पहले केस के तौर पर सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश शांति शरण मिश्रा की ओर से दाखिल एक विचाराधीन जनहित याचिका पर दिया है। पीठ ने पिछली सुनवाई के दौरान पाया था कि छह सितंबर 2014 को पारित अंतरिम आदेश के बावजूद हुसैनगंज इलाके में एक अपार्टमेंट व एक अवैध होटल का निर्माण कर लिया गया। जबकि उक्त निर्माण के सम्बंध में एलडीए द्वारा कोई नक्शा नहीं पास किया गया है। पीठ ने यह भी पाया था कि वर्ष 2014 में दाखिल इस जनहित याचिका पर अब तक एलडीए द्वारा कोई जवाब नहीं दाखिल किया गया। पीठ के सख्त रुख को देखते हुए एलडीए की ओर से लघु जवाबी शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया। साथ ही एलडीए के वकील ने फाइल के गायब होने की बात बताई। पीठ ने इस पर उक्त आदेश देने के साथ ही एलडीए से पूछा है कि वह जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करने जा रहा है, भले ही वे सेवानिवृत्त हो चुके हों।

सिन्धी-पंजाबी समाज से राजनाथ सिंह के समर्थन में मतदान करने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सिंधु सभा और भारतीय पंजाबी समाज के पदाधिकारियों ने अपने अपने समाज से सांसद प्रत्याशी राजनाथ सिंह के समर्थन में मतदान करने की अपील की है।

सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, चेयरमैन श्याम कृषनानी, महामंत्री संजय जसवानी, सुरेश चबलानी, पुनीत लाल चंदानी,दीपक लोंगानी, मन्नू तेजवानी मोहित जसवानी सहित मेला कमेटी के अध्यक्ष रतन मेघानी, सिंधु नगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष अशोक चांदवानी , नीरज राज्यपाल दिनेश राय चंदानी, इंद्रा नगर पंचायत के हंसराज राज्यपाल, दीपक लालवानी साहित सभी ने संयुक्त रूप से कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते 10 सालों में बहुत से कार्य किए हैं। लखनऊ में बड़ी तादाद में पुलों के निर्माण होने से रास्ते सुगम बने। उन्होंने देश की सुरक्षा के साथ साथ लखनऊ को अपने परिवार की तरह प्यार और सम्मान दिया। पिछले 10 सालों में लखनऊ में सड़कें, एयरपोर्ट, पुल का निर्माण, पार्कों में जिम लगवाए और सबसे बड़ा काम उन्होंने गृह मंत्री बनते ही बटवारे के बाद पकिस्तान से आय हुए सिंधियों को नागरिकता दिलवाई। इसके अलावा झूले लाल वाटिका में स्वागत द्वार व भगवान झूलेलाल की प्रतिमा स्थापित किए जाने के आदेश करवाने में सिंधी समाज का सहयोग किया। सिंधु सभा के पदाधिकारियों ने राजनाथ सिंह को अपना समर्थन देते हुए लखनऊ के पूरे सिंधी समाज से अपील कि है की 20 मई को रिकॉर्ड मतदान करके उन्हें 5 लाख वोटो से जीत भी दिलवाएं। इसके साथ ही भारती पंजाबी समाज के अध्यक्ष अनिल बजाज, सुनील कालरा, अमित तलवार, पप्पू डिंगरा, रोमी सिंह, सुदीप दुबे, पप्पू ग्रोवर, दीपक अरोड़ा सहित सभी ने लखनऊ से राजनाथ सिंह को भारी बहुमत से जीत दिलवाने की अपने समाज से अपील की है। दोनो ही संगठन के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, अनिल बजाज, श्याम कृषनानी ने यह भी कहा कि सिंधी और पंजाबी समाज लखनऊ में पिछले 15 दिनो से संयुक्त प्रयास कर रहा है की दोनों समाज 20 मई को अपने-अपने परिवार और कर्मचारियों के साथ मतदान करें। जिससे लखनऊ में पिछली बार के मुकाबले रिकॉर्ड मतदान हो सके।

बीजेपी प्रत्याशियों को जिताने के लिए व्यापारियों ने की पदयात्रा व नुक्कड़ सभा

लखनऊ। भारतीय उद्योग किसान व्यापार मंडल (पंजी.) एवं साप्ताहिक बाजार दुकानदार समिति ने सयुक्त रूप से भारतीय जनता पार्टी के लखनऊ लोकसभा प्रत्याशी राजनाथ सिंह एवं पूर्वी विधानसभा के प्रत्याशी ओमप्रकाश श्रीवास्तव को भारी मतों से जिताने के लिऐ महानगर बाजार में पदयात्रा और नुक्कड़ की। भारतीय उद्योग किसान उद्योग किसान व्यापार मंडल (पंजी.)के प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा नेता अजय त्रिपाठी (मुन्ना), संगठन के राष्ट्रीयय अध्यक्ष रितेश गुप्ता, साप्ताहिक बाजार दुकान कल्याण समिति के अध्यक्ष वसीम खान, महामंत्री नदीम अहमद के नेतृत्व मे महानगर क्षेत्र मे दुकानदारों और क्षेत्रीय जनता के बीच पदयात्रा निकाली गई। इसके पश्चात नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या मे क्षेत्रीय व्यापारी शामिल हुए। व्यापारियों ने अबकी बार चार सौ पार, फिर एक बार मोदी सरकार। लखनऊ बोले, पांच लाख पार। लखनऊ का सांसद कैसा हो, राजनाथ सिंह जैसा हो, के नारे लगाए। चन्द्रशेखर आजाद पार्क मे आयोजित इस नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए भारतीय उधोग किसान व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने कहा की राजनाथ सिंह ने लखनऊ मे बहुत से विकास के कार्य कराए हैं। लखनऊ का पूरे देश मे सम्मान बढ़ा है। राजनाथ सिंह के दरवाजे लखनऊ शहर की जनता के लिए हमेशा खुले रहते हैं। राजनाथ सिंह ने सदैव उद्यमी और व्यापारी का हर काम प्राथमिकता के आधार पर किया है।

सामाजिक कार्यों में योगदान दें संबद्ध संस्थान: एकेटीयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से संबद्ध संस्थानों को नैक में अच्छी ग्रेडिंग दिलाने के लिए आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन मार्गदर्शन कार्यशाला का तीसरे दिन बुधवार को समापन हो गया। अंतिम दिन वाराणसी जोन के संस्थानों ने कार्यशाला में हिस्सा लिया। कुलपति प्रो जेपी पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञों ने नैक में अच्छी ग्रेडिंग पाने के लिए विस्तार से अपने अनुभव साझा किया। सेल्फ स्टडी रिपोर्ट सहित सातों क्राइटेरिया के बारे में समग्र जानकारी दी गयी। जिससे कि संस्थानों को नैक में आवेदन करने में आसानी हो सके। अंतिम दिन बतौर विशेषज्ञ एमएमएमयूटी गोरखपुर के प्रो वीएल गोले ने सातो क्राइटेरिया के बारे में जानकारी दी। कहा कि कॉलेज नैक एक्रिडेशन के पहले ऐसे आईडी बना सकते हैं। अच्छी ग्रेडिंग के लिए हर क्राइटेरिया महत्वपूर्ण है। साथ ही एसएसआर यानि सेल्फ स्टडी रिपोर्ट पर भी गंभीरता से कार्य करने की जरूरत होती है। इस क्रम में एचबीटीयू कानपुर की प्रो वंदना कौशिक दीक्षित ने नैक के लिए विशिष्टता और बेस्ट प्रैक्टिसेस पर प्रकाश डाला। बताया कि संस्थानों को शिक्षा के अलावा सामाजिक कार्य भी करने चाहिए। महिलाओं को सशक्त बनाने वाले कार्यक्रम कराया जा सकता है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा को बढ़ावा देने में संस्थान अपना योगदान दे सकते हैं। इसके लिए महिला अध्ययन केंद्र स्थापित किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जा सकते हैं। टीबी मरीजों को गोद लिया जा सकता है। साथ ही खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करायी जा सकती हैं। इन सबसे नैक में काफी फायदा मिलता है। धन्यवाद आईक्यूएसी एकेटीयू की डायरेक्टर प्रो वंदना सहगल ने दिया।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) — **Indian Bank** (A Govt. of India Undertaking)
इलाहाबाद — ALLAHABAD

मण्डलीय कार्यालय लखनऊः न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोनः 0522-2286272, 2287283, फैक्सः 0522-2288033, ई-मेलः zolucknow@indianbank.co.in

मेसर्स शिवा इंटरप्राइजेज (प्रोप-श्री सिद्दार्थ गर्ग)	सिंघला रेजीडेंसी शॉप नंबर 819 मुहेरा सफेदाबाद, लखनऊ-225003
श्री सिद्धार्थ गर्ग (प्रोपराइटर)	11, प्रेसीडेंसी एन्क्लेव, शिवपुरी कॉलोनी, पिकनिक स्पॉट रोड, फरीदीनगर, लखनऊ-226015

मण्डलीय कार्यालय लखनऊ के तहत विकास भवन शाखा के मेसर्स शिव इंटरप्राइजेज को विलफुल डिफॉल्टर के अनुसार कारण बताओ नोटिस

उधारकर्ता के अनुरोध पर, बैंक ने अपनी विकास भवन शाखा के माध्यम से मेसर्स शिवा इंटरप्राइजेज को शटरिंग कार्य के लिए रू. 0.37, जहां पहला उधारकर्ता फर्म है और दूसरा प्रोपराइटर है और दस्तावेज/समझौते निष्पादित किए गए हैं।
उधारकर्ता ने मंजूरी की शर्तों के अनुसार बैंक को अपने भुगतान/पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है। हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, उधारकर्ता जानबूझकर खाते को नियमित करने में विफल रहा है और अंततः आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार उपरोक्त खातों को 28.11.2018 दिनांक 29.06.2018 से प्रभावी को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
बैंक ने खाते के संचालन और मंजूरी के नियमों और शर्तों का अनुपालन न करने में कई कदाचार देखे हैं और अधिक विशेष रूप से रेखांकित किए गए जो विलफुल डिफॉल्टर करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहियों में से हैं।

विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषणा करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहीयों में से इकाई/कम्पनी, जो है/हो की कार्यवाही	कारण और सबूत जो इकाई/कम्पनी की कार्यवाही को साबित करते हैं और विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषित किए जाने के औचित्य का भी समर्थन करते हैं।
खंड 2.1.3(सी) – निधियों की निकासीः इकाई ने ऋणदाता को अपने भुगतान/ पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है और धन की हेराफेरी की है, जिससे धन का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए नहीं किया गया है जिसके लिए वित्त का लाभ उठाया गया था, और न ही इकाई का अन्य परिसंपत्तियों का फॉर्म में धन उपलब्ध है।	मेसर्स शिवा इंटरप्राइजेज को दिनांक 02.11.2013 को एबी ट्रेड में शटरिंग/लकड़ी/बांस/प्लाई की दुकान के लिए 37.50 लाख रुपये का सावधि ऋण स्वीकृत किया गया था। उधारकर्ता श्री सिद्धार्थ गर्ग (प्रोपराइटर) द्वारा धनराशि का गलत उपयोग किया गया। उन्होंने वितरित राशि के लिए चालान/बिल प्रस्तुत किए लेकिन सामग्री के किसी विनिर्देश के बिना आपूर्ति की गई। दिए गए पते पर आपूर्तिकर्ता के पास जाने के दौरान कोई दुकान नहीं मिली लेकिन यह एक आवासीय घर था। ऋणकर्ता द्वारा प्रस्तुत कार्य आदेश फर्जी पाया गया। गिरवी रखी गई संपत्ति का पता नहीं चल पा रहा है। उधारकर्ता द्वारा धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात है, जिसने डेवलपर श्री संजय सिंह सिंगला के साथ मिलकर एक अज्ञात संपत्ति को गिरवी रख दिया और ऋण प्राप्त करने के लिए झूठे कागजात जमा किए।

उधारकर्ता और प्रोपराइटर की ओर से जानबूझकर चूक के उपरोक्त साक्ष्य की जांच कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता वाली बैंक की जानबूझकर चूककर्ता स्क्रीनिंग समिति द्वारा की गई है। समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि विलफुल डिफॉल्ट की एक घटना घटी है।
ध्यान दें कि आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उपरोक्त कारणों से बैंक द्वारा उधारकर्ता एवं प्रोपराइटर का नाम जानबूझकर डिफॉल्टर घोषित करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
यदि आप चाहें, तो आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर बैंक को इस संबंध में एक अभ्यावेदन/प्रस्तुति दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप चाहें तो व्यक्तिगत सुनवाई भी दी जा सकती है। कृपया ध्यान दें कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर उक्त व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई प्रतिनिधित्व और/या कोई अनुरोध प्राप्त नहीं होता है या बैंक आपके द्वारा किए गए प्रतिनिधित्व/प्रस्तुति से संतुष्ट नहीं है, तो बैंक घोषित करने के अपने निर्णय के साथ आगे बढ़ेगा। उधारकर्ता एवं प्रोपराइटर का नाम जानबूझकर विलफुल डिफॉल्टर के रूप में बताएंगी और आरबीआई, सीआईबीआईएल और अन्य क्रेडिट सूचना कंपनियां को भी सूचित करेगा और उचित कानूनी कार्रवाई भी करेगा।

दिनांकः 16.05.2024 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इण्डियन बैंक

एलयू व डीएमएसआरडीई के बीच हुआ एमओयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ और डॉ. मयंक द्विवेदी, निदेशक, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने संयुक्त रूप से बुधवार को एक अकादमिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का समन्वय लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था।

लखनऊ विश्वविद्यालय और डीएमएसआरडीई, कानपुर के बीच इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य देश और समाज के लाभ के लिए वैज्ञानिक ज्ञान में उन्नति प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम को बढ़ावा देना है। यह लखनऊ विश्वविद्यालय और डीएमएसआरडीई, कानपुर के लिए सहयोगात्मक प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधा के लिए उद्देश्यों और शक्तियों की संपूरकता के आधार पर सहक्रियात्मक रूप से काम करने का एक अवसर होगा। यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशिक्षण में कई पारस्परिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करेगा जैसे कि अनुसंधान, वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्रियों का आदान-प्रदान, पारस्परिक हित के विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम, संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम, इंटर्नशिप, प्रशिक्षण, लघु शोध प्रबंध कार्यक्रम, इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा साझा करना। इस मौके पर डीएमएसआरडीई, कानपुर की ओर से डॉ. अमित सरैया, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रमुख, टीसी एवं एचआरडी, डीएमएसआरडीई, कानपुर तथा विश्वविद्यालय की ओर से प्रोफेसर अनिल मिश्रा, विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय थे। डीन एकेडमिक सेल प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने इस समझौते का निष्पादन किया। लखनऊ में स्थित डीएमएसआरडीई, कानपुर की एक सहयोगी प्रयोगशाला, रक्षा प्रौद्योगिकी और परीक्षण केंद्र में वैज्ञानिक-एफ डॉ. आशीष दुबे भी उपस्थित थे। एमओयू का समन्वयन लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. नीरज कुमार मिश्रा द्वारा किया गया।

एसएए वर्ल्ड बेस्ट वैल्यू यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में एलयू शीर्ष 10 फीसद में शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए प्रतिष्ठित स्टडी अब्रॉड एड (एसएए) वर्ल्ड बेस्ट वैल्यू यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में शीर्ष 10 फीसद में अपना स्थान घोषित किया है। इस रैंकिंग में 69 देशों के विश्वविद्यालय शामिल हैं। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के दुनिया के अग्रणी डेटाबेस के रूप में, स्टडी एब्रॉड एड ने दुनिया भर के सभी विश्वविद्यालयों को दो मैट्रिक्स के आधार पर रैंकिंग की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करने के लिए विश्व स्तर पर शीर्ष संस्थानों में से एक के रूप में पहचाने जाने पर हमें खुशी है। यह उपलब्धि एक सहायक और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए हमारे अटूट समर्पण का प्रमाण है जो छात्रों को अकादमिक और व्यक्तिगत रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) — **Indian Bank** (A Govt. of India Undertaking)
इलाहाबाद — ALLAHABAD

मण्डलीय कार्यालय लखनऊः न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोनः 0522-2286272, 2287283, फैक्सः 0522-2288033, ई-मेलः zolucknow@indianbank.co.in

श्री अनंत कुमार उर्फ अनंत कुमार वर्मा (ऋणी)	पुत्र शिव शंकर वर्मा, एम-1/29, सेक्टर-बी, अलीगंज, लखनऊ-226024
श्रीमती सीमा वर्मा (जमानतकर्ता)	पत्नी श्री अनंत राम, एम-1/29, सेक्टर-बी, अलीगंज, लखनऊ-226024
श्री अनिल कुमार उर्फ अनिल कुमार वर्मा (जमानतकर्ता)	पुत्र शिव शंकर वर्मा, ग्राम व पोस्ट-मानपुर, बाराबंकी-225121
मो. अब्दुल्ला (जमानतकर्ता)	पुत्र ताहिर अली, नया, ओबरी, तहसील-नवाबगंज, बाराबंकी-225003

मण्डलीय कार्यालय लखनऊ के तहत एसटीसी लखनऊ शाखा के अनंत कुमार उर्फ अनंत कुमार वर्मा पुत्र स्व० श्री शिव शंकर वर्मा को विलफुल डिफॉल्टर के अनुसार कारण बताओं नोटिस

उधारकर्ता के अनुरोध पर, बैंक ने अपनी एसटीसी लखनऊ शाखा के माध्यम से श्री अनंत कुमार उर्फ अनंत कुमार वर्मा पुत्र स्व0 श्री शिव शंकर को डायरी फार्म शुरू करने के लिए रू. 0.90 करोड़ रुपये, जहां पहला उधारकर्ता है और दूसरा, तीसरा और चौथा जमानतकर्ता है और दस्तावेज/समझौते निष्पादित किया गया है।
उधारकर्ता ने मंजूरी की शर्तों के अनुसार बैंक को अपने भुगतान/पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है। हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, उधारकर्ता जानबूझकर खाते को नियमित करने में विफल रहा है और अंततः आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार उपरोक्त खातों को 26.04.2019 दिनांक 26.04.2017 से प्रभावी को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
बैंक ने खाते के संचालन और मंजूरी के नियमों और शर्तों का अनुपालन न करने में कई कदाचार देखे हैं और अधिक विशेष रूप से रेखांकित किए गए जो विलफुल डिफॉल्टर करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहियों में से हैं।

विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषणा करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित चार कार्यवाहीयों में से इकाई/कम्पनी, जो है/हो की कार्यवाही	कारण और सबूत जो इकाई/कम्पनी की कार्यवाही को साबित करते हैं और विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषित किए जाने के औचित्य का भी समर्थन करते हैं।
खंड 2.1.3(ए) – भुगतान करने की क्षमता लेकिन भुगतान करने को तैयार नहींः इकाई ने ऋणदाता को अपने भुगतान/पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है, भले ही उसके पास उक्त दायित्वों को पूरा करने की क्षमता हो।	उधारकर्ता एवं जमानतकर्ता की संयुक्त शुद्ध मूल्य दिनांक 31.03.2015 को रु. 9.91 करोड़ थी। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि पर्याप्त शुद्ध मूल्य होने के बावजूद, उधारकर्ता/जमानतकर्ता ने स्वेच्छा से बैंक का बकाया नहीं चुकाया है।
खंड 2.1.3(सी) – निधियों की निकासीः इकाई ने ऋणदाता को अपने भुगतान/ पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है और धन की हेराफेरी की है, जिससे धन का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए नहीं किया गया है जिसके लिए वित्त का लाभ उठाया गया था, और न ही इकाई का अन्य परिसंपत्तियों का फॉर्म में धन उपलब्ध है।	व्यावसायिक डेयरी स्थापित करने के लिए श्री अनंत कुमार को दिनांक 31.03.2015 को 90.38 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया था। प्रारंभिक संवितरण के बाद, उधारकर्ता ने डेयरी परियोजना के लिए सिविल कार्य किया और काम करना शुरू कर दिया। लेकिन कुछ समय बाद इकाई विफल हो गई और उधारकर्ता द्वारा बंद कर दी गई और वर्तमान पशुधन का निपटान कर दिया गया, लेकिन खाते में बिक्री आय जमा नहीं की गई। इसलिए, शाखा ने आगे वितरण रोक दिया है।

उधारकर्ता और जमानतकर्ता की ओर से जानबूझकर चूक के उपरोक्त साक्ष्य की जांच कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता वाली बैंक की जानबूझकर चूककर्ता स्क्रीनिंग समिति द्वारा की गई है। समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि विलफुल डिफॉल्ट की एक घटना घटी है।
ध्यान दें कि आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उधारकर्ता श्री अनंत कुमार उर्फ अनंत कुमार वर्मा और जमानतकर्ता श्रीमती सीमा वर्मा, श्री अनिल कुमार उर्फ अनिल कुमार वर्मा, मो. अब्दुल्ला को उपरोक्त कारणों से बैंक द्वारा जानबूझकर डिफॉल्टर घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया है।
यदि आप चाहें, तो आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर बैंक को इस संबंध में एक अभ्यावेदन/प्रस्तुति दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप चाहें तो व्यक्तिगत सुनवाई भी दी जा सकती है। कृपया ध्यान दें कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर उक्त व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई प्रतिनिधित्व और/या कोई अनुरोध प्राप्त नहीं होता है या बैंक आपके द्वारा किए गए प्रतिनिधित्व/प्रस्तुति से संतुष्ट नहीं है, तो बैंक घोषित करने के अपने निर्णय के साथ आगे बढ़ेगा। उधारकर्ता एवं जमानतकर्ता का नाम जानबूझकर विलफुल डिफॉल्टर के रूप में बताएंगी और आरबीआई, सीआईबीआईएल और अन्य क्रेडिट सूचना कंपनियां को भी सूचित करेगा और उचित कानूनी कार्रवाई भी करेगा।

दिनांकः 16.05.2024 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इण्डियन बैंक

अफसरों की फटकार पर जानलेवा हादसे का संकट टला ,लोगों ने ली राहत की सांस

खबर का असर

मोहनलालगंज। अफसरों की फटकार के बाद मोहनलालगंज में जुगाड़ के सहारे दी जा रही सप्लाई की शिकायत दूर कर दी गई है। निगोहां में एबीसी टूट पोल से नए पोल में शिफ्ट कर दी गई है। जबकि पूरनपुर में एचटी लाइन से लटकाई गई ईंट हटवाकर ढीले तारों को दुरुस्त करा दिया गया है। जिसके बाद लोगों के सिर पर मंडरा रहा हादसे का संकट टल गया है। मोहनलालगंज के निगोहां सबस्टेशन अन्तर्गत रतनपुर पंचायत भवन के बगल हरे पेड़ पर टिके टूटे पोल के जरिए एबीसी से ग्रामीणों को सप्लाई दी जा रही थी। जबकि पूरनपुर सबस्टेशन अन्तर्गत गंगा खेड़ा रोड पर एचटी लाइन के तारों को दूर दूर रखने के लिए दो ईंट लटका रखी गई थी। पायनियर में दोनों मामलों को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद खबर का संज्ञान लेकर अफसरों ने मातहतों को फटकार लगाई। जिसके बाद निगोहां सबस्टेशन से टीम भेजकर टूटे पोल से एबीसी लाइन नए पोल पर शिफ्ट करा दी गई। वहीं पूरनपुर सबस्टेशन से जेई अशोक राव की अगुवाई में विद्युत विभाग की टीम ने गंगा खेड़ा रोड पर 11 केवी लाइन से लटकाई गई दोनों ईंट हटवा दी। यही नही टीम ने पोल पर अतिरिक्त इन्सुलेटर लगाकर ढीले तारों को भी दुरुस्त कर दिया। जिसके बाद हादसे की आशंका को लेकर परेशान लोगों ने राहत की सांस ली है।

मतदान केन्द्रों पर जरुरी सुविधाओं को लेकर एसडीएम सख्त, दी चेतावनी

मोहनलालगंज। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान तिथि बेहद नजदीक होने के बावजूद मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के कुछ मतदान केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाएं अब तक मयस्सर नही हो सकी हैं। जिसे लेकर बुधवार को सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट की मीटिंग के बाद एसडीएम ने जिम्मेदार विभागों को कड़ी फटकार लगाई है। एसडीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को कड़ा पत्र भी भेजा है। मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के 399 पोलिंग बूथ में से कुछ बूथों पर अभी भी पेयजल वायरिंग बिजली कनेक्शन व टायलेट की मरम्मत और साफ सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं अब तक मुहैया नही कराई जा सकी हैं। मतदान तिथि 20 मई में महज पांच दिन शेष हैं ऐसे में पोलिंग पार्टियों को मतदान केन्द्रों पर परेशानी झेलनी पड़ सकती है। जिसे लेकर बुधवार को तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय और एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने तहसील सभागार में 4 जोनल और 27 सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठककर पोलिंग बूथों पर आवश्यक सुविधाओं को लेकर बिन्दुवार रिपोर्ट ली। इस दौरान बैरी मंगटइया में अधूरी पड़ी सड़क निर्माण की समस्या भी सामने आई। एसडीएम ने बताया कुछ पोलिंग बूथ पर पेयजल बिजली कनेक्शन वायरिंग टायलेट की मरम्मत व सफाई की समस्या पाई गई है। जिसे लेकर ब्लाक नगर पंचायत और विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर पत्र भी भेजा गया है। बैरी मंगटइया में निर्माणाधीन सड़क को आवागमन लायक बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग के एक्सइएन को पत्र भेजकर मौखिक निर्देश भी दिए गए हैं।

फिजिबिलिटी रिपोर्ट के लिए भटक रहे उपभोक्ता एक्सइएन से शिकायत

मोहनलालगंज। सोलर सब्सिडी योजना में पोर्टल पर फिजिबिलिटी रिपोर्ट नही लग पाने से उपभोक्ताओं को डिवीजन आफिस के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। परेशान उपभोक्ताओं ने समस्या के निराकरण के लिए एक्सइएन से शिकायत दर्ज कराई है। मोहनलालगंज के समेसी गोसाईगंज निगोहां पूरनपुर अमेठी और मोहनलालगंज सबस्टेशन अन्तर्गत सोलर सब्सिडी योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता बढ़ चढ़कर आवेदन कर रहे हैं। लेकिन पोर्टल के जरिए हो रहे आनलाइन आवेदन डिवीजन आफिस में अटक जा रहे हैं। दरअसल उपभोक्ताओं की मानें तो काफी दिनों से पोर्टल ठीक तरह से काम नही कर रहा है। जिसकी वजह से आवेदनों पर फिजिबिलिटी रिपोर्ट नही लग पा रही है। लिहाजा प्रतिदिन कई उपभोक्ता आनलाइन आवेदन कराने के बाद फिजिबिलिटी रिपोर्ट लगवाने के लिए डिवीजन आफिस के चक्कर लगा रहे हैं। पोर्टल पर फिजिबिलिटी रिपोर्ट नही लग पाने से उपभोक्ताओं के आवेदनों पर कार्रवाई नही बढ़ पा रही है। ऐसे कई उपभोक्ताओं ने एक्सइएन से मिलकर समस्या बताई है। एक्सइएन सुधीर कुमार अग्रवाल ने बताया तकरीबन 15 दिन डिवीजन का कामकाज ठप रहा। सोलर सब्सिडी योजना के आवेदनों पर फिजिबिलिटी रिपोर्ट लगाने के लिए लगातार रिपोर्ट मंगवाई जा रही है। जल्द ही उपभोक्ताओं की समस्या दूर कर दी जाएगी।

रामभक्तों व रामद्रोहियों के बीच हो रहा यह चुनावः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ जालौन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जालौन लोकसभा क्षेत्र के उरई में केंद्रीय मंत्री और भाजपा, अपना दल, राष्ट्रीय लोकदल, निषाद पार्टी, सोहेल देव राजभर पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी भानु प्रसाद वर्मा के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आज सुबह सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सुन रहा था। उन्होंने कहा कि चुनाव में दो ध्रुवीकरण हो चुके हैं। खड़गे से कहना चाहता हूं कि देश का चुनाव ध्रुवीकरण के बीच नहीं, ये चुनाव तो रामभक्तों और राम द्रोहियों के बीच में हो रहा है। एक तरफ सभी रामद्रोही खड़े हैं, रामभक्तों पर गोली चलाने वाले खड़े हैं, देश के साथ गद्दारी करने वाले और पाकिस्तान का राग अलापने वाले खड़े हैं, उन दुर्योधन और दुशासनों के खिलाफ इस महाभारत में आज मोदी भारतीय जनता पार्टी का सारथी बनकर कृष्ण की भूमिका में खड़े हैं। सीएम योगी ने कहा, रामद्रोही हमेशा पराजित हुआ है, पतन को प्राप्त हुआ है। ये जो रामद्रोही हैं, ये केवल अपने परिवार के बारे में सोचते हैं। इनको न जाति की चिंता है, न प्रदेश की चिंता है और न देश की चिंता है, इन्हें न आपकी आस्था की चिंता है, न गरीब की चिंता है, न किसान की चिंता है, न महिलाओं की चिंता है न बेटियों की चिंता है। इनको सिर्फ परिवार की चिंता है। वहीं मोदी के लिए 140 करोड़ का भारत ही उनका परिवार है।

सीएम योगी ने कहा कि हमारा जालौन डिस्ट्रिक्ट कालपी के कागज और जालौन के मटर के लिए विख्यात है। वन डिस्ट्रिक्ट और वन प्रोडक्ट के आधार पर यह दोनों चीजें आज वैश्विक मान्यता को प्राप्त कर रही हैं। जालौन बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार है। आज से दस साल पहले इसकी स्थिति क्या थी। सपा, बसपा और कांग्रेस ने बुंदेलखंड को माफिया के हवाले कर दिया था। इन्होंने इस पूरे क्षेत्र के संसाधनों को लूटा खसोटा था। इस पूरे क्षेत्र को अराजकता की ओर धकेलने का काम किया था। यहां के विकास को बाधित किया था। जिसका दुष्परिणाम था कि नौजवान पलायन कर रहा था। किसान आत्महत्या कर रहा था। बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। आज दस वर्ष में हमारा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के साथ फोर लेन की कनेक्टिविटी से जुड़ चुका है। हर घर जल की योजना जमीनी धरातल पर दिखाई दे रही है। डिफेंस कॉरिडोर में बनने वाली तोप जब भारत की सीमा पर गरजती है तो पाकिस्तानियों की पैंट गीली हो जाती है। हमारा हस्तशिल्पी जब आज काम करता है तो दुनिया में सम्मान प्राप्त करता है। अब तो बुंदेलखंड में औद्योगिक नगर बसाने जा रहे हैं। अब मेरे बुंदेलखंड के नौजवानों को यहां से बाहर पलायन करना नहीं पड़ेगा, बल्कि दुनिया आपके पास नौकरी मांगने आएगी। ये जो चमत्कार बुंदेलखंड में दिखाई दे रहा है यह मोदी का करिश्मा है। बुंदेलखंड में हाईवे बन रहे हैं, रेलवे की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। आज बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड के विकास की धुरी बन चुकी है। बुंदेलखंड के एक-एक उत्पाद को पहचान मिल रही है।

विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए सीएम ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के समय में आतंकी विस्फोट होते थे, राम भक्तों पर गोली चलती थी। मोदी जी के नेतृत्व में बदलते हुए भारत को हमने देखा है। नया भारत देश को सम्मान दे रहा है, देश को सुरक्षा दे रहा है, आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान कर रहा है। आज मोदी के शासन में पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, क्योंकि उसे पता है कि समय रहते सफाई नहीं दी तो भारत का बहादुर जवान पाकिस्तान में घुसकर उसकी ऐसी तैसी कर देगा।

पीएम मोदी ने उज्ज्वल किया युवाओं का भविष्यः डॉ. राजेश्वर

● **गौरी बाजार में निकाला मेगा रोड शो, छह दिन में सभी छह मंडलों में भव्य पदयात्रा निकाल किया कौशल किशोर के समर्थन में प्रचार**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बुधवार को सरोजनीनगर में अलग ही नजारा था, हर कोई भाजपा के रंग में रंगा नजर आ रहा था, हर तरफ से राजेश्वर सिंह और कौशल किशोर के समर्थन में नारेबाजी हो रही थी। भाजपा कार्यकर्ता जोश और उत्साह में लबरेज थे। मौका था भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा निकाली जा रही छठवें दिन की पदयात्रा का।

विधायक द्वारा मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कौशल किशोर के समर्थन में छठवें दिन की सरोजनीनगर संकल्प पदयात्रा गौरी बाजार से हाइडल चौराहे के बीच आयोजित की गयी। गौरी बाजार से शुरू हुई पदयात्रा का पूरे रास्ते में 10 से अधिक स्थानों पर कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता द्वारा स्वागत किया गया। पदयात्रा का समापन हाइडल चौराहे पर किया गया जहां बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता, भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और कौशल किशोर के पक्ष में मतदान की अपील की। युवा सशक्तिकरण के मुद्दे पर विपक्ष को घेरते हुए विधायक ने कहा कि आज हमारे युवा योगी-मोदी जी के साथ हैं। पिछली सरकारों ने युवाओं के हाथ में तमंचे थमाए थे, भाजपा ने उनके हाथों में कंप्यूटर और टेबलेट थमाया। पहले युवाओं को बम बनाने की ट्रेनिंग दी जाती थी, अब प्रदेश के युवा ब्रम्होस मिसाइल बना रहे हैं, चंद्रयान लैंड करावा रहे हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि खुद को युवा नेता कहने वाले बनारस के युवाओं को नसेड़ी कहते हैं, मोदी ने युवा शक्ति को अमृत पीढ़ी कहकर सम्मानित किया। युवा तो युवा है उसकी कोई जाति नहीं होती। विधायक ने सवाल उठाते हुए पूछा कि विपक्ष द्वार फिर क्यों एक विशेष वर्ग के ही विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देने की घोषणा क्यों की गई है। युवा अब जातिवाद, परिवारवाद से आगे बढ़ चुका है, अब युवा विकास के मुद्दों पर बात करता है। युवा शक्ति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में किये गए सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि कहा कि डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया से पीएम मोदी ने युवा शक्ति को उज्ज्वल भविष्य की गारंटी दी है। जुलाई 2015 में स्किल इंडिया मिशन के लॉन्च होने के बाद से सालाना 1 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। डॉ. सिंह ने कहा कि आज ग्रामीण बच्चों तक भी टेक्नोलॉजी की पहुंच है, 2018 और 2022 के बीच ग्रामीण भारत में स्मार्टफोन का स्वामित्व दोगुना से अधिक बढ़कर 36 फीसद से 75 फीसद तक हो गया है। किसान के 12 साल के बेटे ने टूटे मोबाइल से यूट्यूब से कोडिंग सीखकर 3 ऐप बना दिए, अब अपनी आंठवी की पढाई के साथ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस बीएससी की ऑनलाइन पढ़ाई कर रहा है। भाजपा विधायक ने आगे कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया ने नए विचारों को मंच दिया, उन्हें फंडिंग के स्रोतों से जोड़ा है।

सामंतवादी व भ्रष्टाचारी दल बौखलाए हुए हैंः केशव मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को डुमरियागंज लोकसभा तथा कौशाम्बी लोकसभा की जनसभाओं को संबोधित किया। मौर्य ने कहा कि गरीबों के हमदर्द तथा देश की प्रगति की गारंटी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। उन्होंने कहा कि सबका भला करने वाले, सबको आगे बढ़ाने वाले और सभी देशवासियों को अपना परिवार मानने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आर्थिक रूप से मजबूत कर गरीब की भलाई के लिए सरकार की योजनाओं को समर्पित किया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गरीब व पिछड़े वर्ग में पैदा हुए चाय वाले के बेटे के प्रधानमंत्री बन जाने से सभी सामंतवादी व भ्रष्टाचारी दल बौखलाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा सहित तमाम विपक्षी दल मोदी जी को प्रधानमंत्री के रूप में बर्दाश्त नही कर पा रहें है। लेकिन देश का गरीब, मजदूर, किसान मोदी जी के साथ है। मौर्य ने कहा कि गुंडे, माफिया, अपराधी, दंगाई और भ्रष्टाचारी सपा की साईकिल पर सवार है। उन्होंने जनता से संवाद करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को अभी भी सपा की गुंडागर्दी याद है। सपा सरकार का नारा, खाली प्लॉट घर हमारा। सपाई खाली प्लॉट और मकानों पर कब्जा कर लेते थे। लेकिन जैसे ही जनता ने भाजपा को सरकार बनाने का जनादेश दिया तो अब कोई गुंडा, माफिया, अपराधी किसी की जमीन या मकान पर कब्जा करने की हिम्मत नहीं कर सकता। किसी बहन बेटी को कोई परेशान नहीं कर सकता।

कांग्रेस भ्रष्टाचार की तो सपा अराजकता की जननी हैः पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बुधवार को बांसगांव लोकसभा के चिल्लूपार तथा श्रावस्ती लोकसभा के गैसड़ी में बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों को संबोधित किया। पाठक ने कहा कि कांग्रेस की जब- जब सरकार बनी, देश में भ्रष्टाचार बढ़ा। सपा पर प्रदेश में गुंडों और माफियाओं को पैदा करने का आरोप लगाया। कहा कि भाजपा ने ही सुशासन देने का काम किया है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है तो सपा अराजकता को जन्म देती है। भाजपा इन दोनों को समाप्त करती है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा सरकार में बहन, बेटियां असुरक्षित थी। प्रदेश में आए दिन दंगे होते थे। भाजपा शासन काल में माफिया या तो प्रदेश छोड़ रहे हैं या फिर गले में तख्तियां लटकाकर थाने में सरेंडर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। जिनका मुकाबला भ्रष्टाचारियों और अराजक शक्तियों से है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में मंत्री रहे कई लोग सलाखों के पीछे हैं। कांग्रेस ने घोटाले पर घोटाला कर देश को लूटने का काम किया था। मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर किया है। हर गरीब को पक्का मकान दिया गया है। घर-घर शौचालय बनवाए गए हैं। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश के जिलों की बिजली सैफई को जाती थी। आज लोगों को भरपूर बिजली बिना किसी भेदभाव के मिल रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार ने वन डिस्ट्रिक वन माफिया को बढ़ावा दिया था।

कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस मुख्यालय पर किसान नेता स्व. महेन्द्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी डा. आरपी त्रिपाठी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर दिनेश सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में जन्में महेन्द्र सिंह टिकैत किसानों के प्रमुख नेता थे। उन्होंने दिसंबर 1986 में ट्यूबवेल की बिजली दरों को बढ़ाए जाने के खिलाफ मुजफ्फरनगर के शामली से एक बड़ा आंदोलन शुरु किया और इसी आंदोलन के दौरान एक मार्च 1987 को किसानों के एक विशाल प्रदर्शन के दौरान पुलिस गोलीबारी में दो किसान और पीएसी का एक जवान मारा गया था। इस घटना के बाद टिकैत राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए। सिंह ने कहा कि टकैत किसानों के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पहचान दिया और तभी से किसानों के संगठन पूरे देश में मुखर होकर अपनी मांगों के लिए आंदोलन कर रहा है।

टिकैत की ही हैसियत थी कि उनके एक आवाह्न पर लाखों किसान भीषण जाड़ों में भी इंडिया गेट पर कई दिनों तक बैठे रहे। टिकैत को किसानों की समस्याओं/मांगों को तार्किक तरीके से चर्चा में लाने के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष अमित त्यागी, सूचना का अधिकार विभाग कांग्रेस के चेयरमैन पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, रामबरन गौतम, मो. इरशाद, समेत तमाम कांग्रेसजन शामिल रहे।

लखनऊ अब बिजनेस हब बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा हैः नीरज सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने कहा कि लखनऊ अब बिज़नेस हब बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। भाजपा सरकार में पिछले 10 वर्षों में माननीय राजनाथ सिंह जी ने देश के हर कोने से लखनऊ को इन्फ्रास्ट्रक्चर वाइज जोड़ने का काम किया है, और पहले हम दुनिया के दूसरे देशों से मिसाइल, तोप, बम, गोले, टैंक, फाइटर प्लेन लेते थे, भारत अब इन सभी में आत्मनिर्भर हो रहें है। नीरज सिंह ने यह बात बुधवार को राजधानी के एक होटल में इंडो अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स ने एसोचैम यूपी की सहभागिता से 'एक नगर का विकास एवं उन्नति एक नेता का सर्वोच्च कर्तव्य है' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम का संचालन आईएससीसी लखनऊ के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने किया। इस मौके पर नीरज सिंह ने लखनऊ में बिज़नेस को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। साथ ही सांसद राजनाथ सिंह के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने और देश में लगातार ञतीसरी बार मोदी सरकारस बनाने के लिए अपील की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा की विकास के पथ को अग्रसर होते हुए एक्सप्रेसवे, रिंग रोड, नया टर्मिनल, फ्लाइओवर, और पुराने लखनऊ का कायाकल्प का कार्य जैसे अनेक योजनाएं राजनाथ सिंह के प्रयासों से लखनऊ में संपन्न हुए हैं। आज लखनऊ व्यापार के लिए सबसे उत्तम क्षेत्र बनकर उभर रहा है, आज लखनऊ में 15 हजार करोड़ की ब्रह्मोस मिसाइल बनाने की परियोजना आ रही है तो दूसरी और पूरे लखनऊ के चारो तरफ 105 किलोमीटर का रिंगरोड भी बनकर तैयार है। यह निवेशकों के लिए निश्चित ही काम करेगा।

आपदा प्रबन्धन पर सेना के टेबल टाप अभ्यास का आयोजन आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार द्वारा 16 मई को भारतीय सेना के मध्य कमान मुख्यालय, लखनऊ में आपदा प्रबंधन पर एक व्यापक टेबल टॉप अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समस्त हितधारकों को एक साथ लाना है, जिनमें मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, प्रारंभिक चेतावनी एजेंसियां और चार आपदा प्रभावित राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। यह अभ्यास आपदाओं से उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों को कम करने में तैयारियों और सहयोग के महत्व को रेखांकित करने में सहायक सिद्ध होगा। राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के सदस्य ले. जनरल सैय्यद अता हसनैन पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएएसएम, एसएम, वीएसएम और बार (सेनि) ने बुधवार को पिकप भवन में एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास के आयोजन से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध प्रौद्योगिकियों पर चर्चा करने एवं आपातकालीन स्थितियों में मुख्य आपदा प्रबंधकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ले. जनरल योगेन्द्र डिमरी ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण आपदाओं के बदलते स्वरूप, आवृत्ति, परिमाण के आलोक में आपदाओं के शमन और त्वरित प्रतिक्रिया करने वाले कर्मियों के क्षमता निर्माण के लिए हमारे प्रशिक्षण, संसाधन और तैयारी नीतियों को पुनरीक्षित किये जाने की आवश्यकता है। हाल ही में उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान और उत्तराखंड, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ राज्यों में फैली जंगल की आग इस तात्कालिकता को रेखांकित भी करती है।

वैज्ञानिक सूझबूझ के विकास के लिए प्रेक्षण कौशल के महत्व पर दें ज़ोरः सूर्यपाल गंगवार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ में आयोजित विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी 'माइंड्स एण्ड मशीन्स' के पहले दिन की शुरूआत आधुनिक तकनीकों एवं दूरदर्शी वैज्ञानिक प्रगतियों के अनावरण के साथ हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार और प्रोफेसर आलोक धवन, डायरेक्टर, सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च की मौजूदगी में हुआ था।

उद्घाटन अवसर पर प्रिंसिपल मिस पूनम कोचिट्टी ने शिक्षा पर टेक्नोलॉजी के बदलावकारी प्रभाव पर विचार प्रस्तुत किए और इस बात पर रोशनी डाली कि आज के दौर में शिक्षा के प्रसार के तरीके में किस तरह बदलाव लाए जाने चाहिए। सूर्य पाल गंगवार ने वैज्ञानिक सूझबूझ के विकास के लिए प्रेक्षण कौशल के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में हिस्सा लिया तथा वैज्ञानिक अवधारणाओं जैसे इनर्शिया, एंट्रोपी, पोटेंशियल एनर्जी जैसे विषयों और वास्तविक जीवन में इनके प्रभावों एवं अनुशासन के महत्व पर रोशनी डाली। अतिथि प्रोफेसर आलोक धवन ने उत्सुकता और बौद्धिक स्वतन्त्रता के महत्व पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बेहतर वैज्ञानिक बनने के लिए विचारों की स्वतन्त्रता एवं जांच के महत्व पर ज़ोर दिया। उद्घाटन समारोह का समापन एक मनमोहक परफोर्मेन्स 'रेडियोएक्टिव' के साथ हुआ, जिसमें आज के दौर में तकनीकी क्षमता पर विचार प्रस्तुत किए गए।

दिग्गज नेताओं की कर्मभूमि पर तीसरी बार भगवा लहराने को बेताब, विपक्ष लगा रहा पेंच

● **इलाहाबाद व फूलपुर में मुकाबला रोचक, विपक्ष भी सीट पर कब्जा करने की तैयारी में**

सतीश सिंह। लखनऊ

दिग्गज नेताओं में शुमार देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री, विश्वनाथ प्रताप सिंह, हेमवती नंदन बहुगुणा, मुरली मनोहर जोशी, जनेश्वर मिश्र और सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की कर्मभूमि रही इलाहाबाद व फूलपुर संसदीय सीट पर इस बार रोचक मुकाबला है। भाजपा इन दोनों सीटों पर लगातार तीसरी बार जहां भगवा लहराने को बेताब है, वहीं सपा और बसपा जातीय समीकरण के सहारे हैट्रिक को रोकने के लिए अपने-अपने दांव आजमा रहे हैं।

इलाहाबाद संसदीय सीट

प्रदेश की हाई प्रोफाइल लोकसभा सीटों में इलाहाबाद सीट का नाम भी आता है। इस सीट पर देश भर की निगाहें रहती हैं। भाजपा ने यहां से वर्तमान सांसद रीता बहुगुणा जोशी की जगह नीरज त्रिपाठी को मैदान में उतारा है। जबकि गठबंधन के तहत कांग्रेस के टिकट पर उज्वल रमण सिंह और बसपा के टिकट पर रमेश कुमार पटेल मैदान में हैं। बसपा ने यहां पर पटेल का मैदान में उतारकर पिछड़ा वर्ग के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। जबकि कांग्रेस अपने व सपा के परंपरागत वोट बैंक के अलावा ठाकुर वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए उज्वल रमण सिंह को उतारा है। पिछले चुनावों की बात करें तो 2019 लोकसभा चुनाव में इलाहाबाद से बीजेपी की रीता बहुगुणा जोशी ने सपा के उम्मीदवार राजेंद्र सिंह पटेल हराया था। वहीं 2014 में बीजेपी के श्याम चरण गुप्ता ने सपा के रेवती रमण सिंह को शिकस्त दी थी। लेकिन इस बार के चुनाव में श्यामा चरण गुप्ता बीजेपी का दामन छोड़कर सपा में शामिल हो गए हैं। जबकि 2009 में इस सीट पर सपा की जीत हुई थी। 2011 की जनगणना के अनुसार इलाहाबाद जिले की आबादी 59,54,390 है।

1996 में मुरली मनोहर जोशी ने खोला था भाजपा का खाता

इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र में कुल पांच विधानसभा सीटें हैं। इनमें मेजा, करछना, इलाहाबाद दक्षिण, बारा और कोरांव हैं। बारा और कोरांव विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस सीट पर 1957 से 71 तक लगातार कांग्रेस जीतती रही। 1957 से 62 तक पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने इस सीट का प्रतिनिधित्व किया। 1971 में हेमवती नंदन बहुगुणा सांसद चुने गए थे। 1973 में भारतीय क्रांति दल से जनेश्वर मिश्रा उतरे और सांसद बने। इसके बाद 1984 में अमिताभ बच्चन कांग्रेस के टिकट पर यहां से सांसद बने। 1988 के उपचुनाव में वीपी सिंह ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की। इलाहाबाद सीट पर बीजेपी का पहली बार खाता 1996 में खुला था। बीजेपी के मुरली मनोहर जोशी 1996 से 1999 तक लगातार तीन बार जीत हासिल की। 2004 और 2009 में समाजवादी पार्टी के रेवती रमण सिंह जीते थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी गठबंधन को 4 सीटों पर जीत मिली थी। एक सीट सपा के खाते में गई थी। इस सीट पर ब्राह्मण मतदाता हमेशा निर्णायक रहे हैं। इसके बाद पटेल, बनिया, कायस्थ और मुस्लिम मतदाता प्रत्याशी की जीत तय करते हैं।

फूलपुर संसदीय सीट

1952, 1957 और 1962 में यहां से सांसद रहे पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहली हैट्रिक लगाई थी। फिलहाल, इस सीट पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। भाजपा ने यहां से वर्तमान सांसद केसरी देवी पटेल के स्थान पर प्रवीण पटेल को मैदान में उतारा है। जबकि सपा से अमरनाथ मौर्य और बसपा से जगन्नाथ पाल मैदान में है। पिछले लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2019 के चुनाव में फूलपुर संसदीय सीट पर बीजेपी और सपा के बीच मुख्य मुकाबला था। बीजेपी की ओर से केशरी देवी पटेल ने सपा-बसपा के साझा उम्मीदवार पंधारी यादव को शिकस्त दी थी। वहीं 2014 के चुनाव में यहां से बीजेपी के प्रत्याशी केशव प्रसाद मौर्य ने सपा के प्रत्याशी धर्मराज सिंह को हराया था। जबकि 2009 के चुनाव में बसपा के कपिलमुनि करवरिया ने सपा के श्यामाचरण गुप्ता को हराया था। पिछले ढाई दशक में हुए 11 चुनावों में 9 बार यहां पटेल-कुर्मी नेता ही जीते हैं। इस सीट पर इस बिरादरी के लगभग 3 लाख वोटर हैं। मुस्लिम, यादव और दलित भी यहां की-फैक्टर हैं, जबकि ब्राह्मणों के भी निर्णायक हैं।

नेहरू के बाद रामपूजन पटेल ने लगाई थी हैट्रिक

फूलपुर की पांच विधानसभा सीटों में इलाहाबाद उत्तर, पश्चिम, फूलपुर और फाफामऊ पर भाजपा और सोरांव पर सपा का कब्जा है। इस लोकसभा सीट पर पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद रामपूजन पटेल ऐसे नेता रहे हैं, जिन्होंने 1984, 1989 और 1991 में यहां से हैट्रिक लगाई। 1964 में नेहरू के निधन के बाद उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित फूलपुर से उतरीं और जीत दर्ज कर सांसद बनीं। पूर्व पीएम विश्वनाथ प्रताप सिंह भी यहां से चुने गए थे।

बगैर भेदभाव सभी वर्गों का रखा गया ख्यालः स्वतंत्र देव सिंह

● भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने करछना और बारा विधानसभा में किया जनसंवाद

● भाजपा सरकार में व्यापारी पूरी तरह सुरक्षितः नंदी

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के बारा विधानसभा के नारी बारी में भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी के समर्थन में बुधवार को पिछड़ा मोर्चा सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के काबीना मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा ने पिछड़ों और अति पिछड़ों के हित में अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। जिसके कारण गरीबी पर काबू पाया जा सका। साथ ही अनेक ऐसी जातियों को पिछड़ी जाति में शामिल कर आरक्षण का लाभ पहुंचाया जिन्हें आजादी के बाद आज तक कोई भी सरकार नही कर पाई।

भाजपा ही ऐसा संगठन है जिसमें बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों का ख्याल रखा जाता है और एक सामान्य सा कार्यकर्ता भी सर्वोच्च पद पर पहुंच सकता है। कोहड़ार मण्डल के करमा बाजार में आज व्यापारियों से संवाद करते हुए कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त ने कहा कि कहा भाजपा सरकार में व्यापारी पूरी तरह सुरक्षित रहकर अपना व्यापार संचालित कर रहे हैं। ऐसा व्यापार का माहौल कभी भी नही रहा। योगी के सुशासन के कारण आज प्रदेश दंगा और अपराध मुक्त हैं जिस कारण समाज का प्रत्येक वर्ग खुशहाल है। खासतौर पर व्यापारी और महिलाएं विकास की कड़ी में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ काशी विश्वनाथ कारीडोर विंध्याचल कारीडोर और अनेक एयरपोर्ट के साथ यातायात बिजली पानी स्वास्थ्य शिक्षा एवं आवास के क्षेत्र में जनहित के ऐतिहासिक कदम उठाए। आज भारत तीन ट्रिलियन डालर वाली पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनी हैं।

जल्द ही पांच ट्रिलियन डालर की शक्ति बनाकर विश्व का नेतृत्व करेगा.अयोध्या के अंतराष्ट्रीय पर्यटन स्थल होने के कारण विश्वस्तरीय पहचान ही नही बल्कि सभी तरह के व्यापारों में वृद्धि होगी। भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी त्रिपाठी ने विधानसभा करछना एवं बारा के मोहब्बतगंज धनुहा सीओडी गेट चाका मामा भांजा तालाब चक गरीब दास अमिलिया सारंगापुर चंपत पुर चौकठा उभारी बलापुर घोंघापुर नीबी भलुहा आदि क्षेत्रों में जनसंवाद किया।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस चाहें जिससे भी गठबंधन कर ले उसका खाता नही खुलने वाला। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि वह कभी हिन्दू मुसलमान के आधार पर कोई काम नही करते बल्कि बिना किसी भेदभाव के देश के एक सौ चालीस करोड़ जनता की सेवा करते हैं। कोई कुछ भी कर लें मेरे जीते जी देश का बाल बांका कोई नही कर सकता। आज देश का युवा मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले चुका है। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र में जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है।

संसदीय मीडिया प्रभारी देवेन्द्र नाथ मिश्र के मुताबिक आम जनता में नीरज त्रिपाठी की लोकप्रियता चरम पर है। वह जिधर भी जाते है वहां आम नागरिक पूरे उल्लास और उत्साह के साथ स्वागत को उमड़ पड़ती है। स्वागत करने वालों में बब्बूराम द्विवेदी रमेश द्विवेदी राजेश शुक्ल भोला तिवारी ज्ञानेश्वर शुक्ल आदि रहे।

लोकसभा चुनाव में पार्षद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः डॉ राधा मोहन दास

संवाददाता। प्रयागराज

फूलपुर एवं इलाहाबाद लोकसभा संसदीय चुनाव को संगठनात्मक धार देने प्रयागराज प्रवास पर आए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि मतदान के दिन तक पार्टी का हर कार्यकर्ता पूरी मेहनत से लगा रहे। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और अपने प्रत्याशी को जीत का सेहरा पहनाने का संकल्प लेकर हर कार्यकर्ता चुनाव मैदान में डटा रहे। खासकर पार्षदों की भूमिका चुनाव अभियान में काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय महामंत्री डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने आज फूलपुर लोकसभा के केंद्रीय चुनाव कार्यालय जार्जटाउन क्लब में पार्षदगणों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति को धार देते हुए कई बिंदुओं पर खास चर्चा चर्चा की। उन्होंने कहा कि चुनाव में पार्षद एक मजबूत कड़ी होता है। पार्षद की राजनैतिक ताकत अपने स्थानीय क्षेत्र में बहुत प्रभावी होती है। चुनाव का समय कम है और अब किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतते हुए सभी पार्षद अपने अपने क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क में लग जाएं। जहां प्रत्याशी व्यस्तता के कारण न पहुंच पाए वहां खुद प्रत्याशी बनकर वोट मांगे।

राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा की पार्षदों को प्रचार सामग्री की कमी नहीं होनी चाहिए। अपने क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां बताते हुए घर घर तक जाएं। बतौर उदाहरण पार्षदों की भूमिका की महत्ता बताते हुए डा राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि जब वे चुनाव लड़ते थे तो पार्षदों के बल पर ही जीतते थे। क्योंकि पार्षद अपने क्षेत्र से जमीनी स्तर पर वाकिफ होता है और इनका सहयोग अति महत्वपूर्ण होता है। इसलिए फूलपुर एवं इलाहाबाद दोनों लोकसभा क्षेत्रों में जीत का अंतर अधिक से अधिक हो इसके लिए पार्षद युद्ध स्तर पर लग जाएं। डा अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठ और पुराने कार्यकर्ताओं से तत्काल संपर्क कर उन्हें बूथ स्तर पर सक्रिय करने की रूपरेखा बनाई जाए। प्रयास रहे की कोई भी पुराना वरिष्ठ कार्यकर्ता चुनाव अभियान में छुटने न पाए।

बिजली विभाग की मनमानी को लेकर वकीलों ने जताया विरोध

सकलडीहा, चन्दौली। विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों रवैया को लेकर क्षेत्र के किसानों में काफी आक्रोश है। बुधवार को सकलडीहा संयुक्त् बार के अधिवक्ताओं ने एसडीओ और जेई की तानाशाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। एसडीएम को पत्रक देते हुए विभागीय अधिकारियों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग किया है। समस्या का शीघ्र समाधान नही होने पर आन्दोलन की चेतावनी दिया है। अधिवक्तओं ने आरोप लगाया कि बीते एक माह के अंदर बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण दर्जनों गांव के सैकड़ों किसानों का हजारों बीघा फसल जलकर खाक होगया। अभी तक किसानों को नुकसान हुए फसलों का मुआवजा तक नही मिला। विशुनपुरा में भी अधिवक्ता दुर्गेश सिंह सहित अन्य किसानों की बिजली की शार्ट सर्किट से चार बीघा से अधिक फसल जलकर खाक होगया था। पुन: एसडीओ और जेई द्वारा दबाब बनाकर उनके खेत से नंगी बिजली तार ले जाने का दबाब बनाया जा रहा है। इस बात को लेकर अधिवक्ताओं ने एसडीओ और जेई की मनमानी और तानाशाही के खिलाफ विरोध जताया। चेताया कि चिलचिलाती धूप और गर्मी में बिजली की मनमानी कटौती, मनमानी रिंडिंग और अवैध वसूली पर रोक नही लगाया गया तो अधिवक्ता विद्युत कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन के लिये मजबूर होंगे। अंत में एसडीओ व जेई की मनमानी को लेकर एसडीएम को पत्रक सौपा। एसडीएम अनुपम मिश्रा ने उचित कार्रवाई किये जाने का भरोशा दिया। इस मौके पर विरोध जताने वालों में डेमोक्रेटिक बार अध्यक्ष मनोज पांडेय, महामंत्री उपेन्द्र नारायण सिंह, नितिन तिवारी, अशोक यादव, जगदीश सिंह, पंकज सिंह यादव, श्रीकांत सिंह, उमाशंकर,दुर्गेश सिंह,संजय कुमार सिंह, महेन्द्र राय, अखिलेश तिवारी, आदि मौजूद रहे।

भाजपा का विधानसभा राबर्ट्सगंज का बूथ सम्मेलन हुआ संपन्न

संवाददाता। सोनभद्र

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के विधानसभा राबर्ट्सगंज का बूथ सम्मेलन चुर्क स्थित हरसेवानन्द विद्यालय के कैंपस मे सम्पन्न हुआ सम्मेलन मे बतौर मुख्यअतिथि सांसद विरेन्द्र सिंह मस्त मौजूद रहे। सम्मेलन का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्यअतिथि विरेन्द्र सिंह मस्त, नन्दलाल, अनिल सिंह, रामप्रकाश दूबे, सदर विधायक भूपेश चौबे, शीतला आचार्य, सत्यनारायण पटेल एवं एनडीए प्रत्याशी रिंकी कोल ने पुष्प अर्पित कर किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद विरेन्द्र सिंह मस्त ने कहा कि देश की जनता मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुकी हैं, हम सभी कार्यकर्ताओं को आने वाले 1 जून को हर बूथ से इतना मतदान करना है कि विधानसभा 401 राबर्ट्सगंज के हर एक कार्यकर्ता के सहयोग से एनडीए गठबंधन प्रत्याशी जब सदन मे जाये तो एक बार इनकी चर्चा जरुर हो भाजपा ने देश के गरीब किसान मजदूर व समाज के लिए अनेक कल्याणकारी योजना चलाकर उन्हे सशक्त बनाने का काम किया है।

मोदी सरकार ने देश मे जरुरतमंदों के लिए आवास, शौचालय, राशन, किसान सम्मान निधि एवं आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज देने का काम किया है आज विपक्ष हताश हो चुका है देश की जनता विपक्ष के झूठे वादों को समझ चुकी है, और मोदी की गारंटी पर जनता का पूरा भरोसा है, सांसद ने आगे कहा कि मोदी ने धारा 370 हटाई, अयोध्या मे प्रभु श्रीराम का भव्य राममंदिर का निर्माण कराकर हमको 500 सालो की गुलामी से मुक्त कराया मै आपको विश्वास दिलाता हूं कि जो काम पूरे नही है उसको चुनाव बाद पूरा किया जायेगा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। आज कई नेता उच्च पद तक पहुंचे हैं। बूथ अध्यक्ष पार्टी की रीढ़ है।

तेंदू पत्ता के साथ तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

बीजपुर, सोनभद्र। वन क्षेत्रान्तर्गत स्थित जरहां रेन्ज के ग्राम सभा महुली ,रजमिलान, सिरसोती सहित विभिन्न गांवो के जंगलों में तेंदू पत्ता की तोड़ाई चल रहा है। यूपी क्षेत्र में लगभग सौ गड्डी की कीमत 180 रुपए व छत्तीसगढ़ क्षेत्र में सौ गड्डी की कीमत लगभग पांच सौ पचास रुपए बताई जा रही है जिसके एवज में यहाँ के कुछ लोग छत्तीसगढ़ में रुख कर वहां के लोगों को अधिक रेट पर तेंदू पत्ता नगद बेचते हैं जिससे इनको अधिक मुनाफा हो जाता है। इसी के रोकथाम में जरहां वन रेंज के कर्मी कार्रवाई में जुटे हैं इसी क्रम में मंगलवार की रात मुखवीर की सूचना पर वन उपज अधिनियम के तहत अबैध रूप से बाइक से तेंदू पत्ता परिवहन करते तीन आरोपियों को पकड़ कर बरामद कर वन अधिनियम 41,42 व 5/26 के तहत नेमना निवासी राजेन्द्र पुत्र स्व0 जमुना प्रसाद लगभग 1000 गड्डी, सुदामा पुत्र रामप्रसाद लगभग 800 गड्डी व सिरसोती के टोला कोराड़ निवासी अजय पुत्र रामनन्दन पाल को लगभग 750 गड्डी के साथ गिरफ्तार किया।

सामान्य प्रेक्षक द्वारा किया गया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

सोनभद्र। लोकसभा सामान्य निर्वाचन,2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राबर्ट्सगंज संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के पर्वेक्षण हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक जया लक्ष्मी ने आज विधान सभा घोरावल व राबर्ट्सगंज के विभिन्न मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान सामान्य प्रेक्षक ने विधान सभा घोरावल के प्राथमिक विद्यालय मुसही बूथ संख्या-432, 433, विधान सभा राबर्ट्सगंज के जय ज्योति इण्टर मीडिएट कालेज चुर्क के बूथ संख्या-47, 48, 49, 50, विधान सभा घोरावल के कम्पोजिट विद्यालय रौंप बूथ संख्या-433, 435, विधान सभा राबर्ट्सगंज के राजा शारदा महेश इण्टर कालेज राबर्ट्सगंज के बूथ संख्या-17 से 22, आदर्श इण्टर मीडिएट कालेज राबर्ट्सगंज के बूथों व राजकीय बालिका इण्टर कालेज राबर्ट्सगंज के बूथ संख्या-30 से 35 तक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक ने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं व व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी सदर निखिल यादव से जानकारी प्राप्त की और कहा कि मतदान केन्द्रों पर मतदान कार्मिकों हेतु सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें।

जिलाधिकारी ने मतदान के लिये दिये जा रहे प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

संवाददाता। अंबेडकरनगर

जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए हो रहे पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारी प्रथम द्वितीय तृतीय का द्वितीय प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया।15 मई को दो पालियों में प्रशिक्षण कराया गया। जिसमें पोलिंग पार्टी संख्या 391 से 780 तक शामिल थे। कुल 1560 कार्मिक प्रशिक्षण हेतु बुलाए गए थे।निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय अच्छे से प्रशिक्षण ले, जिससे मतदान के समय कोई दिक्कत न हो।

ट्रेनर द्वारा मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। दो पालियों में हुए प्रशिक्षण के दौरान मतदान अधिकारियों को ईवीएम सील करने, वीवी पैट से पर्ची निकालने, सभी परपत्रो को ठीक से भरने, मॉक पोल करवाने, हर 2 घंटे पर रिपोर्टिंग करने, वीवी पैट, बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट को आपस में जोड़ने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथ उनके द्वारा यह भी कहा गया कि सभी अधिकारी गंभीरता से प्रशिक्षण ले, यदि उनके मन में किसी प्रकार का प्रश्न है तो वह नि:संकोच होकर मास्टर ट्रेनों से पूछे।प्रशिक्षण के द्वितीय दिन 3 पीठासीन अधिकारी/मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय , तृतीय अनुपस्थित पाए गए।

अनुपस्थिति कार्मिकों द्वारा आगामी तिथियां में प्रशिक्षण न करने पर आयोग के निर्देशानुसार एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। अवगत कराना है कि कार्मिकों को दो पाली में प्रशिक्षण दिया जा रहा है यह प्रशिक्षण 16,17,18 तथा 19 मई को भी दिया जाएगा।

विधायक अब्बास अंसारी को तीन दिन की अंतरिम जमानत

गाजीपुर। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को राहत देते हुए उन?हे अपने पिता के फातिहा में शामिल होने की मंजूरी दे दी है। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उनकी याद में 10 जून को फातिहा कार्यक्रम आयोजित होगा। कोर्ट ने अब्बास अंसारी को 11 और 12 जून को पुलिस हिरासत में अपने परिवार के साथ समय बिताने की भी मंजूरी दे दी है। कोर्ट के आदेश के तहत अब्बास अंसारी को 9 जून की सुबह पुलिस हिरासत में कासगंज जेल से गाजीपुर ले जाया जाएगा। अब्बास अंसारी 10 जून को प्रार्थना सभा (फातिहा) में शामिल होंगे और फिर उन?हे गाजीपुर जेल ले जाया जाएगा। 11 और 12 जून को एक तय समय तक अब्बास अंसारी अपने परिजनों से मिल सकेंगे। इस दौरान अब्बास की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी यूपी पुलिस के डीजीपी और जिला पुलिस पर होगी। 13 जून को अब्बास अंसारी को वापस कासगंज जेल लाया जाएगा।

डीएम ने पैदल मार्च कर की लोगों से मतदान करने की अपील

अंबेडकर नगर। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह द्वारा मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता, उप जिलाधिकारी अकबरपुर पवन कुमार जायसवाल, तहसीलदार अकबरपुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, डूडा समूह की महिलाए, नगर पालिका परिषद अकबरपुर कर्मचारी तथा अन्य अधिकारी, कर्मचारी के साथ विधानसभा क्षेत्र अकबरपुर के अंतर्गत पटेल नगर तिराहा से रोडवेज, तहसील तिराहा होते हुए फोब्बारा तिराहा शहजाद तक पैदल मार्च कर राहगीरों तथा दुकानदारों को मतदान करने हेतु आमंत्रण पत्र वितरण किया गया। उन्होंने वृद्ध ,युवा एवं अन्य मतदाताओ को पारंपरिक आमंत्रण दिया एव पीला अक्षत,फूल - माला, प्रसाद सहित आमंत्रण पत्र देकर लोकतंत्र के इस महायज्ञ में वोट रूपी, मतदान रूपी आहुति डालने के लिए पूरे विधि विधान से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने अनुरोध किया कि 25 मई को अधिक से अधिक संख्या में अपने बूथों पर उपस्थित होकर इस महापर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव अत्यंत आवश्यकः डा अमृता चौरसिया

प्रयागराज। युवतियों के जीवन में मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसकी जानकारी हर लड़की को होनी चाहिए लेकिन चिंता की बात है कि हमारे देश में पचास फीसदी लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं होती। जब तक कि उनका मासिक धर्म शुरू नहीं हो जाता। यह बातें ऑल इंडिया वूमेंस कॉन्फ्रेंस सिटी ब्रांच के तत्वावधान में बुधवार को जगत तारन इंटर कॉलेज में आयोजित महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अमृता चौरसिया ने कहीं। उन्होंने कहा कि आर्थिक कारण से मात्र 16 फीसदी महिलाएं सैनिटेरी नैपकिंस का प्रयोग करती हैं। व्यक्तिगत सफाई न रखने के कारण अधिकांश स्त्री रोग होते हैं। जिनमें से पेल्विक इन्फ्लामेटरी डिजीज पीआईडी प्रमुख है। हमारे देश में महिलाओं में सर्वाधिक होने वाला कैंसर सर्वाइकल कैंसर है। प्रारंभिक अवस्था में इसका पता चलने से नब्बे फ़ीसदी महिलाओं को ठीक किया जा सकता है। ह्यूमन पेपिलोमा वायरस के कारण सर्वाइकल कैंसर होता है। इससे बचाव के लिए अब एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध है। जो सौ फीसदी कारगर है। डॉ चौरसिया ने छात्राओं द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर दिए और उनकी मिथ्या धारणा दूर की। शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। जगत तारन इंटर कॉलेज की प्राचार्या नंदिनी तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया।

शिक्षा के क्षेत्र में सफलता का लहराया परचम

● गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षण संस्थानो का योगदान सराहनीय

संवाददाता। गाजीपुर

शिक्षा क्षेत्र में जनपद का नाम रौशन करने वाले नौनिहालो की संख्या में लगातार इजाफा होने से शिक्षा का विकास तेजी से हुआ है। गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षण संस्थानो का योगदान काफी सराहनीय रहा है। चाहे वो यूपी बोर्ड या सीबीएसई बोर्ड या आईसीएससी बोर्ड सभी बोर्ड से मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानो से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में एक नई प्रतिशपर्धा को जन्म दिया है। इस प्रतिशपर्धा का परिणाम रहा है कि जनपद से शिक्षा प्राप्त करनें वाले छात्र-छात्रा अब विगत वर्षो में देश की सर्वोच्च सेवा प्रदान करने वाले संस्थान यूपीएससी की परीक्षाओं में भी अपना परचम लहराने लगा है।

जवाहर नवोदय विद्यालय, लुदर्स कान्वेन्ट, शाहफैज पब्लिक स्कूल, सनबीम स्कूल, जी माउण्ट लिटरा, केन्द्रीय विद्यालय, एमजेआरपी स्कूल, तुलिका पब्लिक स्कूल, रेनबो मार्डन पब्लिक स्कूल, वेद इन्टरनेशनल स्कूल, माधव सीनियर सेकेण्डरी विद्यालय, आर्दश इण्टर कालेज, राजकीय सिटी इण्टर कालेज व एमएच इण्टर कालेज, बापू इण्टर कालेज, जालान्स स्कूल, एसकेबीएम इण्टर कालेज, मदन मोहन मालवीय इण्टर कालेज के नर्सरी मे रोपे गये पौधे बड़े वृक्ष होकर देश व समाज में अपने शिक्षा का लोहा मंनवा रहे है।

इन शिक्षण संस्थानो से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की बड़ी खेप बीएचयू, जेएनयू, डीयू, एयू, एम्स, आईआईटी, इसरो जैसे अनुसंधान केन्द्रो व उच्च शिक्षण संस्थानो में अपने शिक्षा गुणवत्ता के बल पर लोहा मनवा रहे है, जिसमें गुदड़ी के लाल 2024 बैच के आईपीएस अभिजीत पाण्डेय के पिता विश्वनाथ पाण्डेय ने बताया कि हमने बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए बहुत सघर्ष किया है और बच्चो को इसका एहसास नही होने दिया है।

बच्चो को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए अभिभावको को तपस्या करनी पड़ती है जब कही जाकर गुदड़ी के लाल, लाल बहादुर शास्त्री जैसा सपूत का निर्माण होता है जो देश व राष्ट में उच्च कीर्तिमान स्थापित करता है। इनका संघर्ष काल के साथी रहे कलेक्ट्रेट के कर्मचारी अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि इनके संघर्षो के दौर को हमने देखा है कभी हार नही माने है।

इस उपलब्धियों पर माधव विद्यालय के प्राचार्य अखिलेश मिश्रा ने विद्यालय में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा शिवानी व विशाखा का मुह मिठा कराते हुए बताया कि यह विद्यार्थियो के लिए संघर्ष काल है, विद्यालयो में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नये नये तरीके अपनाये जा रहे है, विद्यालयो में मूलव्यवस्था में परिवर्तन किया जा रहा है।

एक बार प्रतिमान स्थापित हो जाता है तो वह निरन्तर बना रहता है। जनपद का इतिहास बहुत ही स्वर्णिम रहा है जहा बड़े बड़े ज्ञानी ऋषि मुनियो की तपोस्थली रही है। जिसमें ऋषि जमदग्नि, विश्वामित्र, परशुराम, पावहारी बाबा, कण्व ऋषि, मौनी बाबा, राजा गांधि, हथियाराम मठ, भुड़कुड़ा मठ, सैदपुर भीतरी के स्कन्ध गुप्त के अवशेष, मौर्य कालीन लटिया स्तूप इसके प्रमाणिक साक्ष्य हैं।

मूल्यांकन के दौरान कुल 25 में से 11 प्रत्याशियों के नामांकन वैध

गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन- 2024 हेतु नामांकन के दौरान 25 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया था जिसमे बुधवार 15 मई को सामान्य प्रेक्षक एवं जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी के द्वारा स्कूटनी के दौरान कुल 11 प्रत्याशियों का नामांकन वैध पाया गया। जिसमें 03 प्रत्याशी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनैतिक दलो के अभ्यर्थी है जिसमें समाजवादी पार्टी से अफजाल अंसारी पुत्र सुबहानुल्लाह अंसारी, बहुजन समाज पार्टी से उमेश कुमार सिंह पुत्र विन्ध्याचल सिंह, भारतीय जनता पार्टी से पारस नाथ राय पुत्र उमाकान्त राय है। 08 प्रत्याशी रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक दलों के अभ्यर्थी (मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनैतिक दलो से भिन्न) जिसमें विश्व कल्याण राष्ट्रीय समाज पार्टी से अजय, युग तुलसी पार्टी से आदित्य श्रीवास्तव, भारतीय लोकवाणी पार्टी से धनंजय कुमार तिवारी पुत्र कृष्णानन्द तिवारी, जन जनवादी पार्टी से रामचरन पुत्र रामराज एवं मौलिक अधिकार पार्टी से रामप्रेवश पुत्र रामकरन तथा अन्य 3 निर्दल प्रत्याशियों में नुसरत अंसारी पुत्र अफजाल अंसारी, सत्यदेव यादव पुत्र भीमल यादव एवं ज्ञानचन्द बिन्द पुत्र बल्ली का नामांकन पत्र स्कूटनी के दौरान वैध रहा।

भाजपा किसान मोर्चा द्वारा किसान अन्नदाता सम्मेलन का आयोजन

मीरज़ापुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मीरजापुर द्वारा मड़िहान विधानसभा के अदलहाट मंडल के गुरू कार्षिण महाविद्यालय कासेहर दौलताबाद में किसान अन्नदाता सम्मेलन का आयोजन जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा दिनेश सिंह जी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती दर्शना सिंह जी ने उपस्थित किसान अन्नदाता को सम्बोधित करते हुए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के पहले और 2014 के बाद किसानों के समस्या के समाधान और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए किए गए कार्यों को बताया। पश्चात् उपस्थित किसानों से दिनांक 1 जून को जनपद में होने वाले लोकसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी श्रीमती अनुप्रिया पटेल को भारी से भारी मतों से जिताने हेतु आह्वान किया। अन्नदाता किसान सम्मेलन को भाजपा जिलाध्यक्ष मीरजापुर बृजभूषण सिंह, विधायक मड़िहान, रमाशंकर सिंह पटेल, एमएलसी श्याम नारायण सिंह ने भी सम्बोधित किया। अन्त में आये हुए सभी अतिथियों का गुरू कार्षिण महाविद्यालय के प्रबंधक संदीप सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री किसान मोर्चा नागेश्वर तिवारी ने किया।

चुनाव विमर्श

अत्यधिक गिरावट

चुनाव में प्रतिद्वंद्वी विरले ही एक-दूसरे की प्रशंसा करते हैं, लेकिन वर्तमान चुनाव विमर्श में अत्यधिक गिरावट आ गई है। यदि वर्तमान आईपीएल व लोकसभा चुनाव में ज्यादा मनोरंजक विकल्प चुनना हो तो संभवत: लोकसभा चुनाव को पहला स्थान मिलेगा। चुनाव जीतने के लिए नए-नए व्यंग्य तलाशने, ओछी टिप्पणियां करने, परिवारी सदस्यों पर भद्दे आरोप लगाने, अप्रिय अभियान चलाने तथा कीचड़ उछालने जैसे काम जारी हैं। सामान्य चुनाव की तुलना में इस चुनाव के ज्यादा आक्रामक व क्रूर होने के करण सोशल मीडिया राजनेताओं के ऐसे वीडियो से भरा है जो गली के गुंडों को भी शर्मिन्दा कर देंगे। उदाहरणार्थ, भाजपा की मंडी से उम्मीदवार कंगना रनौत को अनेक गालियां सुननी पड़ीं जिनमें से अनेक इतनी भद्दी हैं कि उनका उल्लेख तक नहीं किया जा सकता है। चिन्ताजनक बात है कि पार्टियों के 'स्टार प्रचारकों' ने भी सभ्यता को हवा में उड़ा दिया है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा विपक्षी दलों के नेताओं, खासकर कांग्रेसी नेताओं के बीच बहुत तीखी बहस हुई है। मोदी ने विपक्षी नेताओं पर 'कायर और पाकिस्तान से भयभीत' होने के आरोप लगाए हैं, जबकि कांग्रेस ने उनको 'कार्पोरेट का मुहरा' कहा है। कांग्रेस ने दुष्टतापूर्वक यह आरोप भी लगाया है कि यदि वे इस बार भी जीत गए तो भारत में फिर कोई चुनाव नहीं होंगे। इस प्रकार के वार्तालाप से न केवल गहन राजनीतिक ध्रुवीकरण रेखांकित होता है, बल्कि इससे चुनाव प्रचार के गिरते मानक भी स्पष्ट होते हैं। मोदी द्वारा लगाए आरोप भाजपा द्वारा तैयार विमर्श के अनुरूप हैं जिसके चलते वह स्वयं को राष्ट्रीय सुरक्षा की संरक्षक मानती है। ऐसी टिप्पणियां भले ही मतदाताओं के एक वर्ग को आकर्षित करें, पर वे राजनीति में जहरीला ध्रुवीकरण पैदा करती हैं। विपक्ष पर पाकिस्तान के प्रति नरमी का आरोप लगा कर मोदी अपने प्रतिद्वंद्वियों को अपमानित कर भावनात्मक रूप से अपना समर्थन बढ़ाना चाहते हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस भाजपा सरकार की नीतियों को 'बड़े बिजनेस घरानों' के पक्ष में बताने का प्रयास कर रही है। इस प्रकार विपक्ष की रणनीति स्वयं को आम आदमी के हितों के पैरोकार की तरह पेश कर मोदी को कार्पोरेट हितों का प्रतिनिधि बताने की है। लेकिन बिना समुचित प्रमाण के ऐसे आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास घटाते तथा मतदाताओं का और ध्रुवीकरण करते हैं। यह तथ्य भी है कि विपक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बार-बार बिना किसी आधार के तानाशाह होने का आरोप लगाता रहता है। इन आरोपों को प्रचारित करने के तरीके खासकर चिन्ताजनक हैं। चुनाव प्रचार में व्यक्तिगत हमले, चरित्र हनन तथा भड़काऊ बयानबाजी आम हो गए हैं। नीतिगत मुद्दों और प्रशासन पर विमर्श करने के बजाय पार्टियां भावनायें और घृणा भड़काने में लग गई हैं। चुनाव प्रचार के गिरते मानक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले गहरे ढांचागत मुद्दों का संकेत देते हैं। धन बल के प्रभाव, फर्जी खबरों और दुष्प्रचार के बढ़ने तथा संस्थागत नियंत्रण व संतुलन प्रक्रिया में कमी से ऐसा माहौल बना है जो नकारात्मक अभियान तथा ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रहा है। सोशल मीडिया के विस्तार के कारण विभाजनकारी लफ्फाजी का प्रभाव और विस्तार कई गुना बढ़ा है। दुर्भाग्य से निर्वाचन आयोग इन 'बड़बोले नेताओं' पर लगाम लगाने में विफल रहा है। इन सारी चीजों को देखते हुए हम सबकी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि नेता 'लक्ष्मण रेखा' न पार करें। मतदान के दिन हम सब ईवीएम का बटन दबा कर यह सुनिश्चित कर सकते हैं।

चुनाव में अनुमानों का दौर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी बार विजय के अनुमानों के साथ ही राजनीतिक पार्टियों में आंतरिक मतभेदों, पालाबदल व मतदाताओं की तुलनात्मक निष्क्रियता से अनिश्चितता का आयाम बढ़ा है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत में चल रहे वर्तमान लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी बार विजय के अनुमानों के साथ ही राजनीतिक पार्टियों में आंतरिक मतभेदों, पालाबदल व मतदाताओं की तुलनात्मक निष्क्रियता से अनिश्चितता का आयाम बढ़ा है। अनेक अन्य देशों की तरह भारत में भी राजनीतिक पार्टियां अक्सर आधिकारिक चुनाव परिणाम आने के पहले से ही अपनी विजय का दावा करने लगती हैं। वास्तव में स्वयं को विजेता के रूप में प्रदर्शित करना उनकी राजनीति का अंग है। वर्तमान लोकसभा चुनाव भी उनके लिए एक अन्य राजनीतिक घटना की तरह हैं। हालांकि, राजनीतिक पार्टियां इस चुनाव को बहुत महत्व दे रही हैं क्योंकि इसमें अनेक पार्टियों के साथ ही उनके अनेक राजनेताओं का भविष्य भी दांव पर लगा है। इस प्रकार वर्तमान लोकसभा के चुनाव परिणाम उन पर गहरा और व्यापक असर डालेंगे। देश के वर्तमान राजनीतिक और चुनावी परिदृश्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी-भाजपा ने अपनी विजय की घोषणा करते हुए कहा है कि चुनाव परिणाम उसकी उम्मीदों के अनुरूप होंगे।

विपक्षी दलों का अनुमान इसके विपरीत है। उनका कहना है कि इस बार मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। हालांकि, राजनीतिक दलों के परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक परिणाम अनिश्चित हैं। इससे राजनीतिक परिदृश्य में 'सस्पेंस' या कौतूहल का आयाम जुड़ गया है। वर्तमान लोकसभा चुनाव में मतदान सात चरणों में होगा जिसमें से चार चरण पूरे हो गए हैं। मतदान के बाकी तीन चरण 20 व 25 मई तथा 1 जून को पूरे हो जाएंगे। मतदान के इन चरणों का 4 जून को घोषित होने वाले चुनाव परिणामों पर व्यापक असर पड़ेगा।

हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन चुनावों में अभूतपूर्व व असाधारण ढंग से तीसरी बार विजय की आशा है। जनमत सर्वेक्षणों के बाद बहस अब केवल इस बात पर हो रही है कि भाजपा अपने संसद सदस्यों की संख्या बढ़ाने में सफल होगी अथवा उसमें थोड़ी कमी आएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत अनेक भाजपा नेताओं का दावा है कि भाजपा-नीत राजग को इस चुनाव में लोकसभा की 543 सीटों में से 400 से अधिक पर सफलता प्राप्त होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि राजग ने पहले तीन मतदान चरणों की 283 सीटों में से 200 पर विजय प्राप्त कर ली है। भाजपा के इन अनुमानों को इस परिदृश्य में देखा जाना चाहिए कि अतीत में केवल 1984 में एक बार कांग्रेस पार्टी को 400 सीटें पाने में सफलता मिली थी। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार समर्थन की कोई स्पष्ट लहर न दिखने के कारण राजनेताओं को अपनी रणनीति बदलनी पड़ी है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा ने लाभ प्राप्त करने के लिए मुख्यत: पांच रणनीतियों पर काम किया है। उसने चुनाव मैदान में सेलेब्रिटी उम्मीदवार उतारे हैं ताकि जनता में उनके आकर्षण का लाभ उठाया जा सके। इसके साथ ही उसने अपना हिंदू जनाधार मजबूत किया है, अल्पसंख्यक समुदायों से संपर्क मजबूत किए हैं तथा ऐसे क्षेत्रों में हिंदू मतदाताओं को अपने साथ लाने की खास रणनीतियां बनाई हैं जो विपक्ष शासित या उनके प्रभाव वाले राज्यों में रहते हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से भाजपा ने 'मोदी करिश्मे' का प्रयोग करने का प्रयास किया है। भाजपा ने पिछले दस साल में सचेतन व सुनियोजित ढंग से मोदी की ऐसी 'छवि' बनाई है जो विपक्षी नेताओं पर भारी पड़े। इसके जवाब में कांग्रेस तथा उसकी सहयोगी पार्टियों ने अपने रणनीतिक कदम के रूप में हिंदू समाज की गरीब और हाशियाकृत जातियों को साथ लाने और उनमें अपना जनाधार मजबूत करने के प्रयास किए हैं।

वर्तमान चुनाव के अब तक हुए मतदान के चार चरणों में पिछले 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में मतदान प्रतिशत थोड़ा कम रहा है। निर्वाचन आयोग ने कुछ महानगरीय शहरों में कम मतदान प्रतिशत पर चिन्ता प्रकट की है जिससे हाईटेक शहरों में मतदाताओं में गंभीर उदासीनता स्पष्ट होती है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि मतदान परिणाम प्रभावित करने में हर मतदाता की बड़ी भूमिका होती है। अतीत पर गौर करें तो इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री सी.पी. जोशी को केवल एक वोट से चुनाव में पराजय मिली थी। मजेदार बात है कि उनकी पत्नी और बेटी विजय के लिए प्रार्थना कर रही थीं और इस कारण वोट नहीं डाल पाई थीं। इससे पता चलता है कि चुनाव में एक वोट का भी कितना महत्व होता है। इस उदाहरणसे इस तथ्य को भी महत्व मिलता है कि केवल एक वोट भी चुनाव परिणाम बल सकता है। वर्तमान चुनाव में मतदान के पहले चार चरणों में देश के कुछ हिस्सों में भारी गरमी के कारण मतदान प्रतिशत में संभवत: कमी आई है। हालांकि, अधिक मतदान को आमतौर से 'सत्ता-विरोधी' लहर का प्रतीक माना जाता है, लेकिन कम मतदान से भी कभी-कभी सत्तारूढ़ दल को नुकसान हो सकता है क्योंकि ऐसे में स्थानीय मुद्दे मतदान परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा का उद्देश्य भारत के 6 राज्यों में अपनी स्थिति सुधारना है। इनमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल शामिल हैं। लेकिन उसे यहां क्षेत्रीय दलों से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो राज्य चुनावों में वर्चस्व स्थापित कर समग्र रूप से चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती हैं। एक हालिया रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव परिणामों के अनुमान में अनिश्चितता की बात कही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हिंदी में 'एक्स' पर संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री अपने मित्रों पर हमले कर रहे हैं जिससे संकेत मिलता है कि मोदी की कुर्सी हिल रही है। सपा नेता अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि पहले दो मतदान चरणों के बाद भाजपा की हालत खराब हुई है। कांग्रेस पार्टी की रणनीति मुख्यत: समाज कल्याण व आर्थिक सशक्तीकरण को केन्द्र में लाना है। इससे वह मतदाताओं की प्राथमिक चिन्ताओं पर ध्यान केन्द्रित कर उनके बड़े वर्ग को प्रभावित करना चाहती है। यदि मतदाताओं का समर्थन मिले तो इससे चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन कांग्रेस के समक्ष मुख्य चुनौती अपने सदस्यों को एकजुट रखना है। मोदी के उभार के बाद राज्यस्तरीय नेताओं समेत अनेक नेता भाजपा में चले गए हैं। भाजपा ने उनमें से कुछ को टिकट भी दिए हैं। देखना होगा कि मतदाता इन दलबदलुओं पर क्या फैसला देते हैं।

कांग्रेस में आंतरिक मतभेद वर्तमान समय में गंभीर चिन्ता का विषय हैं। विरोधी दलों से उनके संबंधों के आरोप निष्ठा पर सवाल लगाते हैं। इससे पार्टी की एकता प्रभावित हो सकती है जिसका नतीजा वर्तमान चुनाव में प्रदर्शन पर पड़ेगा। इसलिए पार्टी में ऐसी घटनाओं पर नजर रखना तथा चुनाव संभावनाओं की बेहतर समझदारी जरूरी है। 2016 से 2020 के बीच कांग्रेस के 170 विधायक और 7 राज्यसभा सदस्य पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पार्टी में भ्रम तथा नेताओं की निष्ठा पर संदेह पैदा हो रहा है। इन आरोपों से कांग्रेस के इन नेताओं के बारे में मतदाताओं की समझ बदल सकती है। दलबदल की परिघटना से दूसरी गैर-भाजपा पार्टियां भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। भारत के सट्टा बाजार ने अनुमान लगाया है कि भाजपा को 330 से 335 सीटों के बीच मिल सकती हैं। इस पर एक रुपये का सट्टा लगा है। इसके साथ ही भाजपा की सीटें 350 होने पर 3 रुपये का तथा 400 पार जाने पर 12-15 रुपये का सट्टा लगा है। इसी प्रकार राजग के 400 सीटें पार होने पर 4-5 रुपये का सट्टा लगा है। ये अनुमान चुनाव परिणामों पर बाजार का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हैं जिसका प्रभाव राजनीति पर भी पड़ सकता है।

हालांकि, निवेशकों द्वारा अपनी बोलियां घटाने के कारण शेयरबाजार मंगलवार को 1.5 प्रतिशत गिर गया। इससे कुछ राजनीतिक विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है कि भाजपा को शायद उतनी सीटें न मिल सकें जिनका पहले अनुमान लगाया गया था। लेकिन इतना अनुमान तो लगाया ही जा सकता है कि मोदी निश्चित रूप से तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, भले ही भाजपा और राजग की सीटें 400 पार हों या नहीं। ऐसे में 4 जून को चुनाव परिणाम आने तक सस्पेंस बना रहेगा जब पता चलेगा कि मतदाताओं ने किसे पसंद किया है।

फिल्मोत्सवों की ब्रांडिंग का असर

> **फिल्म महोत्सव ग्लैमर, करिश्मा, फैशन और सेलिब्रिटी भागफल को चित्रित करते हैं जो दर्शकों के बीच एक अनोखी हलचल पैदा करते हैं।**

चैतन्य के प्रसाद
(लेखक,स्तम्भकार हैं)

किसी भी ब्रांडिंग अभ्यास की सफलता लक्षित दर्शकों पर पड़ने वाले प्रभाव और प्रभाव, उत्पादों की दृश्यता, रिकॉल वैल्यू और अभियानों, लॉन्च, घटनाओं और रुझानों और शैलियों की विस्तृत श्रृंखला के दर्शकों के साथ गहरा संबंध है। इसी तरह, किसी दृश्य मंच पर ब्रांडिंग विचार या रणनीति के प्रभाव को समझना महत्वपूर्ण है, जहां आंखें सफलता का पैमाना तय करती हैं। ऐसे ग्लैमरस सर्किट और इकोसिस्टम पर ब्रांडिंग के मूल्य, तीव्रता और प्रभाव को समझने के लिए आज फिल्म महोत्सव एक आदर्श इकोसिस्टम है। सिनेमा के क्षेत्र में, जहां रचनात्मकता वाणिज्य से मिलती है, फिल्म महोत्सव जीवंत केंद्र के रूप में काम करते हैं जहां कहानी कहने की संस्कृति के साथ मिलती है, कलात्मकता उद्योग के साथ जुड़ती है और समुदाय सिल्वर स्क्रीन के लिए साझा प्यार के आसपास बंधते हैं। सिनेमाई योग्यता के प्रदर्शन से परे, ये त्यौहार शक्तिशाली ब्रांडों में विकसित हुए हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी अलग पहचान और आकर्षण है। कान्स की चकाचौंध से लेकर वेनिस फिल्म महोत्सव की विरासत तक और बर्लिन के महानगरीय आकर्षण से लेकर टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) की बौद्धिक पेचीदगियों और भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) की भव्यता तक, ब्रांडिंग रणनीतियां ये त्योहार संस्कृति, अर्थशास्त्र और राजनीति के अंतर्संबंध की एक आकर्षक झलक पेश करते हैं।

फिल्म महोत्सव ग्लैमर, करिश्मा, फैशन और सेलिब्रिटी भागफल को चित्रित करते हैं जो दर्शकों के बीच एक अनोखी हलचल पैदा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में कान्स, बर्लिन, आईएफएफआई और टोरंटो ने एक अद्वितीय ब्रांड पहचान विकसित की है जिसने ब्रांडिंग क्षेत्र में कहानी और दृश्यता कथा को गढ़ा और आकार दिया है। त्यौहार अपनी नवोन्वेषी विघटनकारी प्रवृत्तियों के लिए जाने जाते हैं जो अद्वितीय आउट ऑफ द बॉक्स ब्रांडिंग की ओर ले जाते हैं। किसी भी फिल्म महोत्सव की हलचल एक अद्वितीय अभिन्न संबंध और सिनेमा को परिभाषित करने वाली आर्क लाइट और ब्रांडिंग बनाने वाले रंगों, रंगों और छवियों के बीच संबंध बनाती है। फिल्म महोत्सवों में ब्रांडिंग भागफल का एक अध्ययन महोत्सव क्षेत्र में ब्रांडिंग के विचारों, अवधारणाओं और मूल्यांकन के बदलते पहलुओं का प्रतिबिंब दर्शाता है। 4सी = रचनात्मकता, संस्कृति, सामग्री और संगति ब्रांडिंग और फेस्टिवल सर्किट के बीच अभिन्न संबंध को रेखांकित करती है।

यह रचनात्मक दिमागों, कहानीकारों, वर्णनकर्ताओं और प्रेरणादायक चर्चा करने वाले प्रमुखों का एक आदर्श संगम है। हर त्यौहार में ब्रांडिंग के कुछ खास पल होते हैं, जो दर्शकों के दिमाग पर छाप छोड़ते हैं और भावी उपभोक्ताओं और सिनेमाई उत्कृष्टता के समर्थकों पर स्थायी प्रभाव डालते हैं। त्योहारों पर अवसर असीमित हैं।

कान्स, बर्लिन, आईएफएफआई और टोरंटो अपने फिल्मांकन संस्कृति झुकाव, कथाकार के मूल्यों और कहानी कहने की युक्तियों के साथ ब्रांडिंग प्लेटफार्मों और विचारों को एकीकृत करते हैं। इन त्योहारों में एक माध्यम के रूप में ब्रांडिंग ने सॉफ्ट पावर गतिशीलता और समीकरणों को मजबूत किया है जिससे बेहतर दृश्यता, उत्पाद मूल्य, सकारात्मक धारणा बढ़ी है और आउटरीच और नेटवर्किंग के अवसर बढ़े हैं। प्रौद्योगिकी ब्रांडों का एक विचार उत्पाद प्रदर्शन का एक और स्तर सामने लाता है। इंटरएक्टिव अनुभव और मार्केटिंग आउटरीच। प्रत्येक प्रमुख त्यौहार ने अपने संस्करणों में तकनीकी उपकरणों के साथ ब्रांडों की छवि, पहचान, प्रभाव, इंटरैक्शन और इंटरफ़ेस को मजबूत किया है, जिससे स्थानों पर एक अद्वितीय उत्पाद पहचान और स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रत्येक प्रमुख फिल्म महोत्सव, चाहे वह कान्स, टीआईएफएफ, वेनिस, बर्लिनले या आईएफएफआई हो, अपने व्यक्तित्व और मूल्यों को व्यक्त करने के लिए अपने ब्रांडिंग तत्वों के लिए सावधानीपूर्वक एक खाका तैयार करता है। अपने ग्लैमर के लिए प्रसिद्ध कान्स में रेड कार्पेट पर पाल्मे डी%ओर ट्रॉफी और मशहूर हस्तियों का चित्रण शामिल है, साथ ही एक परिष्कृत लोगो डिजाइन भी शामिल है जो अक्सर कान्स समुद्र तट को दर्शाता है। त्योहार का काला, सुनहरा और लाल रंग संतुलन, प्रतिष्ठा और उत्साह का प्रतिनिधित्व करता है।

इस बीच, टीआईएफएफ फिल्म रीलों, विविध दर्शकों और टोरंटो स्थलों को प्रदर्शित करने वाली गतिशील आइकनोग्राफी के साथ विविधता को अपनाता है, जो लाल, नीले और पीले जैसे जीवंत रंगों से पूरित होता है जो ऊर्जा, रचनात्मकता और समावेशिता को दर्शाता है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल, अपनी समृद्ध विरासत के साथ, रियाल्टो ब्रिज या सेंट मार्क स्क्वायर जैसे वेनिस के स्थलों के शास्त्रीय चित्रण का विकल्प चुनता है, साथ ही एक परिष्कृत लोगो डिजाइन भी होता है जो वेनिस की कालातीत सुंदरता का सार दर्शाता है। आईएफएफआई सौंदर्यात्मक रूपांकनों और परिदृश्यों, पारंपरिक लोगो डिजाइन और नारंगी, लाल और सुनहरे रंगों के साथ-साथ शांत नीले और हरे रंग के प्रदर्शन के साथ भारतीय सिनेमा का जश्न मनाता है जो भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है। इन ब्रांडिंग तत्वों के माध्यम से, प्रत्येक त्योहार अपनी मान्यताओं को संप्रेषित करता है, दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित करता है और वैश्विक फिल्म उद्योग के भीतर इसके महत्व को मजबूत करता है।

फिल्म निर्माताओं के लिए, किस उत्सव में अपना काम प्रस्तुत करना है, यह न केवल आयोजन के सम्मान और प्रतिष्ठा पर निर्भर करता है, बल्कि उनकी कलात्मक दृष्टि और कैरियर लक्ष्यों के साथ इसके संरेखण पर भी निर्भर करता है। अंतर्राष्ट्रीय पहचान चाहने वाला एक फिल्म निर्माता कान्स या बर्लिनले की ओर आकर्षित हो सकता है, जबकि फिल्मोग्राफी की विस्तृत और विविध श्रेणी का समर्थन करने वालों को वेनिस या टीआईएफएफ में घर मिल सकता है। इस तरह, फिल्म महोत्सवों की ब्रांडिंग फिल्म निर्माताओं के करियर की दिशा और समग्र रूप से फिल्मों की सांस्कृतिक बारीकियों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण कारक बन जाती है।

आप की बात

कांग्रेसी भविष्यवाणी

आम चुनाव के बारे में कांग्रेसी भविष्यवाणी जनता को कतई हजम नहीं हो रही है। राहुल, प्रियंका, सोनिया व पार्टी अध्यक्ष खड़गे कह रहे हैं कि यदि इस बार चुनाव में नरेंद्र मोदी भारी बहुमत से विजयी होते हैं तो वह देश में चुनाव प्रक्रिया खत्म कर देंगे। कांग्रेस कह रही है कि आज संविधान एवं लोकतंत्र खतरे में हैं। ऐसी भविष्यवाणी वह कांग्रेस कर रही है जिसने आपातकाल के दौरान पूरे देश को बंधक बना लिया था, संविधान में मनमाने ढंग से 44वां संविधान संशोधन कर जनता के मूलाधिकार छीन लिए थे तथा पूरे देश को जेल में बदल दिया था। कांग्रेस समझती है कि देश की जनता वे दिन भूल गई है जब कांग्रेसी नेता इंडिया इज़ इंदिरा एंड इंदिरा इज़ इंडिया के नारे लगाते थे। भारत की जनता व खासकर युवा पीढ़ी अच्छी तरह जानती है कि नेहरू-गांधी परिवार ने अपने को ही बार-बार भारत रत्न समेत अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया, संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर को चुनाव में हराने की सारी तिकड़में लगाईं तथा उनका पोर्टेट तक लोकसभा में नहीं लगने दिया। कांग्रेस की ऐसी भविष्यवाणी जनता को डराने और भ्रमित करने के लिए है, लेकिन संभवत: वह स्वयं अपने 138 साल के जीवन में आज जितनी भयभीत है, उतनी भयभीत पहले कभी नहीं थी।

- एमएम राजावत, शाजापुर

बदहाल पाकिस्तान

देश की माली हालत नाजुक होने पर सरकार को अजीब निर्णय लेने पड़ते हैं। हमारा पड़ोसी पाकिस्तान इन दिनों आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया की हालत से गुजर रहा है। इसीलिए सरकार करसंग्रह बढ़ाने के लिए समय पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों पर सख्ती से पेश आ रही है। पाकिस्तानी संघीय राजस्व बोर्ड ने रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों की बिजली व गैस आपूर्ति काटने का निर्णय लिया था, लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ा। पिछले महीने उन लोगों के पांच लाख से अधिक सिम ब्लॉक करने का आदेश दिया था जो टैक्स नहीं दे रहे थे। लेकिन एक टेलीकॉम कंपनी की याचिका पर अदालत ने 27 मई तक इसके खिलाफ स्थगन आदेश जारी कर दिया है। देखना होगा कि पाकिस्तानी हुक्मरान अपने देश के अमीरों से टैक्स वसूली के लिए आगे क्या कदम उठाते हैं। ये सारे कदम सरकार ने आईएमएफ के आदेश पर उठाए हैं। अगर आईएमएफ की बात नहीं मानी तो वह कर्ज देना बंद कर देगा। पाकिस्तान में आम जनता महंगाई से त्राहि-त्राहि कर रही है और कई जगह विद्रोह पर आमादा है। ऐसे में पाकिस्तान लगातार बदहाली और विखंडन के कगार पर पहुंच रहा है।

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

चाबहार समझौता

चाबहार पोर्ट समझौता भारत और ईरान के बीच हुआ महत्वपूर्ण समझौता है। इसके माध्यम से भारत और ईरान के बीच क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा और अफ़ग़ानिस्तान, मध्य एशिया और यूरेशिया के लिए नए रास्ते खुलेंगे। लंबे समय से भारत सरकार इस समझोते के लिए प्रयासरत थी। आखिरकार हमारे प्रयास रंग लाए और हमारी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति एक बार फिर सफल हुई। इस समझौते के बाद जहां समुद्र में भारत की ताकत बढ़ेगी वहीं समुद्री परिवहन भी सुगम होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि पाकिस्तान को किनारे छोड़कर समुद्री आवागमन का एक नया मार्ग हमें मिल जाएगा। चीन भी इस समझौते से जरूर तिलमिला रहा होगा क्योंकि यह पाकिस्तान को शामिल करने वाले उसकी वन बेल्ट वन रोड परियोजना का विकल्प है। लेकिन विडंबना है कि अमेरिका इस समझौते के खिलाफ भारत को चेतावनी दे रह है। ऐसे में भारतीय विदेश नीति की रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा होगी। ऐसे में उम्मीद है कि 4 जून के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनने वाली मजबूत केन्द्र सरकार चाबहार समझौते को लागू करने के मामले में भी अमेरिका को मनाने में सफल होगी।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

महिला उम्मीदवार

संसद में महिला आरक्षण कानून पास हो जाने के बाद भी देशभर की सभी पार्टियों ने 2024 के चुनाव में महिला उम्मीदवारों को 33 प्रतिशत तो दूर 15 प्रतिशत सीटें भी नहीं दी है। इसकी प्रमुख वजह यही हो सकती है कि सभी दलों में जिताऊ महिला उम्मीदवारों की कमी है। सिर्फ फिल्मी कलाकारों व नेताओं की उत्तराधिकारी महिलाओं को ही सीटें दी गई हैं। यदि राजनीतिक दल वास्तव में महिलाओं को आगे लाना चाहते हैं तो पहले उनको पार्टी स्तर पर बड़ी जिम्मेदारियां देनी होंगी। इससे वह राजनीतिक प्रशिक्षण पाने के साथ-साथ जनता के बीच जाकर अपनी जुझारू व अधिकारियों से काम कराने वाली छवि बना सकें। इससे चुनावी टिकट पाने की उनकी दावेदारी आसान हो जाएगी। मतदान के चार चरणों में महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया है और कई स्थानों पर तो उनकी संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक रही है। चुनाव के बाकी तीन चरणों में सभी राजनीतिक दलों को अपनी महिला उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए खास प्रयास करने चाहिए। ऐसा कर ही हम संसद से लेकर ग्राम पंचायतों तक में महिलाओं को समुचित स्थान दे सकेंगे।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

श्री राम आश्रम में 84 कोसी परिक्रमार्थियों का हुआ स्वागत

●12 महीने हो 84 कोसी परिक्रमाः महंत जयरामदास

●23 अप्रैल को अयोध्या से मखौड़ा धाम के लिए आरंभ हुई थी परिक्रमा

संवाददाता। अयोध्या

सदगुरु कृपा मंडल के तत्वाधान में 84 कोसी परिक्रमा पूरी कर अयोध्याधाम लौटे परिक्रमार्थियों का बुधवार को प्रसिद्ध पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट में भव्य स्वागत किया गया। जहां श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने परिक्रमा में शामिल सभी साधु-संतों एवं भक्तजनों का रामनामा ओढ़ाकर स्वागत-सम्मान किया। उसके बाद सभी परिक्रमार्थियों ने श्रीराम आश्रम में भंडारा प्रसाद पाया। इससे पहले चौरासीकोसी परिक्रमा में शामिल हजारों की संख्या में साधु-संतों और भक्तों के जत्थे ने पौराणिक रामकोट की परिक्रमा किया। रामकोट परिक्रमा पूरी कर परिक्रमार्थी बड़ी यज्ञवेदी स्थित सीताकुंड के लिए रवाना हो गए। जहां उनके द्वारा सीताकुंड की भी परिक्रमा किया गया।

फिर सभी परिक्रमार्थी प्रतिष्ठित पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट पहुंचे। वहां उन्होंने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। उसके बाद श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती महाराज द्वारा परिक्रमार्थियों का भेंट-विदाई किया गया। फिर 84 कोस परिक्रमा का समापन हुआ। श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती ने कहा कि 84 कोसी परिक्रमा में शामिल सभी साधु-संतों का आश्रम पर स्वागत हुआ। सभी संतों का भेंट-विदाई किया गया। चौरासी कोसी परिक्रमा बहुत ही पौराणिक परिक्रमा है। जो अनवरत चलती रहनी चाहिए।

साल के बारहों महीना यह परिक्रमा हो। इससे हमारे सनातन धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा। सनातन धर्म को मजबूती और लोगों को परिक्रमा करने की प्रेरणा मिलेगी। श्रीसदगुरू कृपा मंडल अयोध्याधाम 84 कोसी परिक्रमा के संचालक स्वामी गयाशरण ने कहा कि चौरासी कोस की परिक्रमा से भक्तों का जीवन धन्य हो जाता है। लाखों वर्ष की प्राचीन परंपराओं को जीवंत करने वाले भक्तों की समर्पण और भक्ति को सदा नमन है।

उत्साह और उमंग से यह परिक्रमा हर वर्ष निकल रही है। अनंत काल से चली आ रही चौरासी कोसी परिक्रमा जीवन के कष्टों, व्याधियों से मुक्त करा प्रभु चरणों में समर्पित होने का माध्यम है। विगत 23 अप्रैल पूर्णिमा के दिन श्रीसद्गुरु कृपा मंडल के तत्वाधान में अयोध्या से मखौड़ा धाम के लिए 84 कोसी परिक्रमार्थियों का जत्था रवाना हुआ था। 24 अप्रैल को मखौड़ा धाम में पूजन-अर्चन के बाद परिक्रमा प्रारंभ हुई।

जो विभिन्न पड़ावों से होते हुए 14 मई को सुबह मखभूमि और सायंकाल अयोध्याधाम पहुंची। बुधवार को सुबह 84 कोसी परिक्रमा में शामिल सभी साधु-संतों एवं भक्तजनों ने गाजे-बाजे, जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष और सीताराम संकीर्तन संग रामकोट की परिक्रमा और उसके बाद सीताकुंड की परिक्रमा किया। फिर परिक्रमा का समापन हुआ। जानकी नवमी पर सीताकुंड में रामार्चा पूजन व संतों के भंडारे का कार्यक्रम होगा।

भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में अनुप्रिया पटेल ने किया प्रचार, कहा अबकी बार 400 पार

संवाददाता। बछरावां, रायबरेली

कस्बे के रफी अहमद किदवई पार्क में रायबरेली से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने आई अपना दल सोनेलाल की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का भाजपा एवं अपना दल के कार्यकर्ताओं ने बड़ी माला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेट कर स्वागत कियास जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जीतने के बाद कितनी बार यहां की पूर्व सांसद आई हैं और जो आप लोगों के बीच में कांग्रेस के लिए वोट मांग रहीं हैं।

वह किसके सुख-दुख में आई है। कांग्रेस सिर्फ भ्रम फैला रही है, आप सभी लोग इनके झांसे में न आएं। भाजपा गठबंधन ही देश को प्रगति के रास्ते पर ले जाने का कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में सिर्फ भ्रम फैलाने का काम कर रही। कांग्रेस ने दलितों, पिछड़ों के साथ सौतेला व्यवहार किया है, जिसके कारण ऊंचे ऊंचे पदों पर उनके बच्चों की संख्या कम दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की सरकार ने आप सभी के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है जिसका लाभ पूरे भारतवर्ष के प्रत्येक घर व परिवार के जन जन को मिल रहा है।

उन्होंने राहुल और प्रियंका पर तंज कसते हुए कहा कि यह दोनों लोग भ्रम फैला रहे हैं कि बीजेपी आएगी तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा ऐसा कुछ नहीं है बीजेपी कभी संविधान को खतरे में नहीं डालेगी, क्योंकि भाजपा खुद संविधान को लागू कर देश को प्रगति के रास्ते पर ले जा रही है। आप लोगों के आशीर्वाद से फिर केंद्र में सरकार बनेगी और मोदी जी के 400 पार का नारा साकार करेगी।

डीएम-एसपी ने चुनाव के मद्देनज़र गौरीगंज में किया फ्लैग मार्च

अमेठी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को शांत, सुरक्षित व निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न कराने तथा आदर्श आचार संहिता के अनुपालन हेतु आज जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह द्वारा थाना गौरीगंज पुलिस व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/स्सक्र के साथ कस्बा गौरीगंज में फ्लैग मार्च कर आमजनमानस को शांत, सुरक्षित व भयमुक्त वातावरण में लोकसभा चुनाव 2024 को सकुशल सम्पन्न कराने का संदेश दिया गया एवं लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने एवं अफवाहों को फैलने/फैलाने से रोकने व 20 मई पांचवे चरण में लोकसभा अमेठी में होने वाले मतदान में निडर होकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गयी।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी गौरीगंज मयंक द्विवेदी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

एनटीपीसी ने चलाया छिपी हुई मेधा को निखारने का अभियान

संवाददाता। ऊंचाहार

विद्युत उत्पादन के द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिए एनटीपीसी नन्हीं प्रतिभाओं की छिपी हुई मेधा को निखारने का एक महा अभियान चला रखा है। बालिका सशक्तिकरण अभियान के माध्यम से पिछले कई वर्षों से एनटीपीसी ऊंचाहार आसपास के गांवों की बालिकाओं को एक नया मंच देकर उनकी प्रतिभा को निखारने व व्यक्तित्व को संवारने का निरंतर प्रयास कर रहा रहा है।

अभी तक सैकड़ों बालिकाओं को इस मुहिम से लाभान्वित किया जा चुका है। इसी क्रम में इस वर्ष भी बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत 120 बालिकाओं को 'सपनों की उड़ान' जैसे नारे गढ़कर संकल्प शक्ति का एक नया प्रयोग किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ ऊंचाहार परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबड़ा तथा प्रियदर्शिनी लेडीज़ क्लब की अध्यक्षा तरूणा छाबड़ा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। श्री छाबड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें प्रसन्नता है कि हमें बालिकाओं के सशक्तिकरण का अवसर मिला है।

इसके अंतर्गत बालिकाओं के कौशल को विकसित करके उनके व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाया जाएगा। श्री छाबड़ा ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से प्रशिक्षित बालिकाओं को 'सपनों की उड़ान' भरने की इच्छाशक्ति को नया संबल मिलेगा। उद्घाटन समारोह के दौरान पिछले वर्ष की बालिकाओं ने सांस्कृतिक नृत्य व गीत की प्रस्तुति दी। इसी के साथ इस वर्ष प्रतिभाग करने वाली बच्चियों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यशाला की फैकल्टी संस्था माई जेनआई की प्रतिनिधि वंदिता सैमुअल ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें शिक्षा के अलावा कराटे, गीत-संगीत, डांस, योगा व गुड टच-बैड टच आदि के विषय में बताया जाएगा। साथ ही ये प्रयास किया जाएगा कि बालिकाओं का आत्मविश्वास प्रबल हो सके।इस अवसर पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) अतुल कमलाकर देसाई, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) के डी यादव, महाप्रबंधक (प्रचालन) राजेश कुमार, अस्सिस्टेंट कमांडेंट सीआईएसएफ रामफल, अस्सिस्टेंट कमांडेंट सीआईएसएफ (फायर) आर एस सिरोही, पुरवारा ग्राम प्रधान आनंद पांडेय, जसौली ग्राम प्रधान शमशाद, बिकई के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुभाष मौर्या, खुर्रमपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनय शुक्ला, यूनियन व एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, अन्य विभागाध्यक्ष, प्रियदर्शिनी लेडीज़ क्लब की वरिष्ठ सदस्याएं, मानव संसाधन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व बड़ी संख्या में कर्मचारी, महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. दिशा अवस्थी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्विक न्यूज

उड़न दस्ता टीम ने 4 लाख 25 हजार रुपये किये जब्त

संतकबीरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर के निर्देशन में लोकसभा क्षेत्र में उड़नदस्ता टीम (एफएसटी) चेकिंग का कार्य कर रही है। बुधवार की देर रात खजनी थाने के बगल में वाहन से चेकिंग के दौरान 5-5 सौ के तीन लाख रूपये नगद कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजकुमार (सहायक विकास अधिकारी सहजनवा कृषि) ने संयुक्त टीम के साथ अरूण राय पुत्र गंगा राय निवासी-तामा थाना धनघटा, जनपद संतकबीरनगर से 3 लाख रूपये बरामद किया गया। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित द्वारा कोई भी वैद्य कागजात नही दिखाया गया। एफएसटी टीम ने कार्यवाही करते हुए 3 लाख रूपये खजनी थाना में लिखा पढ़ी के साथ जमा कराया। इसी प्रकार एफएसटी टीम हीरालाल ने 1 लाख 25 हजार रूपये बरामद कर थाने में जमा कराया।

हम सबका अभिमान, सौ प्रतिशत मतदान

नसीराबाद, रायबरेली। मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिजवलिया में छात्रों , अभिभावकों, मीना मंच सुगमकर्ता, रसोईया, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने 20 मई 2024 को होने वाले मतदान की जागरूकता रैली में प्रतिभाग करके एक अच्छे राष्ट्र निर्माण में मतदाता की अहम भूमिका निभाने का संदेश दिया। सुनीता यादव मीना मंच प्रभारी ने बच्चियों के हाथों पर मेहंदी से स्लोगन लिखकर वोट दो, वोट दो, 20 मई को वोट दो जैसे नारे लिखकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

पीस पार्टी का ऐलान 'नोटा' बटन दबाएंगे

संतकबीरनगर। पीस पार्टी के जिलाध्यक्ष राधेश्याम पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को राष्ट्रीय एकता भवन पर कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमें पीस पार्टी के प्रत्याशी का पर्चा खारिज होने के उपरान्त पीस पार्टी ने निर्णय लिया है कि वे आगामी 25, मई को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करेंगे और "नोटा" का बटन दबायेगे। यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में वसीम अहमद, गिरिवर सिंह पटेल, श्रीमती मीनू सिंह, पंचराम चौहान, मेंहदी हसन आदि रहे।

दिव्यांगो द्वारा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासन ने की विशेष पहल

●पांच ग्राम प्रधानों तथा 12 दिव्यांगजनों को दिये अर्धशासकीय पत्र

संवाददाता। संतकबीरनगर

विकास भवन में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट की ओर से मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक संत कुमार ने प्रतीकात्मक रूप से कुल पांच ग्राम प्रधानों तथा 12 दिव्यांगजनों को अर्धशासकीय-पत्र दिया। अर्धशासकीय पत्र के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने कहा है कि जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों से अपने-अपने ग्राम पंचायत में मतदान का प्रतिशत बढ़ाए जाने हेतु मतदाताओं को ग्राम प्रधान के माध्यम से प्रेरित किया जाना है। चूंकि ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत का प्रधान ही नहीं बल्कि ग्राम पंचायत का प्रथम नागरिक होने के साथ-साथ गांव के आम लोगों से पीढ़ियों से जुड़ा रहता है।

जीवन के खट्टे-मीठे अनुभव के साथ-साथ पारिवारिक रूप से संबंधों का जुड़ाव होता है। ऐसे में मतदान का प्रतिशत बढ़ाए जाने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी का ग्राम प्रधानों के माध्यम से गांव के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित कराया जाना एक सकारात्मक पहल है। मुख्य विकास अधिकारी/प्रभरी अधिकारी कार्मिक ने बताया कि विकास खण्ड-खलीलाबाद से जगदीश ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत-उमरी खुर्द, श्रीमती पूनम देवी ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत-बरईपार पैठान, रविन्द्र सिंह ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत-दलेलगंज, विकास खण्ड-बघौली से अखलाक अहमद ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत आटाकलां, श्रीमती हशीबुन्निशा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत-उड़सरा को जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफसे प्रेषित अर्धशासकीय पत्र दिया गया है। उक्त ग्राम प्रधानों से अपने-अपने ग्राम पंचायत में शत-प्रतिशत मतदान कराये जाने का अनुरोध किया गया है और यह भी अवगत कराया गया कि गत लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2019 की तुलना में 2024 में हो रहे निर्वाचन में प्रत्येक विकास खण्ड से 03-03 ग्राम प्रधानों को मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने के उपलक्ष्य में जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार विकास खण्ड से खण्ड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (पं0) भी अपने विकास खण्ड से 10-10 ग्राम प्रधानों को अपने हाथ से विकास खण्ड परिसर में उक्त अर्धशासकीय पत्र प्रदान करेंगे।

सीडीओ ने बताया कि जिले के सभी 8605 दिव्यांग मतदाता है। इस दौरान जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी श्रीमती प्रियंका यादव उपस्थित रहीं।

भाजपा सिर्फ झूठ बोलने का काम करती हैः मल्लिकार्जुन खड़गे

रायबरेली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को क्षेत्र के सराय उमर गांव में चुनावी जन सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोलास उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए मोदी जी नए नए हथकंडे अपना कर जनता को भ्रमित कर रहे है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गांधी परिवार ने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया है, हमेशा से बलिदान देकर देश की सेवा की कांग्रेस मजदूरों ,गरीबों और किसानों के हक की लड़ाई लड़ती है, भाजपा अमीरों और पूंजी पतियों को लाभ देने का काम करती है, जिस प्रधानमंत्री के पद को सोनिया गांधी ने ठुकरा दिया था, उसी प्रधान मंत्री पद पर बने रहने के लिए मोदी जी झूठ पर झूठ बोले जा रहे है, काला धन वापस लाएंगे, गरीबों के खाते में 15 लाख रूपए भेजेंगे सभी बड़े झूठे साबित हुए है। 10वर्षो के कार्यकाल में जनता के लिए क्या किया है मोदी सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है।

कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा के पक्ष में प्रमोद तिवारी ने किया जोरदार प्रचार

सलोन, रायबरेली। अमेठी संसदीय क्षेत्र में इण्डिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के पक्ष में जोरदार प्रचार पर निकले राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने करहिया बाजार ,धरई, गणेशगंज में चुनाव नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए भाजपा और मोदी सरकार पर तीखे सियासी प्रहार किये। उन्होंने कहा कि जीएसटी के नाम पर मोदी सरकार ने पहली बार खाने पीने की चीज तो दूर कफन तक पर टैक्स लगाया है। उन्होनें कहा कि पीएम ने प्रत्येक परिवार को पन्द्रह लाख रूपये देने का भी झांसा दिया। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने जनसभा में केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी पर भी अमेठी की जनता के साथ छलावा के आरोप लगाये। कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा की राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के अमेठी से पारिवारिक रिश्ते का हवाला देते हुए बड़ी जीत तय करार दिया। वहीं उन्होनें लोगों को कांग्रेस की न्याय गारण्टी का सरकार बनने पर फौरन अमल में लाने के बाबत भरोसा दिलाते हुए इस चुनाव में स्मृति ईरानी की जमानत जप्त का भरोसा दिलाया। धरई बाजार में आयोजित पार्टी की नुक्कड़ सभा में भी उन्होनें युवाओं तथा महिलाओं व किसानों के लिए भाजपा सरकार पर सौ प्रतिशत धोखेबाज सरकार होने का कड़वा तंज कसा।

हिमांचल के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की उपलब्धियां बता राहुल के लिये मांगे वोट

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

हिमांचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्यासी राहुल गांधी के समर्थन में कस्बे के शांती उत्सव लान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह रायबरेली का सौभाग्य है कि राहुल गांधी ने इसे अपना संसदीय क्षेत्र चुना है। जबकि मैने उन्हे हिमांचल प्रदेश की सीट का आफर किया था किंतु उन्होने अपने पूर्वजो की कर्मभूमि रायबरेली को ही चुना। मुख्यमंत्री ने जनता को अपने संबोधन में कहा कि मैने हिमांचल प्रदेश में सरकार बनने पर अनेक लाभकारी योजनायें चलाई।

जिनमें प्रमुख रूप से 18 वर्ष की उम्र से ऊपर की बालिकाओ को 1500 रूपये प्रतिमाह, विधवाओं के बच्चो को 27 वर्ष तक नि:शुल्क शिक्षा, 70 वर्ष की आयु के ऊपर वृद्धो को इलाज का सम्पूर्ण खर्च सरकार वहन कर रही है। इसके अतिरिक्त डेयरी उद्योग के प्रोत्साहन हेतु दूध के दाम भी निर्धारित किये गये है जिनमें गाय को दूध 45 तथा भैंस का 55 रूपये लीटर मिलेगा। उन्होने कहा कि यहां भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है और 4 जून के बाद जनता को अनेक लाभकारी योजनायों से आच्छादित किया जायेगा इसके लिये कांग्रेस के घोषणा पत्र में भी समाहित है।

भारी जनसभा के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल जी को जनता भावी प्रधानमंत्री के रूप में देख रही है और यह तभी संभव हो सकता है जब आब उन्हे भारी बहुमत से विजयी बनायेगें। सभा का संचालन नगर पचांयत अध्यक्ष प्रतिनिधिक दीपेंद्र गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर चेतन चौहान, पूर्व चेयरमैन रामबाबू गुप्ता, राजद के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व विधायक अशोक सिंह, रज्जू मिश्रा, राकेश भदौरिया, मनोज द्विवेदी, सुधा द्विवेदी, नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता, विधानसभा समन्वयक सुरेंद्र शर्मा, राधे सिंह, राजकुमार द्विवेदी, बाबुल हसन समेंत भारी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

देश में इंडिया गठबंधन की बनेगी सरकारः राजीव शुक्ल

अमेठी। बुधवार को अमेठी लोकसभा चुनाव में आये कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद पूर्व कैबिनेट मंत्री राजीव शुक्ला ने एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बताया कि इस बार इण्डिया गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिल रहा है और इण्डिया गठबंधन देश में सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने बताया कि रायबरेली सीट पर राहुल गांधी काफी वोटों से विजयी हो रहे वहीं अमेठी में कांग्रेस प्रत्याशी के एल शर्मा का भी जीत का अन्तर बहुत ज्यादा रहेगा। उन्होंने बताया कि इनका 400 पार एक मजाक बन गया है जनता इनके दो ही कार्यकाल से परेशान हो गयी है।जनता परिवर्तन चाहती है।अब तक चार चरण हो गये है पांचवां चरण 20 मई को होगा।और जनता खुलती नजर आ रही है जनता के अन्दर एक बदलाव आ गया है।पूरे की जनता इनके झूठे वादों को जान चुकी है और इनका परित्याग इस चुनाव में कर रही है। इस बार इन्डिया गठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार बन रही है। उन्होंने कहा पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेई पक्ष में रहे हो या विपक्ष में रहे हो वे मुद्दे पर ही बहस की लेकिन आज की भाजपा पार्टी ने अटल बिहारी वाजपेई के विचारो को नकार दिया है।

आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम में संगीत की आध्यात्मिक संध्या

संवाददाता। संतकबीरनगर

आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा अध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर के जन्मदिवस पर मंगलवार देर शाम गीत-संगीत व आध्यात्मिक संध्या के रूप में ध्यान और ज्ञान के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। प्रशिक्षक अमित जैन द्वारा गुरु पूजा, गुरुभजनों एवं गणेश वंदना के साथ की गई, उन्होंने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु एक विशुद्ध चेतना होती है और गुरु के आने से जीवन में दिव्यता आती है। महिलाओं के समूह संजीवनी की रीतू जैन सहित नमिता चड्ढा, मनीषा रूंगटा, अंजली अग्रहरी, वंदना गुप्ता, कविता चड्ढा, मीनू जैन, श्वेता जैन, ममता श्रीवास्तव, नेहा जायसवाल ने शिव एवं प्रभु श्रीराम के भजनों से शुरुआत कर भजन कीर्तन किया भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कत्थक नृत्यांगना श्रेया चित्रांशी ने शिव तांडव पर भाव विभोर करने वाला नृत्य करके सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। आर्ट आफ लिविंग की महिला टीम संजीवनी की महिलाओं ने भी मां दुर्गा की स्तुति करते हुए अपना नृत्य प्रस्तुत किया। सुनील गुप्ता ने ध्यान के महत्व को बताते हुए सबको गुरुदेव की आवाज में ध्यान कराया जिसके बाद सबने स्वयं को तरोताजा महसूस किया। पवन जायसवाल, दिनेश अग्रहरि व मनोज सिंह ने श्वासों की प्रक्रिया, सुदर्शन-क्रिया के महत्व के विषय में बताया। श्रवण अग्रहरि एवं द्वारिका गुप्ता ने संघ के जिला प्रचारक राजीव नयन व आर.के.सिंह सहित आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विनीत चड्ढा ने आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने हेतु लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में आमंत्रित जिला प्रचारक राजीव नयन ने कार्यक्रम की अत्यंत प्रसंशा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से सामाजिक जुड़ाव होता है और परस्पर प्रेम होता है साथ ही उन्होंने कहा कि भारत आध्यात्मिक और संतों का देश है इस तरह के कार्यक्रमों से आध्यात्मिक और व्यक्तित्व विकास होता है।

पाल समाज के सम्मेलन में भाजपाईयों ने गिनाई उपलब्धियां

● मतदान में एकजुटता का परिचय देने का आहवान

फतेहपुर। शहर के सिविल लाइन स्थित एक लाज में आयोजित पाल समाज के सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उपलब्धियां गिनाने का काम किया। साथ ही बीस मई को होने वाले मतदान में एकजुटता का परिचय देने का आहवान किया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रयागराज ? से आई स्व. उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने भाग लिया। पूर्व मंत्री अयोध्या प्रसाद पाल ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने किया।

धनंजय पाल के नेतृत्व में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का 51 किलो की माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। समाज के लोगों ने मंच में पहुंचकर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि सहित मंच पर आसीन तमाम अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि पाल समाज को भाजपा ने बहुत कुछ दिया है। जिसकी सबसे बड़ी बानगी पार्टी के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल हैं। उन्होंने जयापाल का माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि पाल समाज को जो मान सम्मान भाजपा ने दिया है वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। यही कारण है कि पाल समाज एकजुट होकर भाजपा के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है।

पूर्व मंत्री अयोध्या प्रसाद पाल ने कहा कि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को भाजपा ने तीसरी बार प्रत्याशी बनाया है। उन्होने जनपद का चहुमुखी विकास कराया है। उन्होने कहा कि बीस मई को होने वाले मतदान में एकजुटता का परिचय दें। इस अवसर पर खागा विधायक कृष्णा पासवान, स्वामी शरण पाल, ओमपाल, रमेश पाल, राजकुमार पाल, अरविंद पाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

ईवीएम/वीवी पैट कटेगरी सी एवं डी की मशीनें 20 मई को कोषागार में रखी जाएंगी

कानपुर देहात। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र लखनऊ के निर्देशों के क्रम में डीएम ने अवगत कराया है कि लोस सामान्य निर्वाचन के प्रयोग हेतु कमिशनिग पोलिग पार्टी रवानगी, माकपोल के दौरान खराब मशीन कटेगरी सी तथा रिजर्व मशीने कटेगरी डी की मशीने 45 जालौन (अजा) के अन्तर्गत 208 भोगनीपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की मशीने कलेक्ट्रेट भवन के कोषागार के निकट 02 कक्षों में रखे जाने हेतु निर्धारित किया। नारायण दास अहिरवार, 1260 राजेन्द्र नगर, उरई, उप्र, भानु प्रताप सिंह वर्मा, 183, मालवीय नगर कॉच जालौन उप्र, सुरेन्द्र चन्द्र गौतम 10/57 सेक्टर 08 से 10 इन्द्रानगर लखनऊ, नगेन्द्र कुमार, राजेन्द्र नगर 1424, जालौन, प्रेमलता वर्मा म.नं. 3131 शान्ती नगर जालौन, बृज मोहन 1081, शान्ती नगर ऊरई जालौन को उक्त कटेगरी सी तथा रिजर्व कटेगरी डी की मशीने 20.5.2024 को सायंकाल से रखे जाने तक एवं स्ट्रॉग रूम सील के समय उपस्थित रहे।

अभियुक्त के कब्जे से कुल 250 लीटर अवैध पैट्रोलियम पदार्थ किया गया बरामद

● पुलिस व पूर्ति विभाग की संयुक्त कार्यवाही से पैट्रोलियम पदार्थ को टैंकरों से चोरी कर नाजायज लाभ कमाने के उद्देश्य से विक्रय व भंडारण करने के सम्बन्ध में 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता। कानपुर देहात

अपराध नियन्त्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना गजनेर पुलिस व पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए दिनांक 14.05.2024 को मुखबिर खास की सूचना पर पैट्रोलियम पदार्थ को टैंकरों से चोरी कर नाजायज लाभ कमाने के उद्देश्य से विक्रय व भण्डारण करने वाले अभियुक्त महेन्द्र कुमार पाल पुत्र श्री मौजीलाल पाल निवासी ग्राम व पोस्ट टिकरा थाना बिठूर जनपद कानपुर नगर को ग्राम लोदीपुर निकट फूलेश्वर इण्टर कालेज के पास प्रधान ढाबा के पास से 250 लीटर अवैध पैट्रोलियम पदार्थ (5 कट्टियों में लगभग 40.40 लीटर व 2 कट्टियों मे लगभग 25.25 लीटर) के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना गजनेर पर मु0अ0स0.110ध्2024 धारा 41/413 भादवि व 3ध्7 आवश्यक वस्तु अधिनियम पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

दबंगो की मारपीट से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

संवाददाता। राठ (हमीरपुर)

दबंगो ने दलित युवक को पिटाई कर जख्मी कर दिया जिसका इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। इसके बाद उक्त युवकों ने शव को गांव में जलने नहीं दिया और राठ के मोक्षधाम में शव फेंककर भाग गए। इसके बाद स्वजनों को सूचना दी।क्षेत्र के ददरी गांव निवासी तुलसिया ने बताया कि 25 वर्षीय पुत्र मुकेश को पिछले दिनों गांव के करन यादव की दुकान पर था। तभी गांव की निशा व उसकी मां शिला ने बुलाया और घर ले गए थे। जहां पर पहले से घात लगाए बैठे गांव के महिलाओं सहित आठ लोग ने हथौड़ा व कुल्हाड़ी से जान से मारने की नियत से मारपीट कर दी थी। खून से लथपथ पुत्र मुकेश को घर के बाहर फेंक गए।

घायल मुकेश को सीएचसी में भर्ती कराया था। जहां से उरई, झांसी और फिर ग्वालियर रेफर किया गया था। जहां सोमवार को ग्वालियर में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की मां तुलसिया ने गांव की निशा, शीला, मातादीन, मलखान, गोविन्द, पप्पू, देवीदीन, औड़ेरा गांव निवासी अरविंद के विरुद्ध बलवा, मारपीट और एससी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। इधर आरोपित मुकेश का इलाज कराने ग्वालियर ले गए थे। जहां मौत के बाद उसके शव को गांव में जलने नहीं दिया और उसके शव को राठ के मोक्षधाम में फेंककर भाग गए। इसके बाद स्वजनों को सूचना दी। कोतवाल उमेश सिंह ने क्राइम इंस्पेक्टर दिनेश कुमार पांडेय पुलिस सहित मौके पर पहुंचे और शव को गांव ले गए हैं। मामले की जांच कराई जा रही है।

जघन्य हत्याकांड के सात आरोपी हुये दोषसिद्ध

● फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई 10-10 वर्ष कैद की सजा, छिबरामऊ में तीन वर्ष पूर्व हुई थी वारदात

हत्यारोपियों ने इस वर्ष ईद पर भी पीड़ित पक्ष के युवक की कर दी थी हत्या

संवाददाता। कन्नौज

जनपद के छिबरामऊ कस्बे में एक युवक की हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सात लोगों को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। सभी आरोपियों पर जुर्माना भी लगाया। आरोपियों पर पीड़ित पक्ष के एक अन्य युवक की हत्या का भी आरोप है जिसकी विवेचना जारी है।

छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के चौधरियान मोहल्ला निवासीगण इरशाद खान, जुल्फिक्कार, हाशिम, राशिद, शाहनवाज उर्फ शानू, शीबू व अरशद से मोहल्ले के ही शहजाद के भांजे सोहेल से 27 अप्रैल 2021 की रात किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। कहासुनी और गाली-गलौज होने पर इरशाद खान, जुल्फिक्कार, हाशिम, राशिद, शाहनवाज उर्फ शानू, शीबू व अरशद लाठी-डंडा लेकर आ गए थे और उन्होंने बेहरमी से सोहेल की पिटाई कर दी थी। बीच बचाव करने आये नोमान, जीशान व उसके परिजनों को भी बेरहमी से मारा पीटा। इस मामले को लेकर सोहेल के मामा शहजाद अहमद ने छिबरामऊ कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर सात लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शासकीय अधिवक्ता संत कुमार दुबे ने बताया कि युवक की हत्या के मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश हरेंद्रनाथ के न्यायालय में चल रही थी। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर सात लोगों को दोषी करार देते हुए उन्हें 10-10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। दोषियों पर 7-7 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न देने पर छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी।

हत्यारोपियों ने ईद पर कर दी थी मृतक के भाई की हत्या

कन्नौज। कोर्ट द्वारा दोषसिद्ध किए गए हत्यारोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास भी है। मोटर साइकिल मैकेनिक होने के बावजूद अपराध जगत से हत्यारोपियों ने करोड़ों की संपत्ति बना ली। हालाँकि पुलिस द्वारा वर्ष 2021 में ही गैंगस्टर लगाकर हत्यारोपियों की सारी संपत्ति कुर्क कर दी थी। इससे पूर्व हत्यारोपी पर एक बच्चे का अपहरण और हत्या का भी आरोप लगा था। हाल ही में ईद पर हत्यारोपी इरशाद, जुल्फिक्कार ने अपने साथियों के साथ मिलकर मृतक के मामा की हत्या कर दी थी। जिस मामले में विवेचना चल रही है। मृतक के परिजनों ने बुधवार को आये निर्णय पर संतोष जताते हुए कहा कि न्याय की जीत हुई।

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ दुष्कर्म का आरोपी

सुमेरपुर। बीती 9 मई को खेतों में पिता को भोजन देने जा रही किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बांदा मार्ग में बरगदिया मोड़ के पास से पुलिस पर फायर किया था। जिसके जवाब में पुलिस ने मुठभेड़ कर उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है। पारा गांव की एक नाबालिग किशोरी खेतों में बने नलकूप में पिता को दोपहर में खाना देने जा रही थी। तभी उसे ललपुरा क्षेत्र के पौथिया गांव निवासी अभिषेक सचान ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया था मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करायी गयी थी। आरोपी बांदा मार्ग में दोपहर करीब डेढ़ बजे बरगदिया मोड़ के पास मौजूद था।तभी पुलिस ने उसे ललकारा तो आरोपी ने फायरिंग शुरु कर दी। पुलिस ने जवाब में फायरिंग की जिससे उसके दाहिने पैर पर लगी।

क्विक न्यूज

पराली की आग ने धारण किया विकराल रुप, की शिकायत

मौदहा, हमीरपुर। तहसील क्षेत्र के एक गांव में खेत मालिक के कहने पर उसके बोरिंग में काम करने वाले युवक ने खेतों में खड़ी पराली में आग लगा दी आग ने विकराल रूप धारण करते हुए गांव के नजदीक तक पहुंच गई जिसके बाद काफी मशक्कत कर ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया और उपरोक्त खेत मालिक तथा काम करने वाले युवक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करायी है। बिवांर थाना क्षेत्र के असुई गांव के ग्रामीणों ने बताया कि 14 मई को उन्होंने गांव के बाहर आग को विकराल रूप धारण किये देखा जिसको गांव की महिलाओं तथा पुरूषों एवं छोटे-छोटे बच्चों ने पानी ढो ढोकर बुझाया और आग लगने के कारण का पता किया तो खेत मालिक यूसुफ ठेकेदार के नौकर मइयादीन ने बताया कि खेत मालिक के कहने पर उसने आग लगाई है तथा पूर्व में भी कई बार ऐसी घटना होने की बात कहते हुए आधा सैकड़ा ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी तथा बिवांर पुलिस को शिकायती पत्र देकर उपरोक्त खेत मालिक को इस प्रकार की पुनरावृत्ति न करने तथा कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

बालिका का शव मिलने से सनसनी फैली

सुमेरपुर। थाना सुमेरपुर क्षेत्र के इंगोहटा गांव में खेत में एक बालिका का शव मिलने से सनसनी फैल गयी।परिजनों ने मौत का कारण मानसिक बीमारी के चलते कीटनाशक पदार्थ का सेवन करना बताया है, गांव के जयप्रकाश मिश्रा का निजी नलकूप है। जिसमें वह परिवार सहित रहता है। उसके चार बेटियां व दो बेटे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात करीब नौ बजे वह पत्नी सहित बच्चों के साथ खाना खाने के बाद सो गए। सुबह जगने पर जब खुशी मिश्रा(16) अपने बिस्तर पर नहीं मिली तो उसकी तलाश शुरू की गई। तब उसका शव नलकूप से करीब 500 मीटर दूर बंधी किनारे विंदा प्रजापति के खेत में पड़ा मिला। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सेवानिवृत्त चालक की पुत्री ने फांसी लगाकर जान दी

राठ। कस्बे के दीवानपुरा मोहल्ले में रिटायर्ड रोडवेज चालक की पुत्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। दीवानपुरा मोहल्ला निवासी 28 वर्षीय रेखा पुत्री बद्री अहिरवार ने मंगलवार की रात आंगन में दुपट्टे से पंखा डालकर फांसी लगा ली। सुबह जब स्वजनों ने युवती को फांसी पर लटका देखा तो हड़कंप मच गया। मृतका के चचेरे भाई लखन ने बताया कि उसके ताऊ रोडवेज बस में चालक थे। जो रिटायर्ड हो गए हैं। मृतका अपने पीछे तीन भाई राकेश, मुकेश, राजेश रोता बिलखता छोड़ गई है। पुत्री की मौत पर मां मिथिला का रो रोकर बुरा हाल है। स्वजन घटना को लेकर शांत थे। कोतवाल उमेश सिंह ने कहा कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

मार्ग दुर्घटना में दो लोग हुये घायल

रसूलाबाद कानपुर देहात। पिकअप की टक्कर से पड़ियापुर निवासी सूरज पुत्र मजनू घायल हुए। वह साइकिल से अनाज लेने गया था और दूध डेयरी के निकट झींझक की ओर से आई पिकअप ने टक्कर मार दी। हालांकि खुद पिकअप चालक एम्बुलेंस की सहायता से उसे सीएचसी ले गया। डॉ ब्रजेश कुमार ने उसे हैलट रिफर किया। इसी प्रकार उसरी निवासी शीलू पाल पुत्र शिवपाल भी सड़क दुर्घटना में घायल हुआ।

संदिग्ध हालत में युवक ने लगाई फांसी

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर मोहल्ला निवासी राम सुमेर सिंह के 26 वर्षीय पुत्र अमर जीत सिंह ने घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर लिया। परिजनों ने अमरजीत को जब फांसी के फंदे से लटका हुआ देखा तो घर में हड़कम्प मच गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी रामसनेही का 58 वर्षीय पुत्र संत कुमार साइकिल पर सवार होकर किसी काम से जा रहा था। जब वह थाना क्षेत्र के सुकेती पेट्रोल पंप के समीप पहुंचा तभी अज्ञात वाहन उसकी साइकिल को टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी परिजनों को हुई तो घर में कोहरा मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फांसी लगाकर अधेड़ ने की आत्महत्या

फतेहपुर। थरियांव क्षेत्र के बीबीहॉट गांव निवासी शिवराम के 52 वर्षीय पुत्र धर्मपाल ने घर के अंदर सन्दिग्ध अवस्था में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों ने जब धर्मपाल को फांसी के फंदे से लटका हुआ देखा तो घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

निघासन पुलिस ने दबोच लिया पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त

निघासन खीरी। मुखबिर की सूचना पर निघासन पुलिस बल द्वारा पाक्सो एक्ट के वांछित को धर दबोचा गया। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा वारंटी वांछित तथा संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ संचालित अभियान के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी प्रवीण कुमार यादव के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक एसके मिश्र के मार्गदर्शन में निघासन पुलिस बल द्वारा पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त संतराम पुत्र महादेव निवासी ग्राम ओरी पुरवा को मुखबिर की सूचना पर चूरा टांडा पुलिया से गिरफ्तार किया गया। 15 अप्रैल को वादी द्वारा दी गई तहरीरी सूचना के अनुसार उक्त अभियुक्त वादी की नाबालिक पुत्री को भाग ले गया है इस संबंध में थाना निघासन पर मुअसं 108/2024 363, 366 भादंवि बनाम संतराम आदि चार नफर पंजीकृत हुआ। पाक्सो एक्ट संबंधी अपराध भी पाया गया। सब इंस्पेक्टर थाना निघासन आदित्य कुमार यादव तथा कांस्टेबल राहुल कुमार शामिल रहे ।

पीएम मोदी की चुनावी रैली को सुरक्षा का जायजा लेने आया एसपीजी का हेलीकाप्टर

एसपीजी का हेलीकॉप्टर

राठ (हमीरपुर)। आगामी 17 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। एसपीजी सुरक्षा सहित अन्य टीमों ने डेरा डाल लिया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात हो गए हैं। बुधवार को स्वामी ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज के मैदान में ट्रायल के रूप में हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर उतरा। उसमें आए कमांडो ने डीएम, एसपी से वार्ता की। भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आगामी 17 मई शुक्रवार को स्वामी ब्रह्मानंद इंटर कालेज के क्रीड़ा स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली होनी है। बीएनवी डिग्री कॉलेज के मैदान में तीन हेलीपैड का निर्माण हो चुका है। जबकि एक हेलीपैड इंटर कॉलेज के खेत में बनाया गया है।

एसपीजी की टीम की देखरेख में हेलीपैड और सभा स्थल बनाया गया है। बुधवार को तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। वायुसेना के हैलीकॉप्टर से उतरे कमांडो ने डीएम व एसपी से बातचीत कर जानकारी ली। 32 मिनट के बाद 3 बजकर 20 मिनट पर हेलीकॉप्टर चला गया। हैलीकॉप्टर को देखने के लिए सड़क सैकड़ो की भीड़ लग गई।

अतर्रा हिंदू इंटर कालेज मैदान में जनसभा को संबोधित करने पहुंची बसपा सुप्रीमो

संवाददाता। बाँदा

हमारी पार्टी कांग्रेस, बीजेपी या अन्य पार्टियों के साथ मिलकर नहीं बल्कि अकेले लड़ रही है, हमने टिकट बटवारे में सर्वमाज को मौका दिया है। आजादी के बाद कांग्रेस के पास सत्ता रही, भ्रस्टाचार व गलत नीतियों की वजह से सत्ता से बाहर हुई ठरच जातिवादी, साम्प्रदायिक, राजनीती और कथनी करनी में अंतर की वजह से इरच वापस नहीं आएगी। अगर चुनाव फेयर होता है तो हम जीतेंग ठरच ने देश के गरीबों मजदूरों को अच्छे दिन के वादे किए है व सब ज़मीन में फेल है। ठरच ने पूंजीपतियों को मालामाल किया है और इन्हे बचायाहै चंदा के सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट और मीडिया से पता चला है की इेच को छोड़ कर सभी पार्टियों ने पूंजीपतियों से धन लिया है।

ठेच ने किसी पूँजीपति से एक रुपए नहीं लिया है। कांग्रेस की तरह इरच भी जाँच येंजेसी का राजनैतिक स्तेमाल किया है। हमने को अपनी सत्ता में विशेष ध्यान दिया है। आरक्षण का कोटा अभी नहीं भरा गया है, सपा की सरकार में के सरकारी पदों के आरक्षण को खत्म कर दिया।

ब्राम्हण समाज से कहना चाहती हूं की सपा और इरच सरकार में ब्राम्हणो का शोषण व उत्पीड़न हुआ है लेकिन हमारी सरकार में ब्राम्हणो के साथ अन्याय नहीं हुआ है। सरकार में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ी है मीडिया का उपयोग कर रही है। केंद्र द्वारा देश में गरीब परिवारों को राशन दिया जा रहा है उससे भला नहीं होने वालाए जो राशन दिया जा रहा है वो इरच या नरेन्द्र मोदी जेब से नहीं दे रहें बल्कि जनता के टैक्स का पैसा है। देश व प्रदेश हित में बसपा को वोट करें बुंदेलखंड अलग राज्य बनाने का वादा किया।

चुनाव बाद चौपाल लगाकर, लगा रहे जीत हार की चर्चा

मोहम्मदी खीर। धौरहरा लोक सभा का मतदान समाप्त होने के बाद तरह तरह की चर्चाओ केण्साथ साथ पार्टी के समर्थक और आम जनमानस गुणा गणित लगाने के चक्कर में फंसा हुआ है धौरहरा लोकसभा क्षेत्र में कल 11 लाख 6000 वोट पड़े पड़े जिसमें कुललगभग 55: मतदान हुआ, भाजपा सपा और बसपा के प्रत्याशियों ने दिन रात एक करके खूब मेहनत की एवही भीतरघात करने बालों के चेहरे भी सामने आऐए समाजवादी पार्टी को समाजवादी पार्टी का मूल मतदाता के अतिरिक्त सभी समाज के लोगों का मत मिलने की बात की जा रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के साथ.साथ राम मंदिर पर वोट मागते दिखाई दिए। बहुजन समाज पार्टी अपने सजातीय वोटो के साथ.साथ बसपा का मूल कैडर और मुस्लिम मतदाताओं पर आस लगाए बैठा थाए जिसमें उसे बसपा के मूल मतदाताओं के साथ.साथ ब्राह्मण वोटो का भरपूर साथ दिखाई दिया जो मतो में परिवर्तित होने की बात कही जा रही है, इस चौथे चरण के चुनाव में महंगाईए नौकरी एनौजवानों को शिक्षा स्वास्थ्य और किसानों के नाम पर समाजवादी पार्टी ने वोट मांगे एजिसका लाभ मतदान के दिन दिखाई पडा। भाजपा ने धौरहरा लोक के हर शहर गांव मे भाजपा के स्तर स्टार प्रचारको की एक फौज उतार दी, तथा भाजपा के मूल वोटरों के साथ अन्य के मत मिलने की चर्चाऐ है, परंतु जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन तथा प्रेस क्लब सहित अन्य लोगों ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर मत प्रतिशत को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धौरहराण्लोकसभा क्षेत्र में जबरदस्त वोटिंग दिखाई दे कुल मिलाकर 4 जून को परिणाम आएगा परंतु उससे पूर्व नगरए ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर लोग अपने.अपने प्रत्याशियों को जीतने हारने का काम लगातार करके दिखाई दे रहे हैं।

पीएम का कार्यक्रमः बन्द रहेंगे खनिज खनन केन्द्र

फतेहपुर। जिलाधिकारी श्रीमती सी. इंदुमती ने बताया कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के जनपद आगमन पर सामान्य जनमानस के आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने के दृष्टिगत जनपद महोबा, हमीरपुर, बांदा, झांसी एवं जालौन आदि जनपदों से उपखनिज बालू/मोरम व गिट्टी लदे हुए ट्रकों का प्रवेश जनपद सीमा में 15 मई की रात्रि 11.30 बजे से 17 मई की रात्रि 09 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने जनपद के समस्त खनन पट्टाधारकों, भण्डारण अनुज्ञप्तिधारियों, अनुज्ञा पत्र धारकों को निर्देशित किया है कि उक्त के दृष्टिगत उपरोक्त समयावधि में खनिज की निकासी/परिवहन किसी भी दशा में न करे।

बिजली टावर पर चढ़कर मजदूर ने फांसी लगाकर दी जान

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के कबीरपुर मंसूरपुर गांव निवासी रामकिशन के 40 वर्षीय पुत्र जितेंद्र ने कोतवाली क्षेत्र के चौफेरवा गांव के समीप बिजली टावर पर चढ़कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है। वही परिजनों ने बताया मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। आज सुबह शहर मजदूरी के लिए घर से निकला था और लगभग 9 बजे उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

पीएम की जनसभा को लेकर हुआ रूट डायवर्जन, आज मध्य रात्रि से होगा प्रभावी

फ़तेहपुर। सत्रह मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुनावी जनसभा भ्रमण शहर के मदारीपुर कला ग्राम में प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु 16 मई की मध्य रात्रि से समस्त भारी वाहन व 17 मई को प्रात: 08 बजे से सभी प्रकार के छोटे वाहनों का प्रवेश डायवर्जन किये जाने एवं भारी वाहनो को सम्बन्धित दिये गये रूट से डायवर्जन कराये जाने का फ़रमान जारी हो गया है। रूट डायवर्जन के तहत् कानपुर से प्रयागराज को जाने वाले वाहन का डायर्वजन- कानपुर से प्रयागराज जाने वाले वाहनो का डायवर्जन रामादेवी चौराहा-जाजमऊ से बंदर का मोड़ उन्नाव अचलगंज बीघापुर लालगंज ऊंचाहार कुण्डा-लाल गोपालगंज से नवाबागंज प्रयागराज होकर परिवहन करेंगे। प्रयागराज एवं वाराणसी से कानपुर जाने वाले वाहन का डायवर्जन प्रयागराज के नवाबगंज बाईपास से लालागोपालगंज कुण्डा ऊचाहार लालगंज बीघापुर अचलगंज बंदर का मोड़ से जाजमऊ रामादेवी से अपने गंतव्य को जाएंगे।

प्रयागराज शहर एवं कौशाम्बी जनपद से कानपुर जाने वाले भारी वाहनो का डायवर्जन थाना सैनी जनपद कौशाम्बी से किया जायेगा जिसका मार्ग सैनी मानिकपुर ऊंचाहार-लालगंज-बीघापुर अचलगंज बंदर का मोड़ से जाजमऊ रामादेवी कानपुर से अपने गंतव्य को जाएंगे। हमीरपुर से प्रयागराज को जाने वाले वाहन हमीरपुर से आने जाने वाले वाहनो का डायवर्जन, घाटमपुर रमईपुर नौबस्ता रामादेवी जाजमऊ से बंदर का मोड़ अचलगंज बीघापुर लालगंज ऊंचाहार कुण्डा लाल गोपालगंज नवाबागंज प्रयागराज होकर जाएंगे एवं इसी रास्ते से वापस भी आयेगें। बाँदा से लखनऊ जाने वाले वाहनों का डायवर्जन बाँदा जनपद भारी वाहनो को चिल्लापुल की ओर भेजेंगे जिनका मार्ग ललौली बिंदकी चौडगरा बक्सर मोड भगवंतनगर बिहार कस्बा मौराँव एवं मोहनलालगंज होकर लखनऊ को जाएंगे और इसी रास्ते से वापस भी आयेंगे।

बाँदा से प्रयागराज कि ओर फ़तेहपुर होकर जाने वाला भारी वाहन बाँदा कर्वी चित्रकूट राजापुर चित्रकूट कौशाम्बी होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। जनपद रायबरेली से बाँदा-हमीरपुर जाने वाले भारी वाहन का आवागमन लालगंज रायबरेली बिहार कस्बा भगवन्त नगर बक्सर मोड़ चौडगरा से बिंदकी एवं जहानाबाद होकर हमीरपुर एवं बाँदा की ओर परिवहन करेंगे। जनपद रायबरेली डलमऊ हुसैनगंज फ़तेहपुर होकर आने वाले भारी वाहनो का डायवर्जन लालगंज रायबरेली बिहार कस्बा भगवन्तनगर बक्सर बक्सरमोड़-चौडगरा से बिंदकी एवं जहानाबाद होकर हमीरपुर एवं बाँदा की ओर परिवहन करेंगें। जनपद बाँदा हमीरपुर कौशाम्बी कानपुर रायबरेली से जनसभा में आने वाले वाहनो को छोड़ कर समस्त प्रकार के वाहनों पर प्रतिबन्ध रहेगा। 16 मई की मध्य रात्रि से सभी भारी वाहन व 17 मई को प्रात: 08 बजे से समस्त प्रकार के छोटे वाहनो का प्रवेश डायवर्जन किये जाने एवं भारी वाहनो को रूट डायवर्जन के अनुसार परिवहन करेंगे।

जनपद मे किये जाने वाला डायवर्जन: बक्सरमोड थाना कल्याणपुर हमीरपुर बाँदा की ओर से आने वाले वाहनो को बक्सर मोड से बक्सर-भगवंतनगर- बिहार कस्बा- मौराँव एवं लालगंज होकर लखनऊ को जाएंगे और आयेंगे। खागा नौबस्ता बाईपास, थाना-खागा कौशाम्बी से आने वाले भारी वाहनो को नौबस्ता बाईपास से चौकी चौराहा, थाना- सुल्तानपुर घोष-हथगाँव-हुसैनंगज सातमील से लालगंज की और डायवर्जन किया जाएगा। सातमील बाईपास डायवर्जन-रायबरेली के तरफ से आने वाले वाहनो को लालगंज की ओर डायवर्जन किया जाएंगा। बहुआ चौराहे से डायवर्जन-बाँदा की ओर से आने वाले वाहनो का डायवर्जन ललौली- बिंदकी-चौडगरा किया जाएगा। गाजीपुर चौराहे से बाँदा औगासी की ओर से आने वाले भारी वाहनो को बहुआ की ओर डायवर्जन किया जाएगा जो बिंदकी चौडगरा हो कर अपने गन्तव्य को जाएंगे। लखनऊ बाईपास - कानपुर से आने वाले वाहनो का डायर्जन हुसैनंगज से रायबरेली या हथगाँव चौकी चौराहा, से नौबस्ता बाईपास खागा के लिये किया जाएगा। इस व्यवस्था में आपात चिकित्सा सेवा से संबंधित एंबुलेंस, मरीजों को ले जाने वाले वाहन व अन्य अतिआवश्यक कार्य सरकार से जाने वाले सरकारी वाहन (वीआईपी) उक्त डायवर्जन प्रक्रिया से प्रभावित नहीं होंगे उनका मार्ग यथावत राष्ट्रीय राजमार्ग से ही रहेगा।

यह चुनाव राम विरोधियों को दंडित करने के लिए

भाषा। मोतिहारी (बिहार)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर बुधवार को करार प्रहार करते हुए कहा कि यह चुनाव उन लोगों को जवादेह ठहराने के लिए है जिन्होंने राम के मूल मूल्यों, राष्ट्रवाद, आरक्षण, सनातन धर्म और संविधान का विरोध किया और देश को विकसित भारत बनाने के केंद्र के मिशन में बाधा डाली। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सहित विपक्षी नेताओं पर युवाओं को रोजगार देने के नाम पर मतदताओं को भ्रमित करने का आरोप लगाया। शिवहर लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार लवली आनंद के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, वे गरीबों को नौकरी देने से पहले उनकी जमीन ले लेंगे। अगर कोई गरीबों की भलाई कर सकता है तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राजग सरकार है।

नड्डा का इशारा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के मनमोहन सिंह सरकार में रेल मंत्री रहने के दौरान कथित तौर पर हुए नौकरी के बदले जमीन घोटाले की ओर था। इस घोटाले की जांच वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। उन्होंने कहा, जब सोनिया गांधी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की अध्यक्ष थीं तक भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया गया और तत्कालीन सरकार ने अदालत में हलफनामा देकर भगवान राम को काल्पनिक बताया। यह चुनाव उन लोगों को दंडित करने के लिए है जो राम विरोधी, राष्ट्र विरोध, आरक्षण विरोधी, सनातन धर्म विरोधी और संविधान विरोधी हैं। यह चुनाव उन लोगों को भी दंडित करने के लिए है जो देश को विकसित भारत बनाने की केंद्र की पहल का विरोध करते हैं।नड्डा ने कहा, तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया आदि से की। कांग्रेस के किसी भी नेता ने इसकी निंदा नहीं की। वे सनातन धर्म विरोधी हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि लालू प्रसाद नीत राजद वास्तव में रिश्वतखोर जंगलराज दल है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर भ्रष्ट लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके उलट मोदी देश से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और राजद सहित इंडिया गठबंधन के अधिकतर नेता जेल में हैं या बेल (जमानत) पर हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसा प्रधानमंत्री है जो देश के लिए काम करता है जबकि दूसरी ओर इंडिया गठबंधन परिवार बचाओ, डायनेस्टी (वंश) बचाओ गठबंधन है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव जमानत पर हैं। उन्होंने दोहराया कि भाजपा नीत राजग बिहार की सभी 40 सीट सहित देश में 400 से अधिक लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी। नड्डा ने दावा किया कि बिहार का विकास केवल राजग शासन में हुआ है। उन्होंने कहा, बिहार के पूर्ण विकास के लिए केंद्र से तीन लाख करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। नड्डा ने कहा, मोदी का

ममता का घुसपैठ पर नरम रुख: नड्डा

रघुनाथपुर, विष्णुपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर घुसपैठ के मुद्दे से समझौता करने और अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के करीब एक दशक के शासन में पश्चिम बंगाल से एक के बाद एक कांड सामने आ रहे हैं। पुरुलिया में पार्टी उम्मीदवार ज्योतिर्मॉय महतो के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के बिखरे हुए घटक अपनी स्वार्थ प्रेरित इच्छाओं की पूर्ति के लिए केंद्र में मजबूर सरकार बनाना चाहते हैं, पश्चिम बंगाल की जनता ने पहले ही मजबूत सरकार की अपनी मंशा व्यक्त कर दी है।नड्डा ने ममता बनर्जी पर पश्चिम बंगाल को आतंकवादियों की पनाहगाह में तब्दील करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ममता दीदी की सरकार घुसपैठ के मुद्दे पर नरम है जबकि अल्पसंख्यकों की तुष्टीकरण की नीति पर चल रही है। तृणमूल कांग्रेस पर लगे कथित भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में उन्होंने कहा, शिक्षक भर्ती से लेकर लिपिक नियुक्ति धोखाधड़ी तक, कोयला से मवेशी तस्करी तक एक के बाद एक घोटाले हो रहे हैं। उनकी पार्टी के नेता और मंत्री विभिन्न घोटालों में गिरफ्तार हुए हैं। ममता दीदी का शासनकाल भ्रष्टाचार और आतंक का पर्याय बन गया है। नड्डा ने कहा कि ममता बनर्जी के शासनकाल में संदेशखालि जैसी घटनाएं हुईं जो पूरे देश को शर्मिंदा करने वाली थीं। उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों से सवाल करते हुए कहा, दुर्भाग्य से वह संदेशखालि में महिलाओं का उत्पीड़न करने वालों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। क्या बंगाल की जनता इस तरह का शासक चाहती है? भाजपा उम्मीदवार सौमित्र खान के समर्थन में विष्णुपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, शाहजहां शेख जैसे तृणमूल कांग्रेस नेताओं के घरों से बम और हथियारों की बरामदगी दिखाती है कि ममता बनर्जी की छत्रछाया में कैसे चीजें होती हैं और वह एक शब्द तक नहीं कहतीं। उन्होंने कहा कि राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत छह करोड़ लोगों को पांच किलोग्राम चावल और एक किलोग्राम दाल मिल रहा है और ममता बनर्जी की सरकार को चावल चोर का उपनाम मिला है। नड्डा ने कहा, चावल भेजे मोदी, चोरी करे दीदी। उन्होंने पीडीएस घोटाले से जुड़े मामले में पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक की गिरफ्तारी को याद किया।

नड्डा ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिली राशि का गबन करने और स्कीम का नाम बदलकर बंगाल आवास योजना करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल द्वारा सामाजिक कल्याण की परियोजनाओं को पटरी से उतारने की कोशिश किए जाने के बाद भी मोदी सरकार ने गरीबों के लिए 52 लाख घर बनाए हैं। केंद्र की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए एक समुदाय को दूसरे के सामने खड़ा किया।

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष राज्य के किसानों को गत तीन साल से किसान निधि का लाभ लेने से रोक रही हैं और कई सालों से लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ लेने से वंचित कर रही हैं। उन्होंने कहा, मोदी ने धर्म आधारित राजनीति और तुष्टीकरण के युग का समापन किया है और नए तरीके के शासन पर सूत्रपात किया है जो प्रदर्शन एवं जवाबदेही पर आधारित है। नड्डा ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और चीन की अर्थव्यवस्था ढलान पर है जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ऊंचाई पर जा रहा है और दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।

न्यायालय ने साढ़े सात लाख मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंस से की: प्रधान न्यायाधीश

भाषा। नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 7,50,000 से अधिक मामलों की सुनवाई की और।1,50,000 से अधिक मामले ऑनलाइन दायर किए गए। उन्होंने कहा कि यह सब इसीलिए हो पाया क्योंकि प्रौद्योगिकी ने न्यायपालिका समेत कानून और प्रवर्तन एजेंसियों के बीच नए आयाम स्थापित किए हैं। डिजिटल परिवर्तन और न्यायिक दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग विषय पर रियो डी जनेरियो में आयोजित जे20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीजेआई ने भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया और कहा, ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई ने उच्चतम न्यायालय तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना दिया है। जे20 उच्चतम न्यायालयों या जी20 सदस्य देशों की संवैधानिक अदालतों के प्रमुखों का एक शिखर सम्मेलन है और ब्राजील की जी20 की अध्यक्षता के आलोक में इस वर्ष इसका आयोजन ब्राजील के संघीय उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि भारतीय उच्चतम न्यायालय का वाद प्रबंधन तंत्र फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (एफओएसएस) पर विकसित किया गया है और यह दुनिया में सबसे बड़ा वाद प्रबंधन तंत्र है। न्यायामूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि महामारी के बाद भी प्रत्यक्ष और ऑनलाइन तरीके से सुनवाई (हाईब्रिड सुनवाई) भारतीय अदालतों की विशेषता बन गई है और ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई से उन लोगों को खासा फायदा हुआ जिन्हें प्रत्यक्ष रूप से अदालत में पेश होने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

जीएसटी के सभी मामलों में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं: उच्चतम न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के सभी मामलों में गिरफ्तारी की कोई जरूरत नहीं है और ऐसा तभी किया जा सकता है जब दोष साबित करने के लिए पक्के सबूत और ठोस सामग्री हो। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सीमा शुल्क अधिनियम और जीएसटी अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की संवैधानिक वैधता और व्याख्या को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि गिरफ्तारी की शक्ति गिरफ्तारी की जरूरत से अलग है। पीठ ने सरकार की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से कहा, कानून यह नहीं कहता है कि जांच पूरी करने के लिए आपको गिरफ्तार करने की जरूरत है। कानून का यह उद्देश्य नहीं है। जीएसटी के हरेक मामले में आपको गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। यह कुछ विश्वसनीय साक्ष्य और ठोस सामग्री पर आधारित होनी चाहिए। जीएसटी कानून के तहत गिरफ्तारी के प्रावधानों पर राजू से कई सवाल पूछने वाली पीठ ने कहा कि कानून ने खुद ही स्वतंत्रता को ऊंचे मुकाम पर रखा है और इसे कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि अधिकांश गिरफ्तारियां जांच के दौरान की जाती हैं क्योंकि किसी मामले में जांच पूरी होने के बाद कोई गिरफ्तारी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, गिरफ्तारी केवल संदेह पर आधारित नहीं है, यह उस समय की जाती है जब यह मानने के कई कारण हों कि यह किसी गंभीर अपराध के घटित होने का संकेत दे रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वास करने का कारण अपराध किए जाने की सख्त व्याख्या पर आधारित नहीं हो सकता है। इस दलील पर पीठ ने कहा, इस संबंध में निर्णय गिरफ्तारी से पहले होना चाहिए। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि वह सीमा शुल्क अधिनियम और जीएसटी अधिनियम के तहत विश्वास करने के कारण और गिरफ्तारी के आधार के सवाल की जांच करेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जहां जीएसटी अधिकारियों की मनमानी के कई मामले सामने आए हैं, वहीं करदाताओं की ओर से गलत काम करने के भी मामले हैं। पीठ ने कहा कि वह अपना फैसला देते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखेगी।

याचिकाकर्ताओं ने सीमा शुल्क अधिनियम और जीएसटी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देते हुए कहा है कि दोनों कानूनों के तहत गिरफ्तारी प्रावधानों का घोर दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने धमकाए जाने और उचित प्रक्रिया का पालन किए बगैर भुगतान के लिए मजबूर किए जाने का आरोप भी लगाया है। जीएसटी अधिनियम की धारा 69 गिरफ्तारी की शक्तियों से संबंधित है, जबकि सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 104 एक अधिकारी को किसी को गिरफ्तार करने की अनुमति देती है यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि उस व्यक्ति ने अपराध किया है। उच्चतम न्यायालय ने नौ मई को इस मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र से कहा था कि जीएसटी अधिनियम के तहत कोई भी गिरफ्तारी केवल संदेह के आधार पर नहीं बल्कि ठोस सामग्री के आधार पर और उचित प्रक्रिया के अनुपालन में होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने पहले केंद्र को निर्देश दिया था कि वह जीएसटी वसूली के लिए कारोबारियों के खिलाफ तलाशी और जब्ती अभियानों के दौरान धमकी और जबरदस्ती का इस्तेमाल न करे और उन्हें स्वेच्छा से बकाया चुकाने के लिए मनाए।

सुप्रीम कोर्ट ने अब्बास अंसारी को मुख्तार की प्रार्थना सभा में शामिल होने की अनुमति दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद विधायक अब्बास अंसारी को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित उसके आवास पर 10 जून को अपने दिवंगत पिता मुख्तार अंसारी की याद में आयोजित होने वाली एक प्रार्थना सभा में शामिल होने की बुधवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने अब्बास अंसारी को 11 जून और 12 जून को पुलिस हिरासत में अपने परिवार के साथ समय बिताने की भी अनुमति दी और राज्य पुलिस को इस संबंध में व्यवस्था करने का निर्देश दिया।उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया कि अंसारी को नौ जून से पहले गाजीपुर जेल में स्थानांतरित कर दिया जाए और बिना किसी बाधा के प्रार्थना सभा में शामिल होने की अनुमति दी जाए। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता को 10 जून की शाम छह बजे वापस गाजीपुर लाया जाएगा और 11 जून और 12 जून की सुबह नौ बजे उसे फिर से उसके घर ले जाया जाएगा और दोनों दिन परिवार और करीबी रिश्तेदारों के साथ समय बिताने की अनुमति दी जाएगी। उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) गरिमा प्रसाद ने कहा कि अब उसके पिता की मृत्यु से संबंधित सभी कार्यक्रम उसकी स्वयं की स्वीकारोक्ति के अनुसार संपन्न हो चुके हैं। एएजी ने पीठ से अपने आदेश में यह कहने का अनुरोध किया कि यह कोई मिसाल नहीं होगी क्योंकि राज्य में एक लाख से अधिक कैदी हैं और अदालत में ऐसे अनुरोधों की बाढ़ आ जाएगी। पीठ ने कहा, कानून एवं व्यवस्था से निपटने का मुद्दा आपके लिए है। हमें एक लाख लोगों को यह राहत देने में कोई आपत्ति नहीं है। अपराधी से नेता बने मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को उत्तर प्रदेश के बांदा के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी।

ईडी ने धन शोधन मामले में झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता एवं झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को धन शोधन मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यहां एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के दूसरे दिन लगभग छह घंटे तक किए गए सवाल-जवाब के बाद उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया गया। संघीय एजेंसी ने मंगलवार को उनसे नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी और उनका बयान भी दर्ज किया था। एजेंसी ने पिछले हफ्ते एक फ्लैट से 32 करोड़ से अधिक की नकदी जब्त करने के बाद आलम के निजी सचिव एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार लाल (52) तथा लाल के घरेलू सहायक जहांगीर आलम (42) को गिरफ्तार किया था।धन शोधन जांच राज्य ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं और रिश्वत लेने से संबंधित है। गिरफ्तार दोनों लोगों की रिमांड की मांग करते हुए, ईडी ने यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत को बताया था कि लाल ने कुछ प्रभावशाली लोगों की ओर से कमीशन एकत्र किया और ग्रामीण विभाग में ऊपर से नीचे तक के सरकारी अधिकारी कथित तौर पर रिश्वत लेने की सांठगांठ में शामिल हैं।

सीएए के तहत 14 लोगों को भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र सौंपे गए

भाषा। नई दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के लिए नियम अधिसूचित होने के करीब दो महीने बाद बुधवार को 14 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई। इसके साथ ही पड़ोसी देशों में प्रताड़ना के शिकार होकर भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया कि एक विशेष समारोह में 14 लोगों को प्रतीकात्मक रूप से प्रमाणपत्र सौंपे गए, जबकि डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र कुछ सौ अन्य आवेदकों को ईमेल के माध्यम से भी भेजे जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक दिन करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वाले लोगों का दशकों पुराना इंतजार खत्म हो गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने एक निर्दिष्ट पोर्टल के माध्यम से आवेदनों पर ऑनलाइन मंजूरी के बाद 14 लोगों को प्रमाण पत्र सौंपे।आम चुनावों के बीच यह कदम उठाया गया है। मतदान का पहला चरण 19 अप्रैल को हुआ था और अंतिम चरण का मतदान एक जून को होगा जबकि मतगणना चार जून को होगी। सीएए को 31 दिसंबर 2014 तक या उससे पहले भारत आए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रताड़ना के शिकार गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने के लिए दिसंबर 2019 में लाया गया था। इनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोग शामिल हैं। कानून बनने के बाद, सीएए को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई लेकिन जिन नियमों के तहत भारत की नागरिकता दी जानी थी, उन्हें चार साल से अधिक की देरी के बाद इस साल 11 मार्च को जारी किया गया। ग्यारह साल पहले पाकिस्तान के सिंध से आए भरत कुमार (24) ने नागरिकता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के कुछ मिनट बाद पीटीआई-भाषा से कहा, भारतीय होना बहुत अच्छा एहसास है। इसने मुझे एक नया जीवन दिया है। शाह ने कहा कि तीन देशों में धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई भाई-बहनों को नागरिकता मिलनी शुरू हो गई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आजादी के समय किया गया वादा पूरा किया है। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैं दशकों से पीड़ित इन लोगों को न्याय और अधिकार देने के लिए मोदीजी का आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपने सभी शरणार्थी भाइयों और बहनों को भी आश्वस्त करता हूं कि मोदी सरकार सीएए के माध्यम से उन सभी को नागरिकता देगी। मोदी की गारंटी...वादे पूरे करने की गारंटी है।

नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान करते समय, गृह सचिव ने 14 आवेदकों को बधाई दी और नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित किया। इस मौके पर सचिव (डाक), निदेशक (आसूचना ब्यूरो) और भारत के रजिस्ट्रार जनरल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सीएए के नियमों में आवेदन करने के तरीके, जिलास्तरीय समिति (डीएलसी) द्वारा आवेदन को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया और राज्यस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एसएलईसी) में आवेदनों की जांच और नागरिकता प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।

प्रवक्ता ने कहा, इन नियमों के लागू होने के बाद, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर के कारण 31 दिसंबर 2014 तक भारत आ गए थे। प्राधिकृत अधिकारियों के रूप में वरिष्ठ डाक अधीक्षकों या डाक अधीक्षकों की अध्यक्षता वाली डीएलसी ने दस्तावेजों के सफल सत्यापन के बाद आवेदकों को निष्ठा की शपथ दिलाई है। नियमानुसार आवेदनों पर कार्वाई के बाद, डीएलसी ने आवेदनों को निदेशक (जनगणना संचालन) की अध्यक्षता वाली राज्यस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एसएलईसी) को भेज दिया। आवेदनों पर कार्वाई पूर्णत: ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाती है। निदेशक (जनगणना संचालन), दिल्ली की अध्यक्षता में दिल्ली की अधिकार प्राप्त समिति ने उचित जांच के बाद 14 आवेदकों को नागरिकता देने का निर्णय लिया। इसी क्रम में, निदेशक (जनगणना संचालन) ने इन आवेदकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। वर्ष 2019 में सीएए के पारित होने के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था और प्रदर्शनकारियों ने इसे भेदभावपूर्ण करार दिया।

पेज 1 का शेष

ज्यातिरादित्य...

नेपाल के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली माधवी राजे सिंधिया ने 1966 में पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया से शादी की। उनके परिवार में उनके बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया और बेटी चित्रांगदा राजे सिंह हैं। उनके पार्थिव शरीर को बृहस्पतिवार सुबह ग्वालियर लाया जाएगा और जय विलास पैलेस के रानी महल में लोगों के सम्मान के लिए रखा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को ग्वालियर में अम्मा महाराज की छतरी पर किया जाएगा। दिवंगत राजमाता विजया राजे सिंधिया और उनके बेटे माधव राव सिंधिया का अंतिम संस्कार भी इसी स्थान पर हुआ था।

मालीवाल...

कल को उसका कोई एक्सीडेंट हो सकता है या उसके साथ कोई अचानक हादसा हो सकता है। स्वाति एक राज्यसभा सांसद है कोई आम महिला नहीं है। दिल्ली पुलिस को भी स्वत: संज्ञान लेकर घटना की जांच करनी चाहिए। उन्होंने स्वाति को भी समाने आ कर अपने मानसम्मान की लड़ाई लड़ने की बात कही। जयहिंद ने बताया कि उनका स्वाति के साथ वर्ष 2020 में तलाक हो गया था उसके बाद स्वाति के साथ उनका कोई सम्पर्क नहीं है। इसलिए ये उनकी पूर्व पत्नी का मामला नहीं बल्कि एक महिल एक सांसद का मामला है। अगर इस मामले का सच सबके सामने नहीं आया तो समाज में गलत संदेश जायेगा। जयहिंद ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह को केजरीवाल का तोता बताते हुए कहा कि संजय कैसे सांसद बने है। उन्हें बताने की जरूरत नहीं है। उनका बयान पूरे मामले की लीपापोती करना और इस साजिश को दबाने के लिए नाटक कर रहे हैं।

भाजपा...

अध्यक्ष कह रहे थे कि हम विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे थे। मैं पूछना चाहता हूं कि उनकी कौन सी विचारधारा है। उन्होंने हमेशा देश में हमेशा विभाजन की राजनीति की है। भारत के विभाजन से लेकर स्वार्थ के लिए भाषा, जाति और क्षेत्र के आधार पर बांटने का काम किया है। अब इनके पास कोई आधार नहीं बचा तो भारत की आस्था पर प्रहार करने लगे हैं। इनका इतिहास इस बात के लिए कलंकित है। इन्हें जब भी मौका मिलता है तो ये राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा देते हैं। सीएम ने कहा कि इनमें से एक श्रीराम के अस्तित्व को नकारता रहा है, जबकि दूसरा रामभक्तों पर गोली चलवाता था। सही मायनों में देखें तो अबतक जिस प्रकार की लहर देश में है, आज पूरा देश एक स्वर में कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार।

कांग्रेस मुसलमानों की तरफदारी करती है, मोदी किसी से भेदभाव नहीं करते : गिरिराज सिंह

पटना (भाषा)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर अल्पसंख्यकों की तरफदारी करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने मुसलमानों से कभी भेदभाव नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी मोदी के तीसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 400 से अधिक सीटें जीतने के साथ ही अयोध्या की तरह काशी और मथुरा में भी भव्य मंदिरों के निर्माण को लेकर उत्सुक है। सिंह ने पीटीआई वीडियो से कहा, जब मोदी ने गैस सिलेंडर, मुफ्त राशन, गरीबों के लिए घर और शौचालय जैसी सुविधाएं प्रदान की, तो कोई भेदभाव नहीं किया गया क्योंकि लाभार्थियों में हिंदू और मुस्लिम दोनों शामिल थे। पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री सिंह ने कहा, यह पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के विपरीत था, जब मुसलमानों को तरजीह दी गई और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक समुदाय का होने की खुले तौर पर वकालत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक जैसे राज्य में, जहां कांग्रेस सत्ता में है सभी मुसलमानों को हिंदू पिछड़े वर्गों का नुकसान करते हुए चुपचाप ओबीसी घोषित कर दिया गया और बिहार में कांग्रेस के राजद जैसे सहयोगी दल भी ऐसा ही करने का इरादा रखते हैं। भाजपा नेता ने कहा, 2019 में 300 से अधिक सीटें मिलने के बाद सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। इस बार, 400 से अधिक सीटों के साथ, सरकार विरासत (सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करते हुए तेज आर्थिक विकास) के साथ विकास की शुरुआत करेगी।

कांग्रेस के छह बागियों को टिकट देना भाजपा के लिए विनाशकारी होगा: मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला(भाषा)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपनी सरकार के स्थिर होने का दावा करते हुए कहा है कि राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस के छह बागियों को टिकट देना विपक्षी दल के लिए विनाशकारी साबित होगा। सुक्खू ने पीटीआई वीडियो से बात करते हुए कहा, कांग्रेस के छह बागियों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद, 62 सदस्ईय विधानसभा में हमारे पास 34 सदस्य हैं जबकि भाजपा के पास 25 सदस्य हैं। अगर हम यह भी मान लें कि भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के सभी छह बागी जीत जाते हैं, तो भी सदन में भाजपा के 31 सदस्य होंगे, वे अभी भी बहुमत से दूर हैं। उन्होंने दावा किया कि छह बागियों को न तो कांग्रेस कार्यकर्ता और न ही भाजपा कार्यकर्ता पसंद कर रहे हैं।

कांग्रेस के तत्कालीन छह विधायकों - राजिंदर राणा (सुजानपुर), सुधीर शर्मा (धर्मशाला), रवि ठाकुर (लाहौल एवं स्पीति), इंदर दत्त लखनपाल (बड़सर), चैतन्य शर्मा (गगरेट) और देविंदर कुमार भुट्टो (कुटलैहड़) ने 27 फरवरी को भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान किया था। इसके दो दिन बाद उन्हें विधानसभा में उपस्थित रहने और कटौती प्रस्तावों और बजट के दौरान सरकार के पक्ष में मतदान करने के लिए पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। ए बागी विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए और पार्टी ने उन्हें उनकी संबंधित विधानसभा सीट से उपचुनाव के लिए टिकट दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस के छह बागियों को टिकट देना पार्टी के लिए विनाशकारी साबित होगा क्योंकि भाजपा कार्यकर्ता इस फैसले से नाखुश हैं। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता भी बागियों से नाराज हैं। भाजपा इन सभी छह विधानसभा सीटों पर हारेगी। उन्होंने कहा कि राजनीति में समय और परिस्थिति के हिसाब से रणनीति बदलती है। सुक्खू ने कहा कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के मुद्दे अलग-अलग होंगे लेकिन लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को पैसे के बल पर गिराने की कोशिश कर लोकतंत्र की हत्या का प्रयास निश्चित रूप से एक अहम चुनावी मुद्दा है।

भाजपा के परोक्ष संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि जो पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी, वह धनबल का इस्तेमाल कर निर्वाचित सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा सीटों और छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए एक जून को मतदान होंगे। कांग्रेस और भाजपा नेताओं के एक-दूसरे के खिलाफ कथित अपमानजनक भाषणों का जिक्र करते हुए सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में चुनावों के दौरान कभी भी ऐसी टिप्पणियां नहीं देखी गईं और यह व्यवहार राज्य की संस्कृति के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि चुनाव राजनीतिक दलों के पिछले प्रदर्शन और उनके दृष्टिकोण जैसे मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए तथा राजनीतिक दलों को बेरोजगारी और महंगाई कम करने के उपायों पर बात करनी चाहिए।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 16 मई, 2024

कांग्रेस बजट का 15% अल्पसंख्यकों को आवंटित करना चाहती, मैं होने न दूंगा: मोदी

भाषा। नासिक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह केंद्र सरकार के बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा अल्पसंख्यकों को आवंटित करना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने धर्म के आधार पर बजट को बांटने और नौकरियों या शिक्षा में आरक्षण की अनुमति नहीं देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के बीच केंद्र में सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस ने बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों पर खर्च करने की योजना बनाई थी जो कि उसका पसंदीदा वोट बैंक है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े विरोध के कारण उसने प्रस्ताव छोड़ दिया।

उत्तर महाराष्ट्र में नासिक जिले के पिंपलगांव बसवंत में महायुति उम्मीदवारों केंद्रीय मंत्री भारती पवार (भाजपा) और हेमंत गोडसे (शिवसेना) के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट को धार्मिक आधार पर बांटना एक खतरनाक विचार है। उन्होंने कहा, हम सभी को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देते हैं। लेकिन कांग्रेस धर्म के आधार पर बजट का बंटवारा और वितरण चाहती है। उन्होंने धर्म के आधार पर देश को बांटा और आज भी वह यही कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता बाबासाहेब आंबेडकर नौकरियों और शिक्षा में धर्म आधारित आरक्षण के सख्त खिलाफ थे। उन्होंने कहा, जब मैं (गुजरात का) मुख्यमंत्री था तो कांग्रेस (तत्कालीन संप्रग सरकार) ने अल्पसंख्यकों के लिए बजट का 15 प्रतिशत आवंटित करने का प्रस्ताव रखा था। भाजपा ने इस कदम का कड़ा विरोध किया और इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सका। लेकिन कांग्रेस (अगर सत्ता में आई तो) इस खतरनाक प्रस्ताव को फिर से लाना चाहती है।

उद्धव ठाकरे नीत पार्टी पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि नकली शिवसेना ने कांग्रेस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार का नाम लिए बिना मोदी ने कहा, महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन के एक नेता को पता है कि कांग्रेस बुरी तरह हार रही है। इसलिए उन्होंने सुझाव दिया कि छोटे दलों का कांग्रेस में विलय कर देना चाहिए ताकि इसे मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिल सके। नकली शिवसेना और नकली राकांपा (शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी का जिक्र करते हुए) का कांग्रेस में विलय निश्चित है।

छोटे दलों का कांग्रेस में विलय निश्चित है। जब शिवसेना (उद्धव की अध्यक्षता वाली शिवसेना यूबीटी का जिक्र करते हुए) का विलय होगा, तो मुझे बालासाहेब ठाकरे के शब्द याद आएंगे कि अगर शिवसेना कांग्रेस की तरह हो गई तो वह अपनी पार्टी को बंद कर देंगे। अब नकली शिवसेना का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। नकली शिवसेना ने बालासाहेब ठाकरे के सारे सपने कुचल दिए हैं। मोदी ने कहा कि भाजपा के सहयोगी दिवंगत बाल ठाकरे ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने और जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का सपना देखा था। उन्होंने कहा, सपना पूरा हो गया है, लेकिन नकली शिवसेना परेशान है। कांग्रेस ने प्राण प्रतिष्ठा (राम मंदिर) के निमंत्रण को खारिज कर दिया और नकली शिवसेना ने भी यही रास्ता अपनाया।

कांग्रेस नेता अयोध्या में राम मंदिर में होने वाले धार्मिक रिवाजों की आलोचना कर रहे हैं लेकिन नकली शिवसेना चुप है। उन्होंने कहा, कांग्रेस वीर सावरकर (हिंदुत्व विचारक) को गाली देती है, लेकिन नकली शिवसेना कांग्रेस का समर्थन कर रही है। नकली शिवसेना ने पूरी तरह से कांग्रेस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। महाराष्ट्र के लोगों ने इस शिवसेना को दंडित करने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार ने धर्म की परवाह किए बिना हर किसी को मुफ्त राशन, पानी, बिजली, घर और गैस कनेक्शन प्रदान किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंबेडकर धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ थे लेकिन कांग्रेस अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण के अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। उन्होंने कहा, मोदी, समाज के वंचित तबकों के अधिकारों का चौकीदार है और कांग्रेस को उनके अधिकार कभी छीनने नहीं देगा। मोदी बजट का बंटवारा या आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं होने देगा। मोदी ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव केवल सांसदों को चुनने के लिए नहीं है बल्कि एक ऐसा प्रधानमंत्री चुनने के लिए है जो देश के लिए कड़े फैसले लेता है। चुनाव के पहले चार चरणों के मतदान के रुख से पता चलता है कि भाजपा नीत राजग को मतदाताओं से प्रचंड जनादेश मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा, आपकी सेवा मेरे जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य है। पिछले दस वर्षों में आपने मेरा काम देखा है और अब मैं विकसित भारत के लिए तीसरी बार आपका आशीर्वाद लेने आया हूं। अब तक हुए चार चरणों के मतदान के रुझानों को अगर संकेत माना जाए तो राजग को भारी जनादेश मिलेगा।

केंद्र ने प्रतिबंध हटाया तो विस चुनाव लड़ेगी जमात ए इस्लामी जम्मू कश्मीर : कादिर

श्रीनगर। जमात ए इस्लामी (जेईएल) जम्मू-कश्मीर के पूर्व प्रमुख गुलाम कादिर वानी ने बुधवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार संगठन पर से प्रतिबंध हटाती है तो उनका संगठन विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगा। केंद्र ने जमात ए इस्लामी पर 2019 में प्रतिबंध लगाया था। वानी ने यहां से 32 किलोमीटर दूर पुलवामा में संवाददाताओं से कहा, हम केंद्र के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि संगठन पर से प्रतिबंध हट जाए और हम समाज में हमारी भूमिका निभाना चाहते हैं। अगर प्रतिबंध हट जाता है, तो हम चुनावों में हिस्सा ले सकते हैं।

श्रीनगर लोकसभा सीट पर सोमवार को मतदान के दौरान वोट डालने वाले वानी ने कहा कि उनका संगठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखता है और अतीत में भी चुनावों में हिस्सा ले चुका है। वानी ने कहा, हम हिस्सा लेंगे (विधानसभा चुनावों में) क्योंकि हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखते हैं। हम हिस्सा लेंगे क्योंकि हम पूर्व में भी ऐसा कर चुके हैं।

संगठन ने 1987 से किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लिया है। पूर्व अमीर ए जमात (पार्टी प्रमुख) सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे उस पत्र पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि जमात के मजलिस ए शूरा ने चुनावों में हिस्सा लेने को मंजूरी नहीं दी थी। हमने चुनावों (लोकसभा) में हिस्सा लिया और हमारे कार्यकर्ताओं को लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वतंत्र रूप से मतदान करने को कहा क्योंकि लोकतंत्र ही समस्या का समाधान है। हमारे (पार्टी के) संविधान के मुताबिक, यह बहुत जरूरी है। कुछ बदमाशों ने कहीं लिख दिया कि (मजलिस) शूरा (सलाहकार परिषद) ने हमें मंजूरी नहीं दी। सिर्फ वही जानते हैं कि इस पत्र के पीछे क्या मकसद है। हम फिर दोहरा रहे हैं और अपना रुख स्पष्ट कर रहे हैं। शूरा हमारे साथ है।

मैं लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने की साजिश का पर्दाफाश कर रहा हूं: मोदी

भाषा। कल्याण (महाराष्ट्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया की साजिश का पर्दाफाश कर रहे हैं और उनके लिए देश की एकता उनकी अपनी छवि से अधिक महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के कल्याण में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके पूर्ववर्ती डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुसलमानों के लिए 15 प्रतिशत धन आवंटित करके देश के बजट को मुस्लिम बजट और हिंदू बजट में विभाजित करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी इंडी गठबंधन सत्ता में आने के बाद तुष्टीकरण की इस नीति को लागू करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन और कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी के स्पष्ट संदर्भ में) धर्म को लेकर राजनीति कर रहे है और कर्नाटक उनकी प्रयोगशाला है।

मोदी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में मुसलमानों को रातोंरात ओबीसी कोटा में शामिल कर लिया गया और कांग्रेस ने इसे देश के बाकी हिस्सों में लागू करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, मोदी लोगों को धर्म के आधार पर बांटने संबंधी इंडी गठबंधन की साजिशों का पर्दाफाश कर रहे हैं। मेरी छवि से ज्यादा मेरे लिए देश की एकता महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस के लिए विकास का मतलब केवल उन लोगों के लिए है जो उसे वोट देते हैं। उन्होंने पूछा, क्या देश को इस तरह से चलाया जाना चाहिए?

मोदी ने कहा, नकली (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली) शिवसेना को कांग्रेस शहजादे से विनायक दामोदर सावरकर के पक्ष में पांच पंक्तियां बोलने के लिए कहना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से अपील करते हुए कहा, (मार्च 1993 मुंबई विस्फोट के दोषी) याकूब मेमन की कब्र को संवारा गया है और राम मंदिर के निमंत्रण को खारिज कर दिया गया है। क्या आप चुनाव में इंडी गठबंधन को दंडित करेंगे? वर्ष 1993 बम विस्फोटों का एक आरोपी भी नकली शिवसेना के लिए प्रचार कर रहा है। मजबूत और विकसित भारत के लिए और तुष्टीकरण के खिलाफ वोट करें। शिवसेना के मौजूदा सांसद एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे कल्याण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर 20 मई को मतदान होगा।

पिछले दस वर्षों में भारत की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई: वी.के. सारस्वत

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारत की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई है और अब देश केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों के लिए ही हथियारों के आयात पर ही निर्भर है। नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने बुधवार को यह जानकारी दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष सारस्वत ने बताया कि वर्तमान समय में भारत के कुल 60 प्रतिशत हथियार और गोला-बारूदों को देश में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, पिछले 10 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमता में काफी वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 2014 में सत्ता में आई थी और फिर 2019 में उन्होंने प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाई।

स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की एक हालिया रिपोर्ट को लेकर किए गए सवाल के जवाब में सारस्वत ने कहा, भारत की रक्षा का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र अब काफी हद तक स्वदेशी है। अब हम केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों या ऐसी किसी चीज के लिए ही आयात पर निर्भर हैं जिसके लिए हमारे पास तकनीक का अभाव है। उन्होंने बताया कि अब अडानी ग्रुप, टाटा ग्रुप और लार्सन एंड टूब्रो जैसी बड़ी कंपनियां देश में ही रडार सिस्टम और बंदूकों का निर्माण कर रही हैं।

स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) द्वारा 11 मार्च को पेश की गई रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक देश बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2014-2018 और 2019-2023 के बीच भारत द्वारा हथियारों के आयात में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। देश के कुछ हिस्सों में लू के प्रकोप के कारण इस गर्मी के मौसम में बिजली कटौती की आशंका संबंधी सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश की विद्युत क्षमता इन जरुरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। सारस्वत ने कहा कि भारत की संस्थापित विद्युत क्षमता लगभग 452 गीगावाट है और यह देश की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस बार बिजली क्षमता के कारण बिजली कटौती करनी पड़ेगी।

मतुआ समुदाय के गढ़ में सीएए को लेकर मुसलमानों में मतभेद

बोंगांव (पश्चिम बंगाल)। सीएए को आकार देने वाले नागरिकता आंदोलन का केंद्र माने जाने वाले मतुआ समुदाय के गढ़ बोंगांव में मुस्लिम समुदाय के बीच विभिन्न प्रकार की मान्यताएं, आकांक्षाएं और मतभेद हैं। मूल रूप से पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) से संबंध रखने वाला हिंदू शरणार्थी समुदाय मतुआ लंबे समय से बोंगांव के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति रहा है। नागरिकता अधिकारों के संघर्ष में इस समुदाय की जड़ें गहरी हैं और सीएए इनके लिए उम्मीद की किरण है जिसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के सताए हुए हिंदू अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है। हरे-भरे खेतों और सामुदायिक रूप से एकजुट माने जाने वाले भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इस क्षेत्र में फिलहाल ध्रुवीकरण का असर साफ देखा जा सकता है क्योंकि राजनीतिक दल विवादास्पद मुद्दों पर विरोधाभासी रुख अपना रहे हैं, राष्ट्रीय नागरिकता पंजी (एनआरसी) की आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस माहौल के विपरीत, बोंगांव की मुस्लिम आबादी सीएए को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रही है, जिससे उनकी चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक ओर कुछ लोग इसे (सीएए) उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों की मदद के लिए एक उदार अधिनियम के रूप में देखते हैं, तो वहीं दूसरी ओर इसे भेदभाव का एक तरीका माना जाता है, जो पहले से मौजूद सामाजिक-धार्मिक तनाव को और बढ़ा रहा है। बोंगांव में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास मल्लिकपुर गांव के अमीरुल मंडल (62) ने कहा, सीएए की क्या जरूरत है जब हम सभी यहां के नागरिक हैं। हम अपना वोट कैसे डाल सकते हैं और हमारे पास सभी जरूरी दस्तावेज कैसे हैं? वर्षों से यहां खेती कर रहे मिंटू रहमान नामक किसान ने कई लोगों के डर को व्यक्त किया। उन्होंने सवाल किया, मुसलमानों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है, जबकि उनकी जड़ें इस मातृभूमि से जुड़ी हैं? यह भेदभावपूर्ण है कि सीएए में मुसलमानों को हटा दिया गया है। अधिनियम के तहत सभी धर्मों को शामिल किया जाना चाहिए था। बोंगांव में मुस्लिम समुदाय में मतभेद स्पष्ट है, जो सीएए को लेकर व्यापक राष्ट्रीय विमर्श को प्रतिबिंबित करता है।

एक ओर वे लोग हैं जो इस अधिनियम का पुरजोर विरोध करते हुए इसे राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने पर हमला मानते हैं। उनका तर्क है कि सीएए से मुसलमानों को स्पष्ट रूप से बाहर करके संविधान में निहित समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया है, जिससे पहले से ही संवेदनशील समुदाय हाशिए पर चला गया है। इसके विपरीत, बोंगांव में ऐसे मुसलमान भी हैं, जो न चाहते हुए भी सीएए के प्रति मौन समर्थन व्यक्त करते हैं। अमीरुल दफादार ने पीटीआई-भाषा से कहा, सीएए पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए है। यह कानून नागरिकता देने को लेकर है, इसे छीनने के लिए नहीं। हमारे जैसे मुस्लिम जो पीढ़ियों से यहां रह रहे हैं, इस देश के नागरिक हैं।

बोंगांव में सायस्तनगर के भाजपा के बूथ अध्यक्ष अमीरुल अपने क्षेत्र के हर मुस्लिम परिवार तक पहुंचकर लोगों को सीएए को लेकर चल रहे नकारात्मक अभियानै के बारे में बताने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस मुसलमानों को सीएए के खिलाफ भड़का रही है। वे उन्हें गुमराह कर रहे हैं।

मोइदुल शेख ने भी इसी तरह की बात कही और जोर देकर कहा कि जब तक उनकी पहचान और नागरिकता निर्विवाद रहेगी, तब तक समुदाय के लोगों को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के बारे में उतनी चिंता नहीं करनी चाहिए जितनी उन्हें असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर थी। उन्होंने कहा, अगर हमारे अधिकार और दर्जा सुरक्षित है, तब तक सीएए को लेकर अनावश्यक चिंता की कोई जरूरत नहीं है। हम एनआरसी के विरोध में हैं, लेकिन सीएए के खिलाफ नहीं। बापन शेख ने बोंगांव में कई लोगों की भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, सीएए के कार्यान्वयन के साथ ही एक डर मंडरा रहा है कि एनआरसी आ सकती है।

सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सीमावर्ती गांव को सौर ऊर्जा से रोशन किया

भाषा। मेंढर, जम्मू

नियंत्रण रेखा से करीब 600 मीटर दूर, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के डाबी गांव की सड़क को सेना ने सौर ऊर्जा से रोशन कर दिया है। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत यह परियोजना चलाई गई थी जिसे बेहद कम समय में पूरा कर लिया गया है। मेंढर उप-मंडल की बालाकोट तहसील का डाबी गाँव वर्षों से सीमा पार से गोलाबारी के कारण सर्वाधिक प्रभावित गाँवों में से एक है। इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट का अभाव था।

अधिकारी ने कहा कि डाबी गांव को सौर ऊर्जा से रोशन करने की सेना की पहल ने 19 घरों और 129 ग्रामीणों तक स्ट्रीट लाइट की रोशनी पहुंचाई है। निवासियों को स्थानीय मस्जिद, मंदिर, स्कूल तथा पशुओं के बाड़ों की ओर जाने वाली सड़क सहित बड़े हिस्से में निर्बाध प्रकाश व्यवस्था मुहैया करा दी गई है। अधिकारी ने कहा कि रोशनी मिलने से सामुदायिक स्थानों की व्यवस्था करने में भी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि सेना के प्रयासों से परिवारों को रात में कुशलता से काम करने में मदद मिली है। सैन्य नागरिक कार्रवाई के तहत इस परियोजना ने लोगों का उत्साह बढ़ाया है, और गाँव के लिए एक उज्जवल और अधिक समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए सेना की प्रशंसा की और कहा कि सौर ऊर्जा ने न केवल उनके गांव को रोशन किया है, बल्कि उनके जीवन को भी रोशन किया है।

स्थानीय निवासी इमाम मोहम्मद सरफराज ने बताया लोगों के लिए रात के समय घूमना-फिरना बहुत मुश्किल था, खासकर जब बारिश होती थी। हम गांव को रोशन करने के लिए सेना के बहुत आभारी हैं। अब हमारे लिए प्रार्थना स्थल पर बिना किसी परेशानी के पहुंचना आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि गांव को अच्छी सड़क व्यवस्था की भी आवश्यकता है क्योंकि कई बार मरीज को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। डाबी के ग्राम लम्बरदार (प्रमुख) काजिम इकबाल खान ने कहा कि उनका गाँव देश के अंतिम गाँवों में से एक है और बिजली विकास विभाग द्वारा उन्हें स्ट्रीट लाइट नहीं दी गई थी।

उन्होंने कहा सेना हमेशा हमारी मदद करती रही है और सौर ऊर्जा प्रदान करने से रात में भी आवागमन आसान हो गया है। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन सद्भावना सीमावर्ती गांवों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिए सेना का एक प्रमुख कार्यक्रम है। उन्होंने कहा, स्थानीय लोगों के परामर्श से सौर ऊर्जा वाली स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई। इसके साथ ही साथ गांव में घरों का दौरा करना, सौर रोशनी के उपकरणों का परिवहन, नियंत्रण रेखा से 400 मीटर की दूरी पर गांव के सबसे दूर के घर सहित दूरदराज के स्थानों पर बैटरी और ग्रामीण स्तर पर स्थाई ऊर्जा के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना भी हमारे कार्य में शामिल रहा। उन्होंने कहा कि यह पहल विश्वसनीय प्रकाश व्यवस्था के समाधान के लिए सौर ऊर्जा की क्षमता का लाभ उठाकर पर्यावरणीय स्थिरता पर भी जोर देती है।

कृष्ण जन्मभूमि मंदिर और ज्ञानवापी मंदिर बनवाने के लिए भाजपा को 400 सीट जीतने की जरूरत: हिमंत

भाषा। रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि अगर भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 400 सीट जीतीं तो वह मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर और काशी में ज्ञानवापी मंदिर बनवाएगी। भाजपा के नेता शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कांग्रेस पर हिंदू भावनाओं के दमन का भी आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि वर्षों बाद देश में हिंदू जागृति आई है और पूरे भारत में इस मोदी सुनामी के बीच उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकती। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस अपने शासनकाल में एक कानून लेकर आई थी, जिसमें कहा गया था कि कोई भी दीवानी अदालत, उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय में कृष्ण जन्मभूमि और तथाकथित ज्ञानवापी मस्जिद के स्वामित्व पर फैसला नहीं दे सकता। क्या ऐसा कानून स्वीकार्य है जो हमें भगवान के मंदिर बनाने से रोकता हो?

उन्होंने कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए भी भाजपा को 400 सीट की जरूरत है। शर्मा ने झारखंड में घुसपैठ को रोकने की जरूरत पर भी जोर दिया और आगाह किया कि अगर ऐसा न हुआ तो मूल निवासी 20 वर्ष में अल्पसंख्यक हो जाएंगे और बांग्लादेशी घुसपैठिए मूल निवासी बन जाएंगे।

चाबहार बंदरगाह से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा जयशंकर ने अमेरिकी चेतावनी के संदर्भ में कहा

कोलकाता। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चाबहार बंदरगाह से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा और इसे लेकर संकीर्ण सोच नहीं रखनी चाहिए। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ईरान के साथ व्यापारिक समझौते करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंधों का खतरा है। जयशंकर ने मंगलवार रात कोलकाता में एक कार्यक्रम में कहा कि अतीत में अमेरिका भी इस बात को मान चुका है कि चाबहार बंदरगाह की व्यापक प्रासंगिकता है। भारत ने सोमवार को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है, जिससे नई दिल्ली को मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

जयशंकर ने कहा, चाबहार बंदरगाह से हमारा लंबा नाता रहा है लेकिन हम कभी दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं कर सके। इसकी वजह है कि कई समस्याएं थीं। अंतत:

हम इन्हें सुलझाने में सफल रहे हैं और दीर्घकालिक समझौता कर पाए हैं। दीर्घकालिक समझौता जरूरी है क्योंकि इसके बिना हम बंदरगाह पर परिचालन नहीं सुधार सकते। और हमारा मानना है कि बंदरगाह परिचालन से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा।

उन्होंने कहा, मैंने कुछ बयान देखे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यह लोगों को बताने और समझाने का सवाल है कि यह वास्तव में सभी के फायदे के लिए है। मुझे नहीं लगता कि इस पर लोगों को संकीर्ण विचार रखने चाहिए। और उन्होंने अतीत में ऐसा नहीं किया है। जयशंकर ने कहा, अगर आप अतीत में चाहबहार को लेकर अमेरिका के खुद के खैए को देखें तो वह इस तथ्य का प्रशंसक रहा है कि चाबहार की व्यापक प्रासंगिकता है। हम इस पर काम करेंगे। भारत ने 2003 में ऊर्जा संपन्न ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह को विकसित करने का प्रस्ताव रखा था। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) का इस्तेमाल कर भारत से सामान अफगानिस्तान और मध्य एशिया भेजा जा सकेगा। अमेरिका ने संदिग्ध परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए थे, जिसके चलते बंदरगाह के विकास का काम धीमा पड़ गया था। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, हम इन खबरों से अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार चाबहार बंदरगाह और ईरान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के

केंद्र में भाजपा सरकार का जाना अपरिहार्य: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की विदाई तय है। आरामबाग लोकसभा सीट से उम्मीदवार मिताली बाग के समर्थन में पुरशुरा में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि केंद्र में सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल का केंद्रीय योजनाओं में जितना भी बकाया है, उसका भुगतान किया जाएगा जो करीब 1.65 लाख करोड़ रुपए हैं और इस पैसे का इस्तेमाल लोगों के कल्याण के लिए किया जाएगा।

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा, "मैं लोगों से भाजपा को उचित जवाब देने का आग्रह करता हूं। यह आसन्न है कि भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी और बदलाव आएगा। उन्होंने कहा, केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने में तृणमूल कांग्रेस निर्णायक भूमिका निभाएगी। बनर्जी ने कहा, राज्य के लोगों को वंचित करने वालों को सबक सिखाने का समय आ गया है। जहां भाजपा ने (केंद्रीय) निधि बंद कर दी है, वहीं तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं पर खर्च कर रही है।

उन्होंने कहा, भाजपा देश विरोधी है। देखिए कैसे भाजपा ने पैसे देकर बलात्कार के झूठे आरोप लगाकर संदेशखालि की महिलाओं की प्रतिष्ठा को कम किया है। बनर्जी ने कहा कि इस प्रक्रिया में भाजपा ने पश्चिम बंगाल को भी अपमानित किया है। डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा अब समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की बात कर रही है। उन्होंने कहा, अगर यूसीसी को लागू किया जाता है, तो सबसे अधिक प्रभावित पिछड़े वर्ग के लोग होंगे।

भारत में एक दशक में मिले 51.40 करोड़ रोजगार: ठाकुर

मोदीनॉमिक्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बेरोज़गारी और रोज़गार के मुद्दे पर इंडी अलायंस के दावों को भ्रामक व खोखला बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सरकार में रोज़गार सृजन की दिशा ऐतिहासिक कीर्तिमान बनने व रिकॉर्ड रोज़गार मिलने की बात कही है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों से भारत में पिछले एक दशक में रोज़गार सृजन की दिशा में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। रोज़गार के मुद्दे पर इंडी अलायंस लगातार झूठ बोल कर देश को गुमराह कर रहा है। स्कोच समूह द्वारा पिछले 10 वर्षों में भारतीय रोजगार सृजन पर जारी रिपोर्ट ने विपक्ष के झूठे दावों की पोल खोल दी है। मोदीनॉमिक्स के इस शानदार उदाहरण ने रोज़गार पर विपक्षी भ्रामक दुष्प्रचार की जड़ों को हिला दिया है। स्कोच की रिपोर्ट में सामने आया है की मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में 51.40 करोड़ रोजगार सृजित हुए हैं जो कि दिखाता है की मोदी सरकार की नीतियों से एक दशक में रोज़गार के कितने अवसर मिले।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनावों के पहले चार चरणों में जनता ने पहले ही मोदी सरकार के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड पर अपनी मुहर लगा दी है और अब इस रिपोर्ट ने विपक्ष के दुष्प्रचार की कलई खोल कर दी है। ये हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी और समावेशी नेतृत्व की ही देन है की हमने विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार सृजन होता देखा है। भारत में भ्रष्टाचार के ऊपर रिपोर्टें आया करती थी लेकिन आज विकास आधारित रिपोर्टें आ रहीं है। यह बदलाव देश को अच्छा लग रहा है और जनता को विश्वास है कि आज देश सुरक्षित हाथों में हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि जैसे जैसे मोदी सरकार के अभूतपूर्व विकास के दशक की उपलब्धियां सामने आ रही है वैसे वैसे विपक्ष का भ्रामक दुष्प्रचार रेत के किले की तरह बिखर रहा है। पहले भी इन्होंने देश को गरीबों के नाम पर भ्रमित करने की कोशिश की थी तब एक रिपोर्ट सामने आई थी कि मोदी सरकार ने मात्र 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। अभी प्रकाशित हुई स्कोच की रिपोर्ट बताती है की 51.40 करोड़ सृजित रोजगार में 19.79 करोड़ मोदी सरकार की विभिन्न स्कीमों व नीतियों की वजह से हुए हैं। 31.61 करोड़ रोजगार बैंकों की तरफसे दिए गए लोन की वजह से संभव हुए हैं। मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने बेहतरीन भूमिका निभाई है और हर साल औसतन 3.6 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, ग्राम सड़क योजना, कौशल विकास योजना, पीएम स्वनीधि और पीएलआई जैसी स्कीमों ने भी लोगों को रोजगार देने में प्रत्यक्ष तौर पर मदद की है।

ब्लिंकन ने यूक्रेन के लिए दो अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार सौदे की घोषणा की

एपी। कीव

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन के लिए दो अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार सौदे की घोषणा की। ब्लिंकन यूक्रेन को अमेरिकी मदद को लेकर आश्वस्त करने के लिए कीव में हैं और इस दौरान बुधवार को यह घोषणा की गई।

यूक्रेन रूस के नए हमलों का मुकाबला करने की तैयारी कर रहा है।

ब्लिंकन ने कीव की दो दिवसीय यात्रा के दौरान बुधवार को अपने अंतिम कार्यक्रम में कहा कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन के लिए दो अरब अमेरिकी डॉलर, मध्यम और दीर्घकालिक विदेशी सैन्य वित्तपोषण पैकेज को मंजूरी दे दी है।

अधिकारियों ने कहा कि ज्यादातर पैसा लगभग 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर, कांग्रेस द्वारा पारित और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा हस्ताक्षरित पूरक विदेशी सहायता कानून में यूक्रेन को आवंटित 60 अरब अमेरिकी डॉलर की धनराशि के तहत मिला है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के हमलों के कारण अपनी विदेश यात्राएं स्थगित कीं: यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने रूस की ओर से जारी हालिया हमलों के कारण अपनी आगामी सभी विदेश यात्राएं स्थगित कर दी हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर कहा कि जेलेंस्की ने आगामी दिनों के लिए निर्धारित अपनी सभी विदेश यात्राओं को रद्द कर दिया है।

जेलेंस्की ने अपनी टीम को इन यात्रायों को पुनर्निर्धारित करने का निर्देश दिया है।

घोषणा में कहा गया, हमारी बात को समझने के लिए हम अपने सहयोगियों के आभारी हैं।

इस सप्ताह के अंत में जेलेंस्की के स्पेन और शायद पुर्तगाल की यात्रा पर जाने की उम्मीद थी।

अमेरिका देगा इजराइल को एक अरब डॉलर से अधिक कीमत के हथियार: अधिकारी

एपी। वाशिंगटन

बाइडन प्रशासन ने प्रमुख सांसदों से कहा है कि अमेरिका इजराइल को एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत के हथियार और गोला-बारूद भेजेगा। अमेरिकी संसद के तीन कर्मियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अभी यह जानकारी नहीं है कि हथियारों की यह खेप कब भेजी जाएगी। बाइडन प्रशासन द्वारा इस महीने 2,000 पाउंड दर वाले 3,500 बम की खेप इजराइल भेजने पर रोक लगा दी गई थी जिसके बाद अब अमेरिका की ओर से इज़राइल के लिए हथियारों की पहली खेप भेजने का यह खुलासा किया गया है। बाइडन प्रशासन ने हथियारों की खेप भेजने पर रोक लगाने के संबंध में कहा था कि उसने इजरायल को भीड़भाड़ वाले दक्षिणी गाजा शहर रफह में अपने हमले में उन विशेष हथियारों का उपयोग करने से रोकने के लिए बमों की आपूर्ति रोक दी है।

नेपाल और भारत के बीच सहयोग बढ़ाने में मदद करेगा सलाहकार तंत्र: श्रेष्ठ

भाषा। काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बेहतर बनाने के लिए एक सलाहकार तंत्र स्थापित किया गया है। नेपाल के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इस तरह के तंत्र पारस्परिक सहयोग और साझेदारी को बेहतर बनाते हैं।

द हिमालयन टाइम्स अखबार ने बुधवार को श्रेष्ठ के हवाले से कहा, व्यापार और आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए सीमा पार संपर्क को सुदृढ़ किया जा रहा है।

श्रेष्ठ ने यहां मंगलवार को नेपाल-इंडिया रिलेशन : प्रोस्पेक्ट्स एंड पाथवेज शीर्षक से अयोजित व्याख्यान के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सलाहकार तंत्र स्थापित किया गया है। यह तंत्र पारस्परिक सहयोग और साझेदारी को बेहतर बनाएगा।

श्रेष्ठ ने कहा, ऐतिहासिक रूप से कुछ द्विपक्षीय मुद्दे पीछे छूट गए हैं, जिन्हें ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर और अच्छे पड़ोसी होने की भावना के अनुसार बातचीत और राजनयिक तरीकों के जरिए हल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, दोनों देशों के उच्च स्तरीय दौरे संबंधों को मजबूत और कई क्षेत्रों में साझेदारियों को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

उप प्रधानमंत्री ने कहा, यह नेपाल-भारत संबंधों को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिसके लिए नेपाल सरकार प्रतिबद्ध है।

पारस्परिक लाभ के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए दायरे को बढ़ाने का विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, नेपाल की जलविद्युत उत्पादन की अपार क्षमता का उचित उपयोग स्वच्छ ऊर्जा के साथ हमारे क्षेत्र के विकास परिदृश्य को बदल सकता है।

विदेश मंत्री ने सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेपाल और भारत के बीच सहयोग की गुंजाइश को इंगित करते हुए शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि नेपाल का विकास और आर्थिक समृद्धि उसके पड़ोसियों के हितों की भी पूर्ति करती है और पड़ोसियों के साथ शांति नेपाल की इच्छा है।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी की मौत पर शोक व्यक्त किया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

गाजा के रफह शहर में हमले की चपेट में आने के कारण संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाले भारतीय सेना के एक पूर्व अधिकारी की मौत पर संयुक्त राष्ट्र ने शोक व्यक्त करने के साथ ही भारत से माफी मांगी है।

कर्नल वैभव अनिल काले (46) 2022 में भारतीय सेना से समय पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे और दो महीने पहले संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा एवं संरक्षा विभाग (यूएनडीएसएस) में सुरक्षा समन्वय अधिकारी नियुक्त किए गए थे। सोमवार की सुबह यूएनडीएसएस के अन्य कर्मचारियों के साथ वह संयुक्त राष्ट्र के वाहन में रफह स्थित यूरोपियन अस्पताल जा रहे थे तभी हमले की चपेट में आ गए जिसमें उनकी मौत हो गई और जोर्डन का एक अन्य डीएसएस कर्मचारी घायल हो गया। समझा जाता है कि वाहन पर इजराइली टैंक की ओर से कार्वाई की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने पीटीआई-भाषा के एक सवाल के जवाब में मंगलवार को दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, "हम भारत की सरकार और लोगों के प्रति खेद और संवेदना व्यक्त करते हैं।

उन्होंने कहा, भारत ने जो योगदान दिया है हम उसकी सराहना करते हैं। हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने घातक हमले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है।

छोटे हथियारों की निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए भारत से बातचीत जारी: श्रीलंका के विदेश मंत्री

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका अपने यहां छोटे हथियारों की एक निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए भारत के साथ बातचीत कर रहा है जिससे दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत होगा। श्रीलंका के रक्षा मंत्री प्रेमिता बंदारा तेन्नाकून ने बुधवार को यह जानकारी दी। तेन्नाकून ने यहां संवाददाताओं से कहा, छोटे हथियारों की एक निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए हम भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम हमारे भारतीय समकक्षों के साथ संपर्क में हैं, भारत से सीखने के लिए बहुत कुछ है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सैन्य उद्योग में एक संयुक्त उपक्रम के लिए चर्चा जारी है। अप्रैल की शुरुआत में यहां हुए भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग के दूसरे सेमिनार के बाद यह चर्चा हो रही है।

कोलंबो में भारतीय राजदूत संतोष झा ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय रक्षा उद्योग आज अत्याधुनिक हथियारों, उन्नत प्रौद्योगिकियों और विश्व स्तरीय उपकरणों से लैस है।

उन्होंने कहा, इनमें से कुछ जो प्रमुख हैं, उनमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर से लेकर नौसैनिक पोत, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली से लेकर साइबर सुरक्षा समाधान और छोटे हथियारों से लेकर लंबी दूरी तक मार करने वाली हथियार प्रणाली शामिल हैं। झा ने कहा कि श्रीलंका जैसे अपने मित्र देशों को ए क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए भारत इच्छुक है।

यूक्रेन-रूस युद्ध में श्रीलंका के 16 पूर्व सैनिक मारे गए

भाषा। कोलंबो

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में अबतक तक श्रीलंका के कम से कम 16 पूर्व सैनिक मारे गए हैं। द्वीपीय देश के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि विदेशी रोजगार एजेंसियों द्वारा विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने के दिए गए छलावे में आकर श्रीलंका के कई पूर्व सैनिक रूस और यूक्रेन की सेना में शामिल हो गए हैं।

पश्चिमी अफगानिस्तान में एक सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक व्यक्ति की मौत

एपी। इस्लामाबाद

पश्चिमी अफगानिस्तान के गोर प्रांत में बुधवार को एक अफगान सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि एमआई-17 हेलीकॉप्टर तकनीकी समस्या के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गोर की प्रांतीय राजधानी फिरोज कोह शहर के निकट नागरिकों को ले जा रहे एक वाहन के नदी में गिर जाने के बाद हेलीकॉप्टर बचाव अभियान में लगा था। बयान के अनुसार, दुर्घटना में 12 यात्री घायल हो गए। इसके अनुसार, चालक दल ने आपात स्थिति में उतरने का प्रयास किया लेकिन हेलीकॉप्टर एक दीवार से टकरा गया।

लिट्टे के स्मरणोत्सव कार्यक्रमों को देखते हुए श्रीलका के तमिल बहुल क्षेत्र अलर्ट पर

भाषा। कोलंबो

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के अलग मातृभूमि की मांग को लेकर किए गए संघर्ष के दौरान मारे गए समूह के सदस्यों की याद में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम से पहले श्रीलंका में उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में ऐसे आयोजना पर लगाम लगाने के लिए सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है।

यह आयोजन काफी समय तक चले गृह युद्ध के खत्म होने की वर्षगांठ पर आयोजित किया जाना था।

सुरक्षा बलों को श्रीलंका के तमिल बहुल उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में प्रतिबंधित लिट्टे की अंतिम लड़ाई की 15वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिली है।

यह गृहयुद्ध 1983 में शुरू हुआ और करीब तीन दशकों के बाद सेना द्वारा 2009 में लिट्टे के प्रमुख नेताओं को मारे जाने के साथ खत्म हुआ। सेना ने हालांकि सैनिकों को तैनात न करने का निर्णय लिया है लेकिन सेना और पुलिस का एक विशेष कार्य बल बुधवार से 20 मई तक संभावित लिट्टे स्मरणोत्सव पर कड़ी नजर रखेगा।

पुलिस ने कहा है कि संघर्ष में मारे गए लिट्टे सदस्यों की याद में स्मरणोत्सव मनाने की कोशिश करने वाले समूहों के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

करीब दो दशकों में सूर्य से निकली सबसे बड़ी सौर ज्वाला

एपी। केप कैनावेरल (फ्लोरिडा)

सूर्य से मंगलवार को जो सौर ज्वाला निकली वह पिछले लगभग दो दशकों में पैदा हुई सबसे बड़ी सौर ज्वाला थी।

कुछ दिन पहले ही पृथ्वी पर भयंकर सौर तूफान का प्रभाव पड़ा था। इसकी वजह से ऐसे स्थानों पर भी चमकदार नॉर्दर्न लाइट्स पैदा हो गई थीं, जहां पहले कभी ऐसा नहीं देखा गया था।

नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने एक अद्यतन जानकारी में कहा ऐसा अभी तक नहीं हुआ....उै

एनओएए के अनुसार, यह 11 साल के इस सौर चक्र की सबसे बड़ी चमक है, जो अपने चरम पर पहुंच रही है। अच्छी खबर यह है कि पृथ्वी इस बार आग के प्रभाव क्षेत्र से बाहर होनी चाहिए, क्योंकि सूर्य के एक हिस्से पर भड़की ज्वाला पृथ्वी से दूर है।

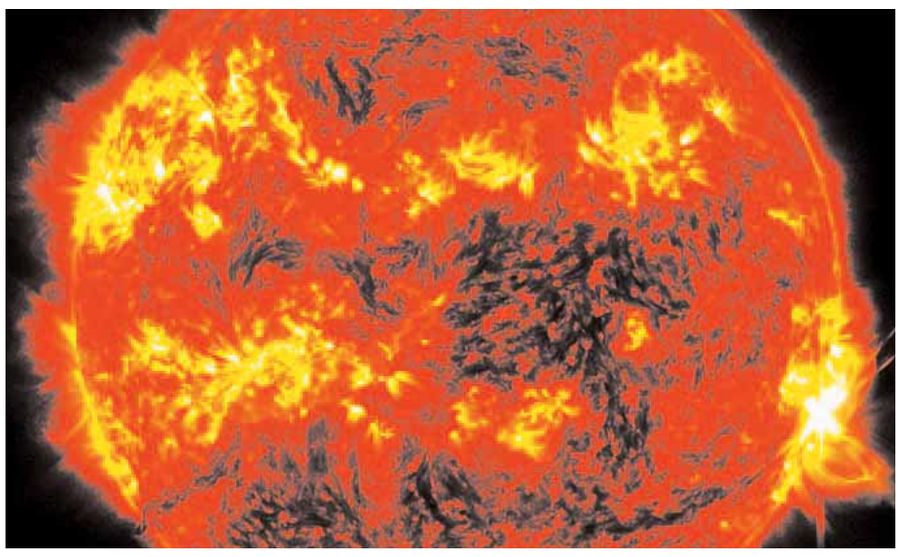

नासा की सोलर डायनेमिक्स वेधशाला ने ज्वाला की एक्स-रे चमक को कैमरे में कैद किया। यह साल 2005 के बाद सबसे ज्यादा चमकदार थी।

कोलोराडो के बोल्डर में एनओएए के स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर में ब्रायन ब्रैशर ने कहा कि जब वैज्ञानिक अन्य स्रोतों से आंकड़े इकट्ठा करेंगे तो संभवत: इसकी चमक की गहनता को लेकर और ज्यादा जानकारी मिले। नासा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर, सात अंतरिक्ष यात्रियों को मजबूत विकिरण सुरक्षा वाले क्षेत्रों में रहने की सलाह दी गई थी। हालांकि नासा ने कहा है कि चालक दल कभी भी किसी खतरे में नहीं था।

इमरान के खिलाफ 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई स्थगित

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने बुधवार को उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में "सुरक्षा चिंताओं" का हवाला देते हुए इमरान खान के खिलाफ 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी। मीडिया रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

71 वर्षीय पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक पिछले साल अगस्त से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने सुरक्षा चिंताओं के कारण खान के खिलाफ मामले की सुनवाई स्थगित करने के अडियाला जेल के अधीक्षक के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

इसमें कहा गया है कि अदालत ने सुनवाई 17 मई तक के लिए स्थगित कर दी।

अपने अनुरोध में जेल अधिकारी ने पंजाब गृह विभाग द्वारा प्रतिबंधित संगठनों द्वारा पंजाब की जेलों पर खतरे की चेतावनी की रिपोर्ट का हवाला दिया।

यह कहते हुए कि अडियाला जेल प्रांत की सबसे संवेदनशील जेल है और इसमें 7,000 से अधिक कैदी हैं, अधिकारी ने कहा कि हाई-प्रोफाइल राजनीतिक कैदियों सहित गंभीर अपराधों में शामिल अपराधी भी वहां कैद हैं।

अनुरोध में कहा गया है कि मियांवाली, डेरा गाजी खान, रावलपिंडी (अडियाला) और अटक जेलों के लिए भी सुरक्षा संबंधी धमकियां मिली हैं।

तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे मोदी: पाकिस्तानी अमेरिकी

भाषा। वाशिंगटन

पाकिस्तान मूल के एक प्रसिद्ध अमेरिकी उद्योगपति ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मजबूत नेता हैं जिन्होंने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और वह तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

बाल्टीमोर निवासी पाकिस्तानी अमेरिकी कारोबारी साजिद तरार ने कहा कि मोदी न केवल भारत के लिए अच्छे हैं बल्कि क्षेत्र और दुनिया के लिए भी अच्छे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पाकिस्तान को भी उनके जैसा कोई नेता मिलेगा।

तरार ने पीटीआई-भाषा से कहा, मोदी एक शानदार नेता हैं। वह ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में पाकिस्तान का दौरा किया। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि मोदी जी पाकिस्तान के साथ संवाद और व्यापार शुरू करेंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, भारत के लिए भी शांतिपूर्ण पाकिस्तान अच्छा होगा।

उन्होंने कहा कि हर जगह यही कहा जा रहा है कि मोदी जी भारत के अगले प्रधानमंत्री बनेंगे।

तरार 1990 के दशक में अमेरिका आकर बस गए थे और पाकिस्तान की सत्ता में बैठे लोगों से उनके अच्छे संपर्क हैं। उन्होंने कहा, यह चमत्कार से कम नहीं है कि भारत में 97 करोड़ लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है। मैं वहां मोदी जी की लोकप्रियता देख रहा हूं और 2024 में भारत का शानदार उदय होते देख रहा हूं। आप भविष्य में देखेंगे कि लोग भारतीय लोकतंत्र से सीखेंगे।

चीनी खिलाड़ियों पर आरोपों को लेकर अमेरिकी ड्रग नीति निर्देशक का डोपिंग रोधी एजेंसी को पत्र

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका में मादक द्रव्य नियंत्रण नीति निर्देशक ने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के अधिकारियों को एक पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि दुनियाभर के नेता 2021 के तोक्यो ओलंपिक से पहले चीनी खिलाड़ियों पर डोपिंग के आरोपों की प्रतिक्रिया के बारे में बहुत अधिक चिंतित हैं।

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी की कार्यकारी समिति में शामिल राहुल गुप्ता ने आठ मई को एक पत्र में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के अध्यक्ष को कई सिफारिशें भेजीं। इसकी एक प्रति एसोसिएटेड प्रेस को मिली हैं। सिफारिशों में इस सप्ताह के अंत से पहले कार्यकारी समिति की आपात बैठक बुलाना भी शामिल है।

वाडा ने शुक्रवार को अपने संस्थापक बोर्ड का एक असाधारण सत्र आयोजित किया है। यह बोर्ड कार्यकारी समिति से भी बड़ा निकाय है और एजेंसी द्वारा बनाई गई नीतियों पर निर्णय लेने का अंतिम अधिकार इसे ही है। इसमें कोई अमेरिकी सदस्य शामिल नहीं है।

राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति के अमेरिकी कार्यालय के प्रमुख गुप्ता का पत्र इन आरोपों के मद्देनजर आया है कि 23 चीनी तैराकों को अपना प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाएं लेने के बाद भी जानबूझकर क्लीन चिट दे दी गई।

निर्णय के बारे में आलोचना का जवाब देते हुए वाडा ने मामले की स्वतंत्र जांच के लिए स्विटजरलैंड के एक वकील को नियुक्त किया। इसकी भी आलोचना की गई है।

गुप्ता के पत्र में नियुक्ति की कुछ कथित खामियों को उजागर किया गया, जिसमें यह शिकायत भी शामिल है कि सरकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकारी समिति के सदस्यों को पूरी तरह से जानकारी नहीं दी गई और उन्होंने जांच शुरू करने वाले औपचारिक मतदान में भाग नहीं लिया।

गुप्ता ने मामले के विभिन्न पहलुओं पर पारदर्शिता और स्पष्टता बढ़ाने के लिए कहा।

गुप्ता का कार्यालय वाडा को अमेरिकी कोष जारी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अमेरिका वाडा के 2024 के पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के बजट में 36 लाख अमेरिकी डॉलर का योगदान करने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिख समुदाय के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं: सिख नेता

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय मूल के एक प्रमुख अमेरिकी नेता ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिखों के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में हो रहे स्वतंत्र और निष्पक्ष लोकसभा चुनाव देश की लोकतांत्रिक प्रणाली की जीवंतता और ताकत को दर्शाते हैं।

पीटीआई -भाषा के साथ एक साक्षात्कार में सिख फॉर अमेरिका के नेता जसदीप सिंह जस्सी ने कहा कि पश्चिमी मीडिया के एक वर्ग द्वारा भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर सवाल उठाने वाली बातें सच्चाई से बहुत दूर हैं।

सिंह ने कहा, देखो अमेरिका में क्या हो रहा है । विपक्षी उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अदालत में घसीटा जा रहा है और उन्हें अपने प्रचार अभियान में बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उसकी तुलना में, भारत में एक जीवंत लोकतंत्र है और यह बहुत प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में एक मिसाल कायम की है। जसदीप सिंह अमृतसर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके तरणजीत सिंह संधू का समर्थन करने के लिए इस महीने के अंत में भारत आने वाले हैं।

सिंह ने कहा कि देश का मिजाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पक्ष में है और पिछले 10 वर्षों में उनके नेतृत्व में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है और देश में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

धार्मिक अनुभव बदल सकता है मेटावर्स, नए रास्ते खुलने की भी हैं संभावनाएं

द कन्वरसेशन। अलबर्टा

नई तकनीकें हमेशा हमारे धार्मिक अनुभवों में नयापन और बदलाव लेकर आई हैं।

1880 के दशक में रेडियो सुनना कई लोगों की नजर में धार्मिक महत्व रखता था क्योंकि उन्हें ऐसा लगता था कि रेडियो में सुनाई दे रही आवाज किसी और लोक से आ रही है। उस दौरान प्रेतात्माओं से संवाद करने के लिए होने वाली सभाएं काफी लोकप्रिय हो गई थीं क्योंकि कुछ लोगों को लगता था कि रेडियो ने आध्यात्मिक दुनिया के लिए एक द्वार खोल दिया है।

भले ही दुनिया के कुछ हिस्सों में औपचारिक धार्मिक गतिविधियों में भागीदारी में कमी देखी जा रही है, लेकिन नई तकनीकें हमारे आध्यात्मिक जीवन में नयापन लाती रहेंगी।

हमारे समय का सबसे नया माध्यम मेटावर्स एक सूचनात्मक और अनुभवात्मक तकनीक है, जहां उपयोगकर्ता आभासी वास्तविकता (वीआर) में बनाए गए सामाजिक वातावरण में बातचीत कर सकते हैं। मेटावर्स को पहले से मौजूद तकनीकों का उपयोग करके व्यवस्थित और निर्मित किया जा रहा है। इसके पूर्ण रूप और विकास के लिए उन तकनीकों के उपयोग की आवश्यकता होगी जो अभी तक मौजूद नहीं हैं। उदाहरण के लिए, मौजूदा तकनीक का उपयोग करके 3डी ऑनलाइन स्पेस में तेजी से प्रतिपादन या कंप्यूटिंग संभव नहीं है। हालांकि, विशेष रूप से गेमिंग कंपनियां पहले से ही इस चुनौती का समाधान तलाश रही हैं।

लगभग एक चौथाई अमेरिकी पहले से ही धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए ऑनलाइन माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे धर्मोपदेश देखना या धर्मग्रंथ पढ़ना।

मेटावर्स उपयोगकर्ताओं की अपनेपन की भावना को गहराई तक ले जाकर ऑनलाइन धार्मिक अनुभवों के अवसरों को बढ़ाएगा। इससे उपयोगकर्ताओं को दूसरों को सुनने, ग्रंथों को चुनने और पढ़ने, दूसरों की स्थिति के प्रति सहानुभूति रखने और भलाई के व्यक्तिगत व कॉरपोरेट पहलुओं को साझा करने का मौका मिलेगा।

हालांकि अभी अपने शुरुआती दिनों में, मेटावर्स ने पहले से ही उन लोगों को आकर्षित कर लिया है जो ऑनलाइन धार्मिक गतिविधियां करना चाहते हैं। 2003 में शुरू किए गए वीआर मंच सेकेंड लाइफ में धार्मिक गतिविधियों के लिए 37 वर्चुअल स्पेस हैं, जिन पर ईसाई, बौद्ध, इस्लाम और अन्य धर्मों की जानकारी के लिए व्यवस्था की गई है। वर्चुअल रिएलिटी (वीआर) मंच ऑनलाइन धार्मिक वातावरण से जुड़ने का अवसर प्रदान करती है। यहं अभी तक उपयोगकर्ताओं को एक गहन धार्मिक गतिविधि में पूरी तरह से और लगातार नेविगेट करने का अवसर नहीं मिलता: जैसे खड़े होना, बैठना, चलना और आमने-सामने बैठकर समसामयिक रूप से, और लगातार बात करना आदि।

हालांकि, जैसे-जैसे तकनीक विकसित होगी, यह अधिक गहन अनुभव प्रदान करने में सक्षम होगी।

ऐसे मंचों का इस्तेमाल करने वालों का मानना है कि इन पर और काम करके इन्हें बेहतर व उपयोगी बनाना संभव है। हालांकि जरूरी नहीं है कि इन्हें डेवलप करने वाले इन पर गहराई से काम कर पाएं। इस सबके बावजूद ऐसे माध्यम खोजे जा रहे हैं।

धार्मिक अनुभवों को समर्थन और सक्षम बनाने वाले मेटावर्स साधन वीआर में पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन इन्हें और अधिक मजबूत व शक्तिशाली बनाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी लोगों को कई मानवीय भावनाओं के माध्यम से मेटावर्स वातावरण से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

इसी तरह, सामाजिक उपस्थिति और अवतार मेटावर्स की संभावनाएं हैं जो धार्मिक प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होंगी। मेटावर्स एक दिन पूरी तरह से समुदाय-केंद्रित हो सकता है।

हालांकि एक धार्मिक स्थान के रूप में मेटावर्स अभी नया लग सकता है, लेकिन इसकी कार्य क्षमताएं स्पष्ट प्रमाण प्रदान करती हैं कि उपयोगकर्ताओं को इस नए माध्यम में बहुत कुछ महत्वपूर्ण और उपयोगी मिलेगा।

कप्तान सैम करन का अर्धशतक पंजाब किंग्स पांच विकेट से जीता

भाषा। गुवाहाटी

कप्तान सैम करन (नाबाद 63 रन) के तेज तर्रार अर्धशतक की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया। लक्ष्य हालांकि महज 145 रन का था। लेकिन पंजाब किंग्स को धीमी पिच पर इस तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और उसने 18.5 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन बनाए। करन (41 गेंद, पांच चौके, तीन छक्के) ने संयम और कौशल से खेलते हुए टीम को सत्र की पांचवीं जीत दिलाई। करन ने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी झटके। करन को जितेश शर्मा (22 रन 20 गेंद, का अच्छा साथ मिला। इस जोड़ी ने पांचवें विकेट के लिए 63 रन की भागीदारी निभाई। राजस्थान रॉयल्स को यह लगातार चौथी हार थी। टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है और अभी 16 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर प्रभसिमरन सिंह का विकेट खो दिया।

आवेश खान (28 रन देकर दो विकेट) ने पांचवें ओवर में दो विकेट झटक लिए। पहले उन्होंने रिली रोसोऊ को और फिर फॉर्म में चल रहे शशांक सिंह को आउट किया। करन और जितेश ने फिर पारी को आगे बढ़ाया। जितेश ने इस दौरान आर अश्विन पर दो छक्के भी जड़े। लेकिन युजवेंद्र चहल (31 रन देकर दो विकेट) ने 16वें ओवर में जितेश को आउट कर इस भागीदारी को तोड़ दिया। इससे टीम का स्कोर पांच विकेट पर 111 रन था। करन और आशुतोष शर्मा (11 गेंद, नाबाद 17 रन) ने बिना किसी परेशानी के बाकी रन जोड़कर टीम को जीत दिलाई। स्थानीय खिलाड़ी रियान पराग की 48 रन की पारी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज धीमी पिच पर पंजाब किंग्स की सटीक गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 144 रन ही बना सके।टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान के लिए, पराग ने 34 गेंद की पारी के दौरान छह चौके जमाए जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 19 गेंद में तीन चौके, एक छक्के से 28 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी निभाकर पारी को रफ्तार देने की कोशिश की लेकिन उनके प्रयास कामयाब नहीं रहे। यशस्वी जायसवाल का विकेट खोने के बाद राजस्थान की पारी की रन गति धीमी हो गई। जायसवाल की पारी का अंत सैम करन (24 रन देकर दो विकेट) ने बोल्ड करके किया। आईपीएल करियर में पहली बार एक सत्र में 500 रन का आंकड़ा पार करने वाले संजू सैमसन (18 रन) और टॉम कोहलर कैडमोर (18 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़े। लेकिन इसके लिए इन दोनों ने छह ओवर लिए। हालांकि दोनों ने बीच में कुछ आकर्षक शॉट भी लगाए। करन और अर्शदीप को स्विंग मिल रही थी और दोनों ने अच्छी लाइन एवं लेंथ कायम रखी जिससे राजस्थान के बल्लेबाजों के लिए रन जुटाना आसान नहीं था। सातवें ओवर में सैमसन तेज गेंदबाज नाथन एलिस की गेंद पर प्वाइंट पर राहुल चाहर को आसान कैच दे बैठे। अगले ओवर में कैडमोर भी डगआउट में लौट गए। लेग स्पिनर चाहर (26 रन देकर दो विकेट) की गेंद को उठाने के प्रयास में डीप में जितेश शर्मा को कैच दे बैठे। इन दोनों के आउट होने के बाद अश्विन और पराग ने संयम से बल्लेबाजी की। अश्विन ने अपने बल्लेबाजी कौशल का प्रदर्शन करते हुए 12वें ओवर में छक्का और दो चौके जमाकर 17 रन बना दिए।

लेकिन वह लंबी पारी नहीं खेल सके और अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह को कैच देकर आउट हुए। दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते देख पराग को अपनी आक्रमक बल्लेबाजी पर लगाम कसनी पड़ी। लेकिन करन की गेंद पर थर्ड मैन पर चौका लगाकर पराग इस सत्र में 500 रन के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे। वह आईपीएल में ऐसा करने वाले दूसरे अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल 2023 में 625 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। आस्ट्रेलिया के शॉन मार्श (616 रन) 2008 में शुरुआती चरण में 500 रन बनाने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बने थे क्योंकि तब वह राष्ट्रीय टीम में नहीं चुने गए थे।

सात्विक . चिराग थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में, प्रणय हारे

बैंकॉक। भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और तान वी कियॉन को हराकर पुरुष युगल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई जबकि एच एस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 34 मिनट में 21 . 13, 21 . 13 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना चीन के शि हाओ नान और जेंग वेइ हान से होगा। वहीं पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को हमवतन मेथा लुवांग मेसनाम ने 21 . 19, 21 . 18 से हराया। अब मेथा का सामना डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसेन से होगा जिन्होंने भारत के किरण जॉर्ज को 21 . 15, 13 . 21, 21 . 17 से मात दी। महिला एकल में अश्मिता चालिहा ने इंडोनेशिया की एस्टर नुरूमी त्रि वार्दोयो को 19 . 21, 21 . 15, 21 . 14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। अब सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा।

जोशना, अभय और वेलावन ने राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते

चेन्नई। जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैम्पियनशिप में अपने वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। यह प्रतियोगिता 17 साल बाद शुरू की गई है। राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता अभय ने वेलावन के साथ मिलकर राहुल बैठा और सूरज चंद को 2–0 (11–4, 11–8) से मात दी। फिर 25 साल के इस खिलाड़ी ने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल वर्ग का भी स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। अभय और जोशना ने हरिंदर पाल सिंह संधू और रथिका सीलन की जोड़ी को 2–1 (10–11, 11–2, 11–9 से हराया। पूजा आरती और रथिका ने फिर जैनेट विधि और निरूपमा दुबे की चुनौती से 2–1 से पार पाते हुए महिला युगल स्वर्ण पदक जीता।

बेहतरीन कप्तान है पंत, समय के साथ और निखरेगा : गांगुली

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत एक बेहतरीन कप्तान है और समय तथा अनुभव के साथ उसकी कप्तानी में निखार आएगा। दिसंबर 2022 में भयावह कार हादसे के शिकार हुए पंत ने आईपीएल के इसी सत्र से मैदान पर वापसी की है। गांगुली ने जियो सिनेमा से कहा , पंत युवा कप्तान है और वह समय के साथ सीखेगा। जिस तरह चोट से वापसी के बाद उसने पूरा सत्र खेला, हमें आफ सीजन के दौरान इसका यकीन नहीं था। उन्होंने कहा , आईपीएल अब दस टीमों का हो गया है और भारतीय क्रिकेटर महत्वपूर्ण हैं। मुझे खुशी है कि उसने वापसी करके पूरा सत्र खेला। मेरी शुभकामनाएं उसके साथ है। उन्होंने कहा , कोई भी पहले दिन कोई भी पहले दिन से महान कप्तान नहीं होता। वह भी सीख रहा है और समय के साथ बेहतर होगा।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी इटालियन ओपन से बाहर

रोम। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी एटीपी इटालियन ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में स्थानीय जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से हारकर बाहर हो गई। एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 2 . 6, 4 . 6 से पराजय झेलनी पड़ी। उन्होंने पहले दौर में वाइल्ड कार्डधारी मात्तेओ अर्नाल्डी और फ्रांसिस्को पासारो को हराया था। बोपन्ना और एबडेन इस महीने की शुरूआत में मैड्रिड मास्टर्स से भी पहले दौर में बाहर हो गए थे। उन्होंने साल की शुरूआत में आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीता था।

ओस्टापेंको को हराकर सबालेंका इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में, ताबिलो का शानदार सफर जारी

रोम। आर्यना सबालेंका ने बुधवार को यहां एलेना ओस्टापेंको को हराकर इटालियन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीय सबालेंका ने 73 मिनट तक चले मैच में 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन ओस्टापेंको पर 6–2, 6–4 से जीत हासिल की। अब सबालेंका का सामना विक्टोरिया अजारेंका और डैनियल कोलिंस के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। शीर्ष तीन रैंकिंग की महिला खिलाड़ी रोम में अंतिम चार में पहुंच चुकी हैं जिसमें दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक का सामना तीसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ से होगा। पुरुष वर्ग में 29वें वरीय अलेजांद्रो ताबिलो का पिछले दो दौर में नोवाक जोकोविच और करेन खाचानोव पर उलटफेर भरी जीत के बाद शानदार सफल जारी है। चिली के इस खिलाड़ी ने झांग झिझेन को 6–3, 6–4 से शिकस्त दी। अब ताबिलो अपने पहले मास्टर्स सीरीज के सेमीफाइनल में 2017 चैम्पियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव और 11वें वरीय टेलर फ्रिट्ज के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। ताबिलो ने करेन खाचानोव को 7 . 6, 7 . 6 से हराकर झिझेन से भिड़ंत तय की थी। गत चैम्पियन दूसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव अमेरिका के टॉमी पॉल से . 6, 4 . 6 से हारकर बाहर हो गए।

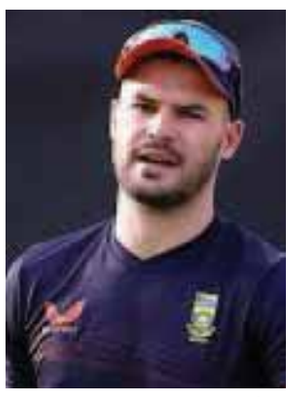

नीरज चोपड़ा ने तीन साल में पहले घरेलू टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता

भुवनेश्वर। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने तीन साल में पहले घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए यहां फेडरेशन कप की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में धीमी शुरुआत के बाद स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे 26 साल के सुपरस्टार को शुरू में थोड़ी परेशानी हुई जिससे वह तीन दौर के बाद दूसरे स्थान पर चल रहे थे। चौथे दौर में उन्होंने 82.27 मीटर के प्रयास से बढ़त हासिल की और उन्होंने अंतिम दौर में भाला नहीं फेंका क्योंकि रजत पदक जीतने वाले डीपी मनु अपना अंतिम थ्रो फेंक चुके थे।चोपड़ा ने अंतिम बार 17 मार्च 2021 में इसी टूर्नामेंट में घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जिसमें उन्होंने 87.80 मीटर के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण जीता। फिर 2022 में डायमंड लीग चैम्पियन और 2023 में विश्व चैम्पियन बने। उन्होंने साथ ही चीन में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक भी बरकरार रखा। चोपड़ा ने इसके अलावा डायमंड लीग के तीन खरब भी जीते और 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया। हालांकि वह अभी तक 90 मीटर का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड 89.94 मीटर का है।

अभिषेक शर्मा से बेहद प्रभावित हैं मार्करम

कहा- आईपीएल के प्रदर्शन से अभिषेक को भारत के लिए खेलने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली।सनराइजर्स हैदराबाद के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी एडेन मार्करम का मानना है कि आईपीएल में अभिषेक शर्मा के बेहतरीन फॉर्म से उन्हें भविष्य में भारत के लिए खेलने में मदद मिलेगी। आईपीएल के मौजूदा सत्र में 200 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए शर्मा ने 12 मैचों में 401 रन बनाए हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड के साथ मिलकर हाल ही में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 166 रन का लक्ष्य दस से भी कम ओवर में हासिल कर लिया था। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्करम ने पीटीआई वीडियो से कहा , अभिषेक ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उसने पिछले सत्रों में भी सकारात्मक संकेत दिए थे और इस सत्र के अपने प्रदर्शन से भविष्य में भारत के लिए खेल सकेगा। ईंपैक्ट खिलाड़ी के नियम को लेकर चल रही बहस के बीच मार्करम ने कहा कि टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज के आने से टीमों को आक्रामक खेलने में मदद मिली है। उन्होंने कहा , जब आपके पास एक अतिरिक्त बल्लेबाज होता है तो आप अधिक आजादी के साथ खेल सकते हैं। पारी की शुरूआत से ही सलामी बल्लेबाज खुलकर खेल सकते हैं। ईंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से यह सहूलियत मिली है और यह नए तरीके का टी20 क्रिकेट इस आईपीएल में देखने को मिला है।

सनराइजर्स की नजरें प्लेआफ में जगह बनाने पर, प्रतिष्ठा के लिए खेलेगा गुजरात

भाषा। हैदराबाद

प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाने के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद को इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ में जगह बनाने के लिए बृहस्पतिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ एक जीत की जरूरत है जबकि गुजरात की टीम प्रतिष्ठा के लिए ही खेलेगी। पैट कमिंस की टीम की नजरें हालांकि शीर्ष दो में जगह पक्की करने पर लगी है। उन्हें इसके बाद एक मैच और खेलना है और उनका नेट रनरेट भी प्लस 0.406 है। सनराइजर्स के 12 मैचों में 14 अंक है और वह अधिकतम 18 अंक हासिल कर सकती है जिससे शीर्ष दो में उसकी जगह पक्की हो जाएगी। इस मुकाबले से पहले सनराइजर्स को एक सप्ताह का ब्रेक मिला है जिससे वे तरोताजा होकर मैदान पर लौटेंगे। इसके अलावा आठ मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स पर रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बाद उसके हौसले वैसे भी बुलंद है। गेंदबाजों ने लखनऊ को कम स्कोर पर रोका तो ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने 166 रन का लक्ष्य दस विकेट बाकी रहते 9 . 4 ओवर में ही हासिल कर लिया। सनराइजर्स ने इस सत्र में जहां अविश्वसनीय स्कोर बनाए हैं तो शर्मनाक पराजय भी झेली है। गुजरात ने उसे टूर्नामेंट में सात विकेट से हराया था। पिछले पांच मैचों में से तीन में उसे पराजय झेलनी पड़ी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने उसे 35 रन से , चेन्नई सुपर किंग्स ने 78 और मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया। 2016 की चैम्पियन टीम बल्लेबाजी में हेड और शर्मा पर बुरी तरह निर्भर है। उनके नाकाम रहने पर उसकी पारी लड़खड़ा जाती है लिहाजा नीतिश रेड्डी, हेनरिच क्लासेन और अब्दुल समद को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर 13 में से सिर्फ पांच मैच जीत सकी गुजरात के 11 अंक ही हैं और वह जीत के साथ विदा लेना चाहेगी। पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या के इस सत्र में मुंबई इंडियंस के पास लौटने के बाद गुजरात की टीम में संतुलन नजर नहीं आया। पंड्या ने 2022 की खिताबी जीत और पिछले साल फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी। चोट के कारण मोहम्मद शमी के पूरे सत्र से बाहर होने का खामियाजा भी उसे भुगतना पड़ा। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछला मैच बारिश में धुल गया लेकिन गेंदबाजों ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर उम्मीद जगाई थी। बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन पर एक बार फिर अच्छी शुरूआत देने की जिम्मेदारी होगी। डेविड मिलर इस सत्र में फॉर्म में नहीं दिखे लेकिन आखिरी मैच में वह उपयोगी पारी खेलना चाहेंगे।

टी20 विश्वकप में भारत के सामने टिक नहीं पाएगा पाकिस्तान

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत से खेलने के मामले में पाकिस्तान मानसिक रूप से पिछड़ जाता है: मिसबाह

नई दिल्ली (भाषा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह उल हक का मानना है कि अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में जब उनकी टीम का सामना भारत से होगा तो उसके लिए आगे निकलना मुश्किल होगा क्योंकि ऐसा लगता है कि आईसीसी प्रतियोगिताओं में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ खेलने को लेकर उनकी टीम मानसिक रूप से पिछड़ जाती है। अमेरिका में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के संभवतः सबसे बहुप्रतीक्षित लीग चरण के मैच में भारत और पाकिस्तान नौ जून को न्यूयॉर्क में भिड़ेंगे। भारत सात टी20 विश्व कप मुकाबलों में सिर्फ एक बार (2021 में) पाकिस्तान से हारा है।मिसबाह ने बुधवार को स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम पर कहा, जब विश्व कप में भारत से खेलने की बात आती है तो आप इसे पाकिस्तान का दुर्भाग्य या मानसिक अवरोध कहते हैं। पाकिस्तान को बहुत कुछ करने की आवश्यकता होगी क्योंकि यह एक मजबूत गेंदबाजी क्रम और दो अच्छे स्पिनरों के साथ एक बहुत ही कुशल भारतीय टीम है। उन्होंने कहा, भारत के पास (जसप्रीत) बुमराह, (मोहम्मद) सिराज और हार्दिक (पंड्या) जैसे स्तरीय तेज गेंदबाज हैं। भारतीय क्रिकेट टीम का स्तर कई गुना बढ़ गई है। मानसिक रवैया बहुत मायने रखता है और ऑस्ट्रेलिया मानसिक पक्ष को सबसे अच्छी तरह संभालता है। मिसबाह ने कहा कि उनके देश के खिलाफ कुछ यादगार पारियां खेलने वाले विराट कोहली एक बार फिर बड़ा खतरा होंगे, हालांकि मौजूदा आईपीएल में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, कोहली एक बड़ा कारक बनने जा रहे हैं। उन्होंने कई बार पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाया है। उनका मानसिक रूप से पाकिस्तान पर दबदबा है। वह बड़े मौकों से प्रेरणा लेते हैं, दबाव नहीं। मिसबाह ने कहा, विराट कोहली का प्रभाव निश्चित रूप से होगा। वह एक शीर्ष स्तरीय क्रिकेटर हैं। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो आपको मैच जिता सकते हैं, स्ट्राइक रेट मायने नहीं रखता। अच्छे खिलाड़ी इन आलोचनाओं से प्रेरणा लेते हैं। मिसबाह अब भी 2007 में पहले टी20 विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ गलत तरीके से मारे गए स्कूप

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को चुनौती देना चाहते हैं : स्कॉटलैंड के उप कप्तान क्रास

बेंगलुरू। स्कॉटलैंड के भले ही बड़े मुकाबलों में खेलने का अनुभव नहीं हो लेकिन उसके खिलाड़ियों में आत्मविश्वास की कमी नहीं है और बुधवार को टीम के उप कप्तान मैथ्यू क्रास ने अगले महीने टी20 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया को चुनौती देने की उम्मीद जताई। विश्व कप में स्कॉटलैंड ग्रुप बी में गत चैम्पियन इंग्लैंड, पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया के अलावा साथी एसोसिएट देश ओमान और नामीबिया के साथ है। कर्नाटक का नंदिनी डेयरी ब्रांड विश्व कप में स्कॉटलैंड और आयरलैंड टीम का प्रायोजक होगा। इसकी घोषणा के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के बाद ऑनलाइन बातचीत में क्रास ने पीटीआई से कहा, हम इसमें जीतने के लिए खेलेंगे। हम दबाव में नहीं है। हमारी टीम में उन्हें चुनौती देने के लिए अच्छी प्रतिभाएं मौजूद हैं। तेज गेंदबाज क्रिस सोले को दुनिया भर की विभिन्न टी20 लीग में खेलने का काफी अनुभव है। वह स्कॉटलैंड के वेस्टइंडीज की परिस्थितियों में खेलने के पूर्व अनुभव का फायदा उठाने की उम्मीद लगाए है।

आयरलैंड की नजरें भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच पर

बेंगलुरू। आयरलैंड के बल्लेबाज लोर्कन टकर ने बुधवार को उम्मीद जताई कि वह पाकिस्तान के खिलाफ हालिया श्रृंखला में अपने प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन के दम पर पांच जून को न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ ठोस प्रभाव डालेंगे।आयरलैंड ने डबलिन में पहले टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया लेकिन मेहमान टीम ने अगले दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। विकेटकीपर बल्लेबाज टकर ने कहा कि इस जीत से उनके चैंपियन और आत्मविश्वास का अच्छा प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, एक जीत से, यह अच्छी थी। पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला जीतना अच्छा होता लेकिन उस एक जीत ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है।

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – मिनी रत्न)
सीआईएन : L74899DL1999GOI101707
LiFE
आईआरसीटीसी निम्नलिखित के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है:–
1. खुली ई-निविदा सं: 2024/आईआरसीटीसी/कैट./रिफ्रेशमेंट रूम/01 – 5 वर्षों की अवधि के लिए रिफ्रेशमेंट रूम में केटरिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए खुली ई-निविदा–सह–ई-नीलामी निविदा दस्तावेज (ई-निविदा) जमा करने की अंतिम तिथि 06.06.2024 को 15:00 बजे तक। ई-मेल anjali5065@irctc.com
2. खुली ई-निविदा सं: 2024/आईआरसीटीसी/कैट./जन आहार/01 – 5 वर्षों की अवधि के लिए जन आहार में केटरिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए खुली ई-निविदा–सह–ई-नीलामी। जमा करने की अंतिम तिथि 06.06.2024 को 15:00 बजे तक। ई-मेल anjali5065@irctc.com
3. खुली ई-निविदा सं: 2024/आईआरसीटीसी/एनजेड/एफपी-एफएफयू/ओपन टेंडर/01 – ... जमा करने की अंतिम तिथि 06.06.2024 को 15:00 बजे तक। ई-मेल anjali5065@irctc.com
4. खुली ई-निविदा सं: 2024/आईआरसीटीसी/एनजेड/एफपी-एफएफयू/ओपन टेंडर/02 – ... जमा करने की अंतिम तिथि 06.06.2024 को 15:00 बजे तक। ई-मेल anjali5065@irctc.com
5. खुली ई-निविदा ... जमा करने की अंतिम तिथि 07.06.2024 को 12:00 बजे तक ...
6. खुली ई-निविदा सं: आईआरसीटीसी/आरएन/पीईटी रेजिन/ईबीएफ/2024/आरए – ... 24.05.2024 को 15:00 बजे तक।
www.irctc.com www.tenderwizard.com/IRCTC GeM पोर्टल
ecatering.irctc.co.in
कार्पोरेट कार्यालय: 11वां तल, स्टेट्समैन हाउस, बी–148, बाराखंबा रोड, नई दिल्ली–110001

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।